एक्शन फिल्म गांधारी के लिए.....

हिन्दी दैनिक

दबंग हिन्द

जन की बात, सबके साथ

RNI NO. JHAHIN/2013/54377

रांची संस्करण

आईसीसी चैंपियन्स ट्रॉफी में विराट.....

वर्ष : 13 | अंक : 50 | रांची (झारखंड) | E-mail : dabanghind@gmail.com | गुरुवार, 20 फरवरी 2025 | website : www.dabanghind.com | मूल्य - ₹ 2

रेखा गुप्ता के हाथ में होगी दिल्ली की कमान

प्रवेश वर्मा होंगे उप-मुख्यमंत्री, विजेंद्र होंगे विधानसभा अध्यक्ष, शपथ आज

जींद की रहने वाली हैं बीजेपी की विधायक संगठनात्मक जमीनी स्तर पर सक्रियता

एजेंसी

नई दिल्ली। रेखा गुप्ता साल 2009 दिल्ली भाजपा महिला मोर्चा की महासचिव रह चुकी हैं. मार्च 2010 से भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य हैं. 2007 और 2012 में उत्तरी पीतमपुरा (वार्ड 54) से दो बार निर्वाचित पार्षद रह चुकी हैं. 2013 से वह लगातार विधानसभा चुनाव में उतरी हैं- 2025 में जीतीं. 1992 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के माध्यम से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की।

दिल्ली के नए मुख्यमंत्री का नाम तय हो गया है. शालीमार बाग से विधायक रेखा गुप्ता दिल्ली की नई सीएम होंगी. पार्टी के दोनों पर्यवेक्षक रविशंकर प्रसाद और ओम प्रकाश धनखड़ ने विधायकों से एक-एक करके बात की, फिर रेखा गुप्ता के नाम की घोषणा की. 27 साल बाद राजधानी में बीजेपी की वापसी हुई है। लंबे सस्पेंस के बाद बुधवार शाम बीजेपी विधायक दल की बैठक में उनके नाम पर मुहर लगी. शालीमार बाग से विधायक रेखा

गुप्ता को मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है. यह बीजेपी के लिए ऐतिहासिक पल है क्योंकि 27 साल बाद पार्टी ने दिल्ली की सत्ता में वापसी की है।

विधायकों की बैठक में लिया गया फैसला : बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं रविशंकर प्रसाद और ओम प्रकाश धनखड़ ने विधायकों से एक-एक कर बातचीत की और सभी की राय जानने के बाद रेखा गुप्ता के नाम की घोषणा की गई. इससे पहले मुख्यमंत्री पद के लिए कई नाम चर्चा में थे, लेकिन रेखा गुप्ता ने सबको पीछे छोड़ते हुए बाजी मार ली. उनके नाम की घोषणा के साथ ही पार्टी कार्यालय में जश्न का माहौल बन गया और समर्थकों ने जमकर खुशी मनाई। फिलहाल, अब रेखा गुप्ता के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं. गुरुवार सुबह 11 बजे के बाद यह भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें 25 से 30 हजार लोगों को न्योता भेजा गया है. इस समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, निवर्तमान मुख्यमंत्री आतिशी और दिल्ली कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष देविंदर यादव को भी आमंत्रित किया गया है. इसके अलावा, बीजेपी के कई शीर्ष नेता और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस शपथ ग्रहण समारोह का हिस्सा बनेंगे। हरियाणा के जींद की मूल निवासी गुप्ता छात्र जीवन से ही राजनीति में सक्रिय रही हैं। 50 वर्षीय रेखा गुप्ता ने मेरठ से कानून की पढ़ाई की है। उनका राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और बीजेपी से पुराना नाता रहा है। उत्तरी दिल्ली की मेयर रह चुकी गुप्ता के पास प्रशासनिक अनुभव है।

कौन हैं रेखा गुप्ता : रेखा गुप्ता एलएलबी पास हैं। रेखा गुप्ता का जन्म जींद जिले के जुलाना उपमंडल के नंदगढ़ गांव 1974 में हुआ था। जब वे दो साल की थीं, उनके पिता की नौकरी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में बतौर मैनेजर लगी। इसके बाद वे दिल्ली चले गए और 1976 में पूरा परिवार दिल्ली शिफ्ट हो गया। रेखा गुप्ता की पूरी पढ़ाई लिखाई दिल्ली में हुई। इसी दौरान वे एबीवीपी (अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद) से जुड़ गईं और राजनीति में एक्टिव हो गईं। शिक्षा : ग्रेजुएट प्रोफेशनल (वर्ष 2022 में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ से आईएमआईआरसी कॉलेज ऑफ लॉ भैना गाजियाबाद से एलएलबी)

29 हजार वोटों से मिली थी जीत : रेखा गुप्ता ने इस बार हुए विधानसभा चुनाव में 29 हजार 595 वोट से जीत हासिल की थी। रेखा गुप्ता को 68 हजार 200 मिले थे। उन्होंने आम आदमी पार्टी की महिला उम्मीदवार बंदना कुमारी को हराया था।

एक नजर

मुडा स्कैम मामले में सिद्धारमैया को मिली क्लीनचिट

मैसूर। मुदा (मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण) भूमि घोटाले, जिसमें मुख्यमंत्री सिद्धारमैया मुख्य आरोपी हैं, की जांच पूरी हो गई है. मैसूर लोकायुक्त ने जांच रिपोर्ट में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उनकी पत्नी सहित अन्य आरोपियों को क्लीन चिट दे दी है. लोकायुक्त ने शिकायतकर्ता स्नेहमयीकृष्ण को नोटिस जारी कर कहा है कि साक्ष्य के अभाव में मामला जांच के लायक नहीं है. उन्होंने यह भी बताया कि साक्ष्य के अभाव में भी वो रिपोर्ट दर्ज कराएंगे। लोकायुक्त अधिकारियों ने मामले की जांच रिपोर्ट के संबंध में शिकायतकर्ता स्नेहमयी कृष्णा को नोटिस जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि साक्ष्य के अभाव में मामला जांच के लायक नहीं है। इसमें वे मामले भी शामिल हैं, जिन्हें बिना जांच के खारिज कर दिया जाता है।

आप का नए सिरे से होगा पुनर्गठन

नई दिल्ली। दिल्ली में आम आदमी पार्टी मुख्यालय में बुधवार को अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व मेंकार्यकारिणी की बैठक हुई. इसमें दिल्ली के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों के पर्यवेक्षक, अध्यक्ष और संगठन मंत्री शामिल हुए. इस दौरान सभी ने अपनी-अपनी विधानसभाओं की मौखिक रिपोर्ट सामने रखी है. आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष गोपाल राय ने बताया कि बैठक में तय हुआ कि संगठन के पुनर्गठन से पहले सभी पदाधिकारी अगले दस दिनों में चुनाव में अपनी भूमिका पर रिपोर्ट पेश करेंगे। गोपाल राय ने कार्यकारिणी की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में बताया कि, ह्यआज सभी 70 विधानसभाओं के पदाधिकारियों के साथ बैठक की है।

खुफिया जानकारी लीक को लेकर तीन आरोपियों की हुई गिरफ्तारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आज बुधवार को बताया कि पाकिस्तान स्थित खुफिया एजेंसियों को संवेदनशील जानकारी लीक करने के आरोप में 3 संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार किया गया है. इन तीनों पर आरोप है कि ये भारतीय रक्षा प्रतिष्ठानों के बारे में संवेदनशील जानकारी पड़ोसी मुल्क से साझा कर रहे थे और बदले में पीआईओ से पैसे ले रहे थे। जांच एजेंसी ने अपने बयान में कहा कि तीनों लोग कारवार नौसेना बेस और कोच्चि नौसेना बेस पर भारतीय रक्षा प्रतिष्ठानों के बारे में संवेदनशील जानकारी साझा कर रहे थे. वेथन लक्ष्मण टंडेल और अक्षय रवि नाइक को कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले से गिरफ्तार किया गया, जबकि अभिलाष पी ए को कल मंगलवार को केरल के कोच्चि शहर से पकड़ा गया।

बालाघाट में पुलिस और नक्सलियों में मठभेड़

चार महिला नक्सली ढेर, कई घायल

एजेंसी

बालाघाट। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें चार महिला नक्सली ढेर हो गईं. यह मुठभेड़ गढ़ी थाना क्षेत्र के रौंदा जंगल में हुई, जो कि नक्सल प्रभावित क्षेत्र है. पुलिस ने इस मुठभेड़ में नक्सलियों से कई हथियार और अन्य सामग्री भी बरामद की. पुलिस की इस कार्रवाई को बड़ी सफलता माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि पुलिस और हॉक फोर्स के जवान रौंदा के घने जंगलों में सर्चिंग कर रहे थे. अचानक, नक्सलियों ने घात लगाकर पुलिस पार्टी पर फायरिंग शुरू कर दी. जवानों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की, जिसमें चार महिला नक्सली ढेर हो गईं. मारी गईं नक्सलियों से एक इंसास राइफल, एक एसएलआर राइफल और एक 303 राइफल के अलावा दैनिक उपयोग की कई सामग्री बरामद की गई।

मुठभेड़ पर क्या सीएम मोहन यादव? : पुलिस की इस सफलता पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बधाई दी और कहा कि, मध्य प्रदेश सरकार जल्द ही नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से नक्सलियों का पूरी तरह सफाया कर देगी. 2026 तक राज्य के नक्सल प्रभावित जिलों से नक्सलवाद को पूरी तरह खत्म कर दिया जाएगा। वहीं मुठभेड़ की जानकारी मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए और स्थिति का जायजा लिया. उन्होंने बताया कि इस कार्रवाई के दौरान कई नक्सलियों के घायल होने की संभावना है, लेकिन घने जंगल की वजह से उन्हें पकड़ पाना चुनौतीपूर्ण है।

नक्सलियों के खिलाफ चलाया जा रहा अभियान : यह मुठभेड़ बालाघाट जिले में पुलिस की बढ़ती ताकत और नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को दशार्ती है. पुलिस ने मारे गए महिला नक्सलियों के शव बरामद कर लिए हैं और उनकी शिनाख्त के लिए जांच प्रक्रिया शुरू कर दी है. मुठभेड़ के बाद, पुलिस ने कहा कि इस कार्रवाई से नक्सलियों को यह संदेश दिया जाएगा कि उनका आतंक अब खत्म होने की ओर है।

जंगल का फायदा उठाकर भागे नक्सली

मुठभेड़ के दौरान अन्य नक्सली भी घायल हुए, जो कि घने जंगल का फायदा उठाकर भाग गए. घायल नक्सलियों की तलाश के लिए पुलिस ने जंगल में व्यापक सर्च ऑपरेशन शुरू किया. पुलिस ने इस ऑपरेशन में हॉक फोर्स, सीआरपीएफ, कोबरा कमांडो और जिला बल की टीमों को शामिल किया. कुल मिलाकर, 12 से अधिक टीमों द्वारा सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा, ताकि भागे हुए नक्सलियों को पकड़ा जा सके।

बाइक और स्कॉर्पियो के बीच जबरदस्त टक्कर में 6 की मौत

काफी मशक्कत के बाद वाहन से शव को निकाला जा सका

दबंग हिंद संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह में भीषण सड़क हादसा हुआ है। यहां गिरिडीह झ डुमरी मुख्य पथ पर मधुबन थाना क्षेत्र के लटकट्टो पिकेट के पास एक तेज रफ्तार स्कोर्पियो वाहन और बाईक के बीच भीषण टक्कर हुई है। इस घटना में छः लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी है। घटना देर रात की है।

घटना के बाद पुलिस ने सभी शव को कब्जे में लेकर मधुबन थाना में रख कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजनें की तैयारी में जुट गयी है। घटना के बाबत बताया गया कि गिरिडीह झ डुमरी मुख्य मार्ग पर बीती रात एक तेज रफ्तार स्कोर्पियो वाहन और बाईक के बीच भीषण टक्कर हो गयी। बाइक से टक्कर के बाद स्कोर्पियों पेड़ से जा टकराई। इस घटना में दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए और घटना में

मौके पर ही छः लोगों की दर्दनाक मौत हो गयी। बाईक सवार मृतकों की पहचान मधुबन थाना क्षेत्र के अटकी निवासी हुसैनी मियां और बबलू कुमार टुडू के रूप में की गयी है, जबकि स्कोर्पियो सवार लोगों की पहचान सोमेश चंद्रा, गोपाल कुमार और गुलाब कुमार के रूप में की गयी है। एक शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस की टीम मृतकों के परिजनों से सम्पर्क करने में जुटी हुई है।

स्कॉर्पियो में सवार 4 और बाइक सवार 2 युवकों की मौत : बताया गया है कि स्कॉर्पियो और बाइक विपरीत दिशा से आ रही थीं। इसी दौरान स्कॉर्पियो चालक का संतुलन बिगड़ गया और उसने पहले बाइक सवार को धक्का मार दिया, फिर गाड़ी पेड़ से जा टकराई। घटना की सूचना डुमरी एसडीपीओ सुमित कुमार को मिली, जिसके बाद मधुबन थाना की पुलिस को घटनास्थल पर भेजा गया।

नक्सलियों की विध्वंसक योजना विफल, मिली बड़ी सफलता

नक्सलियों का विस्फोटक जखीरा बरामद

दबंग हिंद संवाददाता

गिरिडीह। जिले के गार्दी और मर्मी के जंगलों में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना पर सुरक्षाबलों ने बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया। हालांकि, माओवादियों को अभियान की भनक लगने के कारण वे भागने में सफल रहे, लेकिन सुरक्षाबलों को भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद हुई है।

154 वाहिनी सीआरपीएफ और गिरिडीह पुलिस के संयुक्त अभियान में यह सफलता मिली। अभियान का नेतृत्व कमांडेंट-154 वाहिनी और पुलिस अधीक्षक, गिरिडीह के निर्देश पर द्वितीय कमान अधिकारी दलजीन सिंह भाटी और अभियान पुलिस अधीक्षक सुरजीत ने किया। उनके साथ सहा. कमांडेंट विजय सिंह मीणा, निरीक्षक जीडी ओमप्रकाश वर्मा सहित सुरक्षाबलों और सिविल पुलिस की टीम मौजूद थी।

दस्ते की सूचना पर चलाया गया ऑपरेशन : अधिकारियों ने बताया कि सीआरपीएफ की 154 बटालियन के कमांडेंट और पुलिस अधीक्षक गिरिडीह को सूचना मिली थी कि नक्सली साहेबराम मांझी और पवन लंगड़ा उर्फ ??पवन मांझी का दस्ता गार्दी और मर्मी में देखा गया है. इस सूचना पर एक टीम का गठन किया गया. टीम में द्वितीय कमान अधिकारी दलजीत सिंह भाटी, एएसपी ऑपरेशन सुरजीत, सहायक कमांडेंट विजय सिंह मीना, इंस्पेक्टर ओमप्रकाश वर्मा, बलवंत सिंह के साथ सीआरपीएफ व पुलिस के जवान शामिल थे।

टीम ने जांच शुरू की. पूरे जंगल की तलाशी ली गई. कई घंटों तक ऑपरेशन चलाया गया. इस दौरान नक्सली भाग निकले, लेकिन टीम ने उनके द्वारा छिपाए गए विस्फोटक बरामद कर लिए. एएसपी ऑपरेशन सुरजीत ने बताया कि टीम अभी भी इलाके में छापेमारी कर रही है।

मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने जोगीघोपा में आईडब्ल्यूटी टर्मिनल राष्ट्र को समर्पित किया

एजेंसी

नई दिल्ली। उन्नत सुविधाओं से सुसज्जित अंतर्देशीय जलमार्गों से भारत में लॉजिस्टिक्स विकास से विकसित भारत की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृष्टि को साकार रूप मिलेगा। सबार्नंद सोनोवाल

- जोगीघोपा में नया टर्मिनल पूर्वी भारत के लॉजिस्टिक्स सेक्टर के लिए गेम चेंजर साबित होगा झ यह भारत, भूटान और बांग्लादेश के बीच त्रिपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देगा : सबार्नंद सोनोवाल
- जोगीघोपा टर्मिनल का निर्माण 82 करोड़ से अधिक की लागत से किया गया, कार्गो हैंडलिंग के लिए इलेक्ट्रिक लेवल लफिंग क्रेन के साथ आरसीसी जेटी से सुसज्जित
- ल्योन्पो नामग्याल दोरजी, माननीय उद्योग, वाणिज्य एवं रोजगार मंत्री, भूटान ने उद्घाटन समारोह में हिस्सा लिया

- जोगीघोपा, 19 फरवरी, 2025: केंद्रीय बंदरगाह, पोत एवं जलमार्ग मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने आज यहां जोगीघोपा में अंतर्देशीय जलमार्ग टर्मिनल (आईडब्ल्यूटी) राष्ट्र को समर्पित किया। इस टर्मिनल का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरवरी 2021 में किया था। भूटान में गलेफू से केवल 91 किलोमीटर, बांग्लादेश सीमा से 108 किलोमीटर और गोवाहाटी से 147 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह टर्मिनल रणनीतिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। यह बांग्लादेश और भूटान के साथ हमारे द्विपक्षीय संबंधों के संदर्भ में भी महत्व रखता है। जोगीघोपा टर्मिनल भारत एवं बांग्लादेश के बीच पीआईडब्ल्यूटीएंडटी के तहत घोषित बंदरगाहों में से एक है।

इस अवसर पर केंद्रीय बंदरगाह, पोत एवं जलमार्ग मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने कहा, आज जबकि हम जोगीघोपा में आईडब्ल्यूटी टर्मिनल को राष्ट्र को समर्पित कर रहे हैं, यह दिन देश के जलमार्ग परिवहन की दृष्टि से ऐतिहासिक महत्व रखता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के गतिशील नेतृत्व में, जलमार्ग परिवहन में बड़े पैमाने पर बदलाव आ रहा है जो कि भारत के लॉजिस्टिक्स विकास को बढ़ावा देते हुए मोदी जी की विकसित भारत की दृष्टि को साकार कर रहा है। जोगीघोपा में आईडब्ल्यूटी टर्मिनल इस क्षेत्र में कनेक्टिविटी में व्यापक रूप से बदलाव लाने के साथ-साथ भूटान और बांग्लादेश के साथ हमारे त्रिपक्षीय संबंधों को भी मजबूती देगा।

पंजाब सरकार ने 52 पुलिसकर्मियों को किया बर्खास्त

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस विभाग में भ्रष्टाचार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार ने कदाचार के दोषी पाए गए 52 पुलिस अधिकारियों को बर्खास्त करके सख्त कार्रवाई की है। यह कार्रवाई अनियमितताओं के आरोप में मुक्तसर के जिला आयुक्त को निलंबित किए जाने के दो दिन बाद की गई है।

पंजाब के शासन में एक नया अध्याय शुरू हो रहा है - जो भ्रष्टाचार के खिलाफ राज्य की लड़ाई को फिर से परिभाषित कर सकता है। आम आदमी पार्टी (आप) सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल द्वारा नई दिल्ली में पंजाब के विधायकों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक करने के कुछ ही दिनों बाद, राज्य सरकार ने सोमवार को भ्रष्टाचार पर कड़ी कार्रवाई की। एक नाटकीय फेरबदल में, पंजाब के शीर्ष भ्रष्टाचार निरोधक अधिकारी, राज्य सतर्कता ब्यूरो के मुख्य निदेशक वरिंदर कुमार को कथित तौर पर भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी ह्लनिष्क्रियताह्व के कारण उनके पद से हटा दिया गया है; जबकि श्री मुक्तसर साहिब के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) राजेश त्रिपाठी को भ्रष्टाचार के आरोपों में निलंबित कर दिया गया है। सर्जिकल सटीकता के साथ की गई इस कार्रवाई को आप विधायकों द्वारा उठाई गई चिंताओं का सीधा नतीजा माना जा रहा है, जिन्होंने कथित तौर पर भ्रष्टाचार विरोधी अभियान में अक्षमताओं और सतर्कता ब्यूरो के भीतर एक समानांतर प्रणाली की मौजूदगी को चिन्हित किया था। सरकार ने अब अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जी

नागेश्वर राव को राज्य सतर्कता ब्यूरो का नया प्रमुख नियुक्त किया है, जिससे कुमार के नेतृत्व में कथित तौर पर रुकी हुई जांच में नई ऊर्जा भरने की उम्मीद है। इन साहसिक कदमों के साथ, भगवंत मान सरकार ने एक स्पष्ट संदेश दिया है - भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, और कोई भी अधिकारी जांच से परे नहीं है। हाल ही में की गई कार्रवाई दिल्ली में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक से उपजी है - विधानसभा चुनावों में आप की करारी हार के बाद - जहां आप के पंजाब विधायकों, मुख्यमंत्री भगवंत मान, सभी कैबिनेट मंत्रियों ने केजरीवाल और राज्यसभा सांसद संदीप पाठक से मुलाकात की। दिल्ली विधानसभा चुनावों में आप के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, पंजाब के विधायकों ने कथित तौर पर अपने गृह क्षेत्र में शासन के मुद्दों पर चिंता व्यक्त की। कई लोगों ने भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की कमी की ओर इशारा किया, चेतावनी दी कि निष्क्रियता भविष्य के चुनावों से पहले पार्टी की साख को नुकसान पहुंचा सकती है।

बैठक में सबसे महत्वपूर्ण खुलासे में से एक पंजाब सतर्कता ब्यूरो द्वारा हाई-प्रोफाइल भ्रष्टाचार के मामलों में निर्णायक कार्रवाई करने में कथित विफलता थी। सूत्रों ने संकेत दिया कि कई विधायकों ने ब्यूरो में कुछ जूनियर अधिकारियों पर अपने अधिकार का दुरुपयोग करने, जांच में देरी करने और भ्रष्टाचार के मामलों को आक्रामक तरीके से आगे बढ़ाने के बजाय नौकरशाही बाधाएं पैदा करने का आरोप लगाया, खासकर उच्च अधिकारियों के खिलाफ।

क्या कोर्ट मध्यस्थता के फैसलों में बदलाव कर सकती हैं? फैसला सुरक्षित

दबंग हिंद संवाददाता

नई दिल्ली। क्या अदालतें कानून के तहत मध्यस्थता फैसलों को संशोधित कर सकती हैं? इस सवाल पर सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ में सुनवाई पूरी हुई. सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने मामले पर फैसला सुरक्षित रखा. उखक संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने फैसला सुरक्षित रखा. याचिकाकताओं का कहना है कि अदालतों को मध्यस्थता निर्णयों में संशोधन करने का अधिकार है। क्या न्यायालय मध्यस्थता और सुलह पर 1996 के कानून के प्रावधानों के तहत मध्यस्थता पुरस्कारों में संशोधन कर सकते हैं? इस पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई के बाद कोर्ट ने उच्चतम

न्यायालय ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति संजय कुमार, न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की संविधान पीठ ने तीन दिनों तक इस मामले की सुनवाई की. सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और न्यायमूर्ति अरविंद दातार, न्यायमूर्ति डेरियस खंबाटा, न्यायमूर्ति शेखर नपाहड़े और न्यायमूर्ति रितिन राय सहित अन्य ने अपनी बातें कहीं।

उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक

दबंग हिन्द,संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को उनके कार्यालय कक्ष में जिला स्तरीय जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान सर्वप्रथम कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल श्री प्रदीप कुमार सिंह के द्वारा उपायुक्त एवं बैठक में उपस्थित अन्य अधिकारियों को जिला स्तरीय जल एवं स्वच्छता समिति की पूर्व की बैठक में दिए गए निर्देश के आलोक में किए गए कार्यों की जानकारी दी गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने कहा की इस वर्ष गर्मी के मौसम में जिलेवासियों को जलापूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा अभियान मोड में कार्य करने का निर्णय लिया गया है। अभियान के तहत जिले के प्रत्येक पंचायत में कम से कम तीन-तीन जलापूर्ति योजनाओं को चिन्हित कर

उनकी मरम्मती कराई जानी है। इस संबंध में उपायुक्त ने कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल को प्रखंड विकास पदाधिकारियों के माध्यम से प्राप्त हो रहे प्रतिवेदन के आधार पर सहायक अभियंताओं, कनीय अभियंताओं सहित अन्य को पंचायत वार टैग करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल द्वारा उपायुक्त के समक्ष कार्यालय में कर्मियों के कमी की बात को रखा गया जिस पर उपायुक्त ने आउटसोर्स के माध्यम से प्रखंड समन्वकों की नियुक्ति के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। ओडीएफ प्लस गतिविधियों की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने 74 वैसे गांव जिनकी वर्तमान में ओडीएफ प्लस के तहत किसी भी स्तर में रैंकिंग नहीं की गई है उन पर तत्काल संज्ञान लेते हुए जल्द से जल्द से सोखता गड्ढा का निर्माण सभी गांव में सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उपायुक्त ने जो गांव मॉडल घोषित हो गए हैं उनके सत्यापन का कार्य अगले 15 दिनों के अंदर पूर्ण करने का निर्देश दिया। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेज टू अंतर्गत बनाए जाने वाले शौचालय की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने लाभुकों को प्रेरित करते हुए जल्द से जल्द लक्ष्य के अनुरूप शौचालय निर्माण कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के द्वारा उपायुक्त को जानकारी दी गई कि गांव में कचरा प्रबंधन हेतु वर्तमान में 66 ई रिक्शा क्रय किया गया है जिनमें 8 वाहनों का संचालन किया जा रहा है इस पर उपायुक्त में कार्यपालक अभियंता को सभी 66 वाहनों का संचालन शुरू करने को लेकर जिला पंचायती राज पदाधिकारी से समन्वय करते हुए कार्य करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट केंद्र निर्माण के संबंध में जानकारी देने के क्रम में कार्यपालक अभियंता द्वारा बताया गया कि जिले के मांडू एवं गोला प्रखंड में प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट केंद्र का निर्माण किया जाना है जिसमें मांडू प्रखंड में निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है एवं विद्युत कनेक्शन होने के उपरांत केंद्र का संचालन शुरू किया जाएगा। इस संबंध में उपायुक्त ने विद्युत विभाग के साथ समन्वय करते हुए जल्द से जल्द विद्युत कनेक्शन सुनिश्चित करते हुए केंद्र का संचालन शुरू करने का निर्देश दिया। साथ ही गोला प्रखंड में प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट केंद्र के निर्माण हेतु अंचल अधिकारी गोला के साथ समन्वय करने का निर्देश दिया। जल जीवन मिशन के तहत हो रहे कार्यों की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने जिन गांवों में 80 से 99% तक जलापूर्ति कनेक्शन देने का कार्य पूर्ण हो गया है उन गांव में विशेष ध्यान देते हुए शत प्रतिशत घरों में जलापूर्ति कनेक्शन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त, जिला स्तरीय वरीय अधिकारियों, अधिकारियों सहित अन्य उपस्थित थे।

श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल ,रामगढ़ की छात्रा

सूफिया नाज वीरगाथा 4.0 की पुरे राज्य से बनी एक मात्र विजेता

दबंग हिन्द,संवाददाता

रामगढ़। श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल की कक्षा 11 वाणिज्य की छात्रा सूफिया नाज का चयन विजेता के रूप में किया गया। इसकी जानकारी प्रधानाचार्य हरजाप सिंह ने बुधवार दिन 1 बजे दिया। वह झारखंड की एकमात्र छात्रा थीं, जिसे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मातृभूमि के लिए स्वतंत्रता संग्राम की शुरूआत करने में स्वतंत्रता सेनानी मंगल पांडे के योगदान पर उनके लेखन के लिए स्वर्ण पदक और 10000 के चेक से सम्मानित किया। उन्हें उनके लेखन के अनूठे तरीके और अपने विचारों को सुंदर तरीके से प्रस्तुत करने के कारण भारत सरकार द्वारा चुना गया। पूरे देश में 100 छात्रों का चयन किया गया। जिसके बाद इन सभी को दिल्ली में सम्मानित किया गया। उनकी मां रूमी परवीन ने अपनी बेटी को आकार देने और उसमें नैतिक मूल्यों को

विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पुरस्कार प्राप्त करने के लिए झारखंड से नई दिल्ली तक की उनकी यात्रा उनके लिए एक अविश्वसनीय स्मृति है। स्कूल और उनके शिक्षकों ने हमेशा उनकी पढ़ाई में सहयोग किया है। प्रधानाचार्य हरजाप सिंह और स्कूल प्रबंधन समिति को सूफिया की उपलब्धि पर बेहद गर्व जताया एवं हेडमिस्ट्रेस मधु श्री, शिक्षक संजय कुमार दुबे, सुलेखा सिन्हा, राजेश सिंह और इंद्रपाल सिंह की सराहना की जिन्होंने इस प्रतियोगिता और बच्चों में प्रोत्साहन देने का काम किया।

टाटा कॉलेज चाईबासा से 1.56 करोड़ की अवैध निकासी के मामले की जांच शुरू, दर्ज होगा एफआईआर

दबंग हिन्द,संवाददाता

चाईबासा। कोल्हान विश्वविद्यालय के टाटा कॉलेज चाईबासा से 1.56 करोड़ रुपये अवैध निकासी के मामले में कोल्हान आयुक्त कुलपति के निर्देश पर जांच कमेटी का गठन किया गया है. इस मामले में प्राथमिकी भी दर्ज करायी जायेगी. यह बात सामने आयी है कि राशि की निकासी गलत तरीके से की गयी है और यह प्राचार्य डॉ एससी दास और वित्त पदाधिकारी डॉ बीके सिंह की जानकारी में नहीं है. यह राशि कॉलेज के करेंट अकाउंट से दो अलग अलग कंपनी को भुगतान किया गया जिसमे एक ओड़िशा के कटक और रांची के किसी एजेंसी का नाम सामने आया है. टाटा कॉलेज चाईबासा का करंट अकाउंट पंजाब नेशनल बैंक में है, 1.56 करोड़ की निकासी उसी बैंक के खाते से हुई है. इतनी बड़ी राशि की निकासी 2 फरवरी 2025 को ही की गई है, लेकिन इस बात का पता न तो प्राचार्य को हुआ और न ही विवि के वित्त पदाधिकारी को. यह मामला पूरी तरह से संदिग्ध है. मामला चेक के क्लोन, फर्जी हस्ताक्षर से भी जुड़ा है. मामले की निष्पक्ष जाँच होने पर कॉलेज, विवि और बैंक के अधिकारी भी घेरे में आ सकते हैं. जानकारी के अनुसार कोल्हान आयुक्त सह विवि के कुलपति को मामले की जानकारी मिलने पर उन्होंने मंगलवार को तत्काल शाम 4.30 बजे बैठक बुलाई और सभी अधिकारियों से पूछताछ की. लेकिन कॉलेज के प्राचार्य से लेकर वित्त पदाधिकारी ने राशि निकालने की जानकारी से इनकार किया. जानकारी के अनुसार बैठक में पंजाब नेशनल बैंक के मैनेजर भी थे, राशि की निकासी कैसे हुई इसका संतोषजनक जबाब उनकी ओर से नहीं दिया गया. जिसके बाद मामला और भी संदिग्ध हो गया है. अब इस पूरे मामले में मुकदमा दर्ज किये जाने की बात कही जा रही है।

राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर संघ ने तीन सुत्री मांगो को ले पीओ के साथ किया वार्ता

भुरकुंडा (रामगढ़)। राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर संघ ने बुधवार को तीन सुत्री मांगो को लेकर भुरकुंडा कोलियरी के परियोजना पदाधिकारी कुमार राकेश सत्यार्थी के साथ वार्ता किया। वार्ता में संघ के नेताओं ने पीओ को भुरकुंडा छठ मंदिर से लेकर परियोजना कार्यालय तक सड़क पर पानी का छिडकाव करने, भुरकुंडा थाना से लेकर बैरेक तक सड़क को क्लियर कराने, भुरकुंडा थाना से लेकर शिव नगर कॉलोनी तक नाली की साफ सफाई कराने की मांग की। युनियन के मांगो पर पीओ ने सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया। वार्ता में युनियन के चमन लाल, प्रेमनाथ विश्वकर्मा, मो इकबाल हुसैन, फिरदोस आलम, मो कलाम, इम्तियाज अहमद आदि शामिल थे।

बड़कागांव प्रखंड के 5 अभ्यर्थी रेवेन्यू इंस्पेक्टर बने लोगों ने दी बधाई

दबंग हिन्द,संवाददाता

बड़कागांव। झारखंड सरकार के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को रांची में 289 अभ्यर्थियों के बीच नियुक्ति पत्र वितरण किया। जिसमें बड़कागांव प्रखंड के मध्य पंचायत निवासी सरोज सोनी के पुत्र संदीप सोनी, सांढ गांव निवासी दिनेश्वर दांगी के पुत्र प्रमोद कुमार दांगी, सिंदुवारी निवासी देवनन्दन राणा के पुत्र बिट्टू कुमार सहित दो अन्य अभ्यार्थियों को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के हाथों रेवेन्यू इंस्पेक्टर (राजस्व निरीक्षक) नगर विकास एवं आवास विभाग का नियुक्ति पत्र दिया गया। बताते चले की बड़कागांव प्रखंड के अभ्यार्थियों में प्रतिभा की कमी नहीं है हर एक नियुक्ति में यहां के विद्यार्थी अपना परचम लहराते हैं। बधाई देने वालों में मुख्य रूप से बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी, पूर्व विधायक अंबा प्रसाद, पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, प्रमुख फुलवा देवी, उप प्रमुख वचन देव कुमार, मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत मेहता, पूर्व मुखिया पारसनाथ प्रसाद,जगदेव विचार मंच के अध्यक्ष उमेश दांगी, आजसू केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाहा, गौतम वर्मा, तपेश्वर कुमार तापस,भाजपा मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो,सेविका अनिता कुशवाहा,पूनम देवी,मंजू देवी,अंजू देवी,बिना सिंह,प्रीति कुमारी, पूर्व प्रमुख टुकेश्वर प्रसाद, मुखिया गणेश साव, तकरीमुल्लाह खान,पूजा पुरी, चंदनपुरी, लीलावती कुमारी, प्रभु महतो, रामनवमी महासमिति अध्यक्ष विवेक सोनी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य राजीव रंजन, समाजसेवी बिंदु दांगी, अनिल कुमार, सरिता देवी,पूर्णिमा कुमारी,यशोदा शर्मा,ज्योति कुमारी,रौनक कुमार सहित सैकड़ो लोगों ने बधाई दिया।

रैपिडो चालक से मोबाइल लूटने के मामले में एक गिरफ्तार

रांची। हटिया रोड में रैपिडो चालक को चाकू मारकर घायल कर मोबाइल लूटने के मामले में जगन्नाथपुर पुलिस ने मुख्य आरोपी केशव सिंह (20 वर्ष) को गिरफ्तार किया है. वह सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के इरगू टोली का निवासी है. उसके पास से एक स्प्रिंग फोल्डिंग चाकू और दो एंड्रायड फोन बरामद किया है. जबकि इस घटना में शामिल एक युवती का नाम सामने आया था, जिसका केशव सिंह ने कोतवाली थाना क्षेत्र से अपहरण किया था. उस युवती को तीन दिन पहले कोतवाली पुलिस ने बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया था. उक्त जानकारी जगन्नाथपुर थाना प्रभारी दिग्विजय सिंह ने दी. उन्होंने बताया कि केशव सिंह ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है. वहीं उसकी निशानदेही पर सोलंकी रोड नंबर-2 स्थित किराये के मकान में छिपाकर रखा गया चाकू व दो मोबाइल बरामद किया गया. उसने रैपिडो कर्मी से छीना गया मोबाइल तीन हजार रुपये में चूना भट्ठा निवासी रोहित यादव को बेच दिया था।

कांग्रेस पार्टी के द्वारा बैठक का आयोजन किया गया

दबंग हिन्द,संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ पार्क में कांग्रेस पार्टी के द्वारा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता नगर कार्यकारी अध्यक्ष राजन करमाली व संचालन एस सी विभाग के जिला अध्यक्ष उदित राम ने किया। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि झारखंड सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारा जाए। रामगढ़ छावनी परिषद क्षेत्र के 8 वार्ड में किसी भी विकास के कार्य पूरी निगरानी के साथ कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी करेंगे जिससे गुणवत्ता बनी रहेगी और किसी भी कार्य में त्रुटि होने पर जाच किया जाएगा और स्थानीय विधायक ममता देवी और कांग्रेस पार्टी के कार्यो को जनता तक पहुचाया जाएगा। इस बैठक में आदिवासी कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष गगन करमाली, आदिवासी कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष अनिल मुंडा, जिला सचिव टीकू खान, समीर हुसैन, साजिद हुसैन, राजा खान, डमडम सिंह, कार्तिक राम, विकास कुमार, राजा करमाली, दिलीप कुमार, जय कुमार राम, आदिल आदि उपस्थित थे।

छत्रपति शिवाजी प्लस टू हाई स्कूल, में वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन

मुख्य अतिथि विधायक प्रदीप प्रसाद ने विद्यार्थियों को दिया सफलता का मंत्र

दबंग हिन्द,संवाददाता

दारू। दारू प्रखंड के बड़वार में छत्रपति शिवाजी प्लस टू हाई स्कूल में वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें विधायक प्रदीप प्रसाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। पूरे कार्यक्रम में उत्साह और उमंग का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम की शुरूआत छत्रपति शिवाजी महाराज की तस्वीर पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुई। विधायक प्रदीप प्रसाद ने शिवाजी महाराज के साहस, नेतृत्व और राष्ट्रभक्ति को याद करते हुए कहा की छत्रपति शिवाजी महाराज केवल एक महान योद्धा ही नहीं, बल्कि एक कुशल प्रशासक और आदर्श नेतृत्वकर्ता भी थे। आज के युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए और अपने लक्ष्य की ओर समर्पण के

साथ बढ़ना चाहिए। विधायक प्रदीप प्रसाद जी ने विद्यालय प्रशासन की सराहना करते हुए कहा की कम संसाधनों के बावजूद विद्यालय का संचालन जिस कुशलता और प्रतिबद्धता के साथ किया जा रहा है, वह सराहनीय है। विद्यालय परिवार, शिक्षकगण और प्रबंधन समिति बधाई के पात्र हैं, जो बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए पूरी निष्ठा से कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य,गीत और नाटक की शानदार प्रस्तुतियाँ दीं। इनमें देशभक्ति, सामाजिक जागरूकता और भारतीय संस्कृति की झलक देखने को मिली। बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा की बच्चों की यह ऊर्जा, आत्मविश्वास और समर्पण ही उन्हें आगे चलकर जीवन में सफल बनाएगा। उनकी मेहनत और लगन से क्षेत्र का नाम रोशन होगा। विद्यालय प्रशासन और विद्यार्थियों की मांग को देखते हुए विधायक प्रदीप प्रसाद ने आश्वासन दिया कि विद्यालय के विकास के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही समाज और देश की प्रगति की नींव है। संसाधनों की कोई कमी विद्यार्थियों की शिक्षा में बाधा नहीं बनने दी जाएगी। अंत में विद्यालय प्रधानाचार्य एवं प्रबंधन समिति ने विधायक प्रदीप प्रसाद का विद्यालय में आगमन के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण, मंडल अध्यक्ष अशोक कुशवाहा, भाजपा नेता सुरेश प्रसाद, महामंत्री संजय कुशवाहा, उपाध्यक्ष रामनारायण कुशवाहा, पूर्व मंडल अध्यक्ष बंसत राणा, विक्की कुमार, संतोष राणा, मनोज प्रसाद ,अनिल कुशवाहा, छकौडी महतो, नवल किशोर, भरत प्रसाद अभिभावक और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

38वें नेशनल गेम्स में शोभा महतो ने जीता रजत पदक

आर्थिक तंगी के कारण नहीं ले पाई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग

दबंग हिन्द,संवाददाता

चाईबासा। उत्तराखंड में आयोजित 38वें नेशनल गेम्स में झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए सरायकेला-खरसावां जिले की शोभा महतो ने मॉडर्न पेंटाथलन लेजर रन टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतकर जिले और राज्य का नाम रोशन किया। इससे पहले भी उन्होंने 37वें नेशनल गेम्स, गोवा में भाग लेकर रजत पदक जीता था। ग्राम सोसोमली, थाना राजनगर की रहने वाली शोभा महतो ने मात्र दो साल पहले एथलेटिक्स में कदम रखा था और अपनी कड़ी मेहनत के दम पर देश के सर्वोच्च खेल प्रतियोगिता में पदक हासिल किया। उनके कोच और जिला मॉडर्न पेंटाथलन संघ व जिला ओलंपिक संघ के सचिव सिकंदर महतो ने बताया कि शोभा पहले कराटे खिलाड़ी थीं और कुछ स्कूलों में बच्चों को प्रशिक्षण भी देती थीं। राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण शोभा महतो का चयन एशियन मॉडर्न पेंटाथलन चैंपियनशिप, चीन के लिए हुआ था लेकिन पांच दिनों के भीतर दो लाख रुपये की व्यवस्था नहीं हो पाने के कारण वह इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाईं।

हालांकि, अपनी मेहनत और लगन से उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई और जिले के लिए गर्व का विषय बनीं। जिला ओलंपिक संघ और मॉडर्न पेंटाथलन संघ के पदाधिकारियों ने शोभा महतो के गांव पहुंचकर उनका सम्मान किया। इस मौके पर प्रभांशु महतो, शंकर महतो, लखन सरदार, सचिंदर महतो, संजू महतो, शोभा की चाची, माता-पिता सहित कई लोग उपस्थित रहे। शोभा महतो की इस उपलब्धि से जिले के खेल प्रेमियों में हर्ष का माहौल है। सभी ने उन्हें आगे की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं और प्रशासन से उन्हें आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की अपील की ताकि वह भविष्य में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में झारखंड और भारत का नाम रोशन कर सकें।

एक नजर

लक्ष्य का निर्धारण कर तैयारी करें जरूर सफल होंगे : विजयंत कुमार

भुरकुंडा (रामगढ़)। ए ला एंगलाइज सीनियर सेकेंडरी विद्यालय बिरसा चौक भुरकुंडा का मेधावी छात्र वैभव राज ने जेईई मेन्स परीक्षा में सफलता प्राप्त कर अपने माता-पिता, विद्यालय सहित क्षेत्र का नाम रौशन किया है। वैभव राज ने जेईई मेंस परीक्षा में 98.99 परसेंटाइल का स्कोर हासिल किया है। छात्र की इस उपलब्धि से पूरे विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। छात्र की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए प्राचार्य विजयंत कुमार ने कहा कि वैभव ने कठिन परिश्रम और आत्मविश्वास के बल पर यह सफलता अर्जित की है। बच्चे लक्ष्य का निर्धारण कर गुरूओं के मार्ग-दर्शन में जैयारी करेंगे तो जरूर सफल होंगे। उन्होंने कहा कि वैभव राज की यह सफलता अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणादायक है। प्राचार्य श्री कुमार ने कहा कि जीवन में कठिनाइयों का सामना करना और उन पर विजय पाना ही सच्ची जीत है। शिक्षकों और माता-पिता ने भी उनकी मेहनत और लगन की सराहना की। वैभव की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते विद्यालय परिवार सहित क्षेत्रवासियों ने उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

उर्मिला देवी बने उ.प्रा.वि.सजोट के विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष

विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ प्रखंड अंतर्गत खरकी पंचायत के उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय सजोट के विद्यालय परिसर में बुधवार को विद्यालय प्रबंधन समिति के पुनर्गठन को लेकर बच्चों के अभिभावकों के बिच बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता वार्ड सदस्या श्रीमती सुनीता देवी ग्राम/पंचायत-खरकी वार्ड संख्या-2 सजोट ने किया। आयोजित बैठक में विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष,उपाध्यक्ष,सहित समिति के सदस्यों का चयन को लेकर विचार-विमर्श किया गया। जिसमें सर्व समिति से उर्मिला देवी को विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष,उपाध्यक्ष -रीना देवी,संयोजिका-आशा देवी के रुप में चयन किया गया। वहीं लिलिया देवी,हेमन्ती देवी,शीला देवी,किशोरी महतो,मनोज अगरिया,महामुनी देवी,लक्ष्मी देवी,रीता देवी,तारा देवी राधिका देवी को सदस्य के रुप में चुना गया। मौके पर चुनावी पर्यवेक्षक के रुप में हुलास महतो उपस्थित थे। बैठक में पर्यवेक्षक द्वारा विद्यालय अध्यनरत बच्चों के माता-पिता और अभिभावकों को समिति पुनर्गठन की प्रकिया पूरी जानकारियां दी गई। इस अवसर पर महतो ने कहा कि विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष वैसा होना चाहिए जो बच्चों,अभिभावकों की तरह स्नेह एवं मार्गदर्शन प्रदान कर विद्यालय का सफल संचालन करा सके। इस कार्य में विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों का सहयोग अतिआवश्यक है। पूर्व अध्यक्ष किशोरी महतो ने कहा कि संयोजिका का दायित्व है कि विद्यालय के भोजन व्यवस्था का मातृवत का भाव से संचालन करे। उक्त विद्यालय के प्रधानाध्यापक जयराम महतो ने उर्मिला देवी को अध्यक्ष पद पर बने रहने पर बधाइयां दी और कहा कि विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष का पद जिम्मेदारी से भरा होता है। मुझे उम्मीद है कि विद्यालय के विकास में अहम भूमिका अदा करेंगे। मौके पर उपस्थित धनी महतो,संजय पुनरिआर ,सुनिल महतो,रोहित कुमार महतो,मंगर महतो,ईश्वर महतो,आशा देवी,गीता देवी,मालती देवी,उर्मिला देवी,युगल महतो,द्रोपदी देवी,शंकरी देवी,बसंती देवी,मो.तिलिया देवी,प्रमिला देवी लोग उपस्थित थे।

महाशिवरात्रि को लेकर दुर्गा मंदिर पुरनाडीह में बैठक आयोजित,26 फरवरी को निकलेगा भगवान शिव की बरात

चक्रधरपुर/बंदगांव। कराईकेला पंचायत के दुर्गा मंदिर पुरनाडीह में महाशिवरात्रि त्योहार को लेकर बैठक दुलाल सेन की अध्यक्षता में ग्रामीणों की बैठक सम्पन्न हुई.बैठक में आहार बाबा अखाड़ा समिति के अध्यक्ष बबनाथ सारंगी मुख्य रूप से उपस्थित थे.बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के मोके पर दुर्गा मंदिर पुरनाडीह में शिव विवाह कार्यक्रम होगा.शिव की बरात बहुत ही धूमधाम से आहार बांध स्थित आहार बाबा शिवालय से निकाली जाएगी. इसके साथ ही शिव बारात में आये सभी शिव भक्तों के लिये भंडरा होगा.भंडारा में पूड़ी सब्जी, बूंदिया, खीर ,जलेबी सभी भक्तों को खिलाया जाएगा.बारात बहुत ही भव्य तरीकों से निकली जाएगी.उसी दिन रात्रि में कीर्तन का भी आयोजन किया जाएगा. शिव विवाह पुजारी शम्भू महापात्र के दिशा निर्देश से सम्पन्न होगी. कार्यक्रम को सम्पन्न करने के लिये एक कमेटी का भी गठन किया गया.जिसमें महिलाओं को भी सम्मिलित किया गया है. बैठक में पुजारी शम्भू नाथ महापात्र, अनंत मंडल,दिलीप मंडल, जन्मजेय नायक,नानू लोहार,गौतम रक्षित,गिरधारी मंडल आशीष रक्षित,नारायण सिंह मुंडा,गेजु लोहार,सुदामा लोहार,सुदर्शन मंडल,भरत रक्षित समेत अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

1.41 करोड़ की लागत से राजापारम में बनेगा सिंचाई नाला और गार्डवाल, विधायक ने किया शिलान्यास

चक्रधरपुर/ बंदगांव। पश्चिम सिंहभूम जिले के लांडुपदा पंचायत के राजापारम गांव में एक करोड़ 41 लाख 28 हजार रुपए की लागत से सिंचाई नाला का पक्कीकरण किया जाएगा. साथ ही गार्डवाल निर्माण होंगे. उक्त कार्य का शिलान्यास बुधवार को विधायक सुखराम उरांव ने नारियल फोड़ कर किया.इस योजना का निर्माण लघु सिंचाई प्रमंडल चाईबासा द्वारा डीएमएफटी मद से किया जाएगा. मौके पर विधायक सुखराम उरांव ने कहा कि सिंचाई नाली के निर्माण होने से इस क्षेत्र के किसानों को काफी फायदा होगा. पानी उपलब्ध होने पर किसान सालों भर खेती कर सकेंगे. साथ ही इस क्षेत्र का जलस्त्रोत में भी बढ़ोत्तरी होगी. उन्होंने कहा कि किसानों के हित को देखते हुए सरकार ज्यादा से ज्यादा चेकडैम बनाने पर ध्यान दिया है. चेकडैम के बनने से किसानों को ही नहीं पशु-पक्षियों को भी पानी मिलेगा. इसके साथ क्षेत्र का जलस्तर भी बना रहेगा. उसी को ध्यान में रखते हुए इस बार चेकडैम की योजना में 70 फीसद राशि खर्च किया जाएगा. बाकि शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने के लिये स्कूल भवन और चहारदीवारी पर खर्च होंगे.उन्होंने कहा झारखंड सरकार किसानों के लिए सिचाई,शिक्षा के लिये शिक्षक एवं भवन तथा चहारदीवारी, स्वास्थ्य के लिये डॉक्टर एवं समुचित मात्रा में दवा एवं संसाधन उपलब्ध करा रही है.उन्होंने कहा हमारी कोशिश है कि ग्रामीणों को झारखंड सरकार द्वारा मिलने वाले सभी सुविधाएं उपलब्ध हो. मौके पर मुखिया कुश पूर्ति, झामुमो नेता रामलाल मुंडा, दिनेश जेना, डिक्की मंडल, सुरेश पूर्ति, कुमार विवेक, आशिष मंडल , अप्पू ,सोमनाथ सरदार समेत काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

अफीम की खेती नष्ट करने के लिए मुख्य सचिव करेंगे समीक्षा बैठक

डीजीपी के आदेश पर अभियान जारी

दबंग हिन्द,संवाददाता

रांची । झारखंड में अफीम की खेती नष्ट करने के लिए मुख्य सचिव 21 फरवरी को प्रोजेक्ट भवन में एक समीक्षा बैठक करेंगे. इस बैठक में डीजीपी अनुराग गुप्ता, प्रधान वन मुख्य संरक्षक, सीआईडी के आईजी शामिल होंगे.वहीं चतरा, पलामू, चाईबासा, हजारीबाग, लातेहार, खूंटी, रांची और सरायकेला जिले के एसएसपी के साथ-साथ वन प्रमंडल पदाधिकारी भी शामिल होंगे।

डीजीपी के निर्देश पर बड़े पैमाने पर चलाया जा रहा अभियान : उल्लेखनीय है कि राज्य के अलग-अलग जिलों में अफीम की खेती को खत्म करने के लिए डीजीपी के निर्देश पर बड़े पैमाने पर अभियान चलाया जा रहा है. इस दौरान पुलिस ने हजारों एकड़ में लगी अफीम की खेती को नष्ट किया है. इसके अलावा, जमीन मालिकों और रैयतों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का भी आदेश दिया गया है. डीजीपी ने पुलिस अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा कि अगर किसी पुलिस अधिकारी की अफीम की खेती में तस्करों के साथ संलिप्तता पायी गयी, तो उसे नौकरी से बर्खास्त कर दिया जायेगा. साथ ही वैसे पुलिसकर्मियों को सीधे जेल भेजा जायेगा।

मुखिया सम्मेलन: जिले के सभी मुखियागण का उन्नमुखीकरण हेतु एक दिवसीय कार्यक्रम में शामिल हुए

मुखिया विद्यालय का गतिविधियों का सामाजिक स्तर पर अनुश्रवण करें: उपायुक्त

☞ अबुआ साथी- 9430328080 जन शिकायत हेतु रांची जिला प्रशासन का व्हाट्सएप नंबर

दबंग हिन्द,संवाददाता

रांची । जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त, रांची श्री मंजूनाथ भजन्त्री आज दिनांक 19 फरवरी 2025 को अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, रांची के सभागार में मुखिया सम्मेलन जिले के सभी मुखियागण का उन्नमुखीकरण हेतु एक दिवसीय कार्यक्रम में शामिल हुए ।उपायुक्त ने सभी मुखिया से विशेष रूप से कहा की आप सभी शिक्षा के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। साथ ही विद्यालय के शिक्षा में कैसे सुधार हो, 100% प्रतिशत बच्चों का नामांकन कैसे हो, साथ ही विद्यालयों में मुखियाओं के फंड से जो कार्य किया जा रहे है, उस पर चर्चा करते हुए उन्हें योगदान देने को कहा ।साथ में उन्होंने कहा की सभी मुखिया नई शिक्षा नीति 2020 के तहत विद्यालय का गतिविधियों का सामाजिक अनुश्रवण करें।

बच्चें शत प्रतिशत सुनिश्चित रूप से विद्यालय जाए : उन्होंने कार्यक्रम में कहा की सभी पंचायतों के मुखिया की नैतिक जिम्मेदारी है, की सभी पंचायत के बच्चें शत प्रतिशत सुनिश्चित रूप से विद्यालय जाए। साथ ही जिला के सभी विद्यालयों में गुणात्मक शिक्षा मिले इसपर सभी सम्बंधित पदाधिकारी और शिक्षक विशेष ध्यान दे।

शिक्षा के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए कुछ मुखिया को सम्मानित हुए : उपायुक्त द्वारा शिक्षा के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए कुछ कुल-19 मुखियाओं को सम्मानित करते हुए कहा की आपसबकी सहभागिता से कई बच्चें स्कूल जा रहें है, प्रायः देखा जाता था की ग्रामीण क्षेत्र में बच्चें विद्यालय ना जा कर अन्य कार्यों में अपने परिजन के साथ काम करने लगे। जिस कारण ऐसे बच्चों का शिक्षा सही तरह से नही हो पाता था। लेकिन सबकी सहभागिता से अब ऐसे बच्चें भी स्कूल जा रहें है। जिसकारण शिक्षा में काफी बदलाव आया हैं। साथ ही उन्होंने सभी मुखिया को कहा की आप सभी अपनी सहभागिता निभाए ताकि निकट भविष्य में आपको भी सम्मानित करने में मुझे बहुत खुशी होगी। जिला परिषद अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के द्वारा भी सभी माननीय मुखिया को शिक्षा के विकास हेतु मार्गदर्शन दिए गए।

छोटानागपुर गर्ल्स स्कूल, थरपखना में जागरूकता कार्यक्रम

फेसबूक व ईस्टाग्राम के उपयोग से बच्चों को बचाये : तनुश्री सरकार

तनुश्री सरकार, सम्पा दास व प्रीति पाल ने भाग लिया।

दबंग हिन्द,संवाददाता

रांची। डालसा सचिव के निर्देश पर छोटानागपुर गर्ल्स स्कूल, थरपखना में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सी.डब्ल्यू.सी. की चेयरपर्सन, तनुश्री सरकार, लॉटरी क्लब के सदस्य एवं डालसा के पीएलवी सम्पा दास व प्रीति पाल उपस्थित थे। जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मानव तस्करी, बाल श्रम एवं बाल शोषण तथा साईबर क्रम के बारे में लोगों को जागरूक करना था। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए तनुश्री सरकार ने कहा कि बाल श्रम कानूनन अपराध हैं बच्चों से काम करने के बजाय उन्हें पढ़ाये ताकि वे अपने पैरों पर खड़ा हो सके। मानव तस्करी पर कहा कि अपराधियों को द्वारा चोरी-छूपे बच्चों को अपहरण कर एक राज्य से दूसरे राज्य ले जाया जाता हैं और उन्हें बेच दिया जाता है। और उनके साथ शारीरिक शोष भी किया जाता है। साईबल क्राई के बारे में बोली कि फेसबूक और ईंस्टाग्राम का उपयोग बच्चों को न करने दें। पीएलवी सम्पा दास ने नशा के बारे में फोकस करते हुए बोली कि युवाओं को नशा से बचना चाहिए नशा से तन-मन और धन को हानि होती हैं। पूरा घर परिवार बरबाद हो जाता है। पीएलवी प्रीति पाल ने बच्चों के कानून तथा उनके अधिकार और कर्त्तव्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रिम्स और सदर अस्पताल में पीएलवी नियुक्त हैं किसी भी प्रकार की समस्या होने पर वह पीएलवी से मदद ले सकते है।

जेपीएससी अध्यक्ष का पद 6 माह से खाली, अंबा प्रसाद ने सीएम से मिलकर सौंपा पत्र

दबंग हिन्द,संवाददाता

रांची। जेपीएससी अध्यक्ष का पद छह माह से खाली है. 22 अगस्त 2024 को डॉ मेरी नीलिमा केरकेट्टा के रिटायर होने के बाद अब तक जेपीएससी अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं हुई है. इसको लेकर कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव और बड़कागांव की पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात की और वार्ता कर एक पत्र सौंपा. पत्र के जरिये अंबा प्रसाद ने जेपीएससी अध्यक्ष की नियुक्ति के साथ-साथ जेपीएससी और जेएसएससी की परीक्षाओं का कैलेंडर जारी करने की भी मांग की है. इसकी जानकारी अंबा प्रसाद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी।

प्रतियोगी परीक्षाओं में देरी से लाखों युवाओं के भविष्य अनिश्चितता में : कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव ने अपने पोस्ट में लिखा कि झारखंड लोक सेवा आयोग (खढरउ) के अध्यक्ष पद की नियुक्ति और JPSC व JSSC की परीक्षाओं का कैलेंडर जारी करने को लेकर माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी से मिलकर वार्ता कर पत्र सौंपा. कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में हो रही देरी से लाखों युवाओं के भविष्य पर अनिश्चितता बनी हुई है।

मुख्यमंत्री जी इसे गंभीरता से लेंगे, मुझे पूरा विश्वास है : सरकार ने पहले ही यह प्रस्ताव पास किया है कि एक महीने के भीतर JSSC और JPSC की परीक्षाओं का कैलेंडर जारी किया जायेगा. हमें पूरा विश्वास है कि माननीय मुख्यमंत्री जी इस विषय को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे, जिससे राज्य के प्रतिभाशाली युवाओं को उनका हक मिल सके।

छह माह से खाली है जेपीएससी अध्यक्ष का पद : बता दें कि 22 अगस्त 2024 को जेपीएससी अध्यक्ष डॉ मेरी नीलिमा केरकेट्टा अपने पद से रिटायर हो गयीं. नीलिमा केरकेट्टा को 2022 में जेपीएससी की कमान सौंपी गई थी. लेकिन नीलिमा के रिटायर होने के बाद से यानी छह माह से जेपीएससी के अध्यक्ष का पद खाली है. जेपीएससी का अध्यक्ष नहीं होने से 11वीं जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी और फूड सेफ्टी इंस्पेक्टर जैसे कई महत्वपूर्ण पदों पर बहाली नहीं हो सकी है. अध्यक्ष नहीं होने से रिजल्ट जारी करने में देरी हो रही है।

मुस्लिम मामले पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का अनुपालन कराए केंद्र सरकार: एस अली

दबंग हिन्द,संवाददाता

रांची/दिल्ली। अल्पसंख्यक (मुस्लिम) समुदाय के धार्मिक स्थल एवं मकान, दुकान ढहाए जाने के मामले पर सुप्रीम कोर्ट के निदेशों का अनुपालन उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, असम, दिल्ली आदि राज्यों से करवाने की मांग को लेकर आमया संगठन ने केन्द्रीय गृहमंत्री, केन्द्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग को दिल्ली कार्यालय में मांग पत्र दिया। संगठन के केन्द्रीय अध्यक्ष एस अली ने बताया कि देश के उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, असम, दिल्ली आदि राज्यों में मुस्लिम समुदाय के मकान, दुकान, धार्मिक स्थल को अवैध, अतिक्रमण या नक्शा पास नही करने के आरोप में या किसी अन्य आरोप में बुलडोजर द्वारा गिराने के मामले लगातार आ रहे है, जबकि बहुसंख्यक समुदाय के बहुत सारे मकान, होटल, अस्पताल, स्कूल, फार्म हाउस, सरकारी भवन कार्यालय या धार्मिक स्थल आदि भी बिना नक्शा पास के या अतिक्रमण में होते है परंतु अधिक्तर मामलों में उनपर कार्रवाई नही होती है। अंग्रेजी मैग्जीन फ्रंटलाइन की रिपोर्ट अनुसार पिछले कुछ वर्षों में 1.5 लाख से ज्यादा घर बुलडोजर द्वारा गिराया गया है इनमें अधिकांश घर मुस्लिम और हाशिये पर पड़े लोगों के थे। दूसरे तरफ उत्तर प्रदेश व अन्य राज्यों में जिला कोर्ट याचिका दायर कर आदेश लाकर वर्षों पुराने मुस्लिम धार्मिक स्थलों का सर्वे आदि के नामपर विवाद उत्पन्न किये जा रहें है।

ओरमांझी में जल एवं विद्युत योजनाओं की समीक्षा बैठक

सरकारी योजनाओं का लाभ हर घर तक पहुँचना चाहिए-राजेश कच्छप

दबंग हिन्द,संवाददाता

ओरमांझी। खिजरी विधायक एवं कांग्रेस विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप की अध्यक्षता में बुधवार को ओरमांझी प्रखंड सह अंचल कार्यालय में जल एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों और पंचायत जनप्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में ऊर्जा विभाग और पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई ।विधायक राजेश कच्छप ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ हर घर तक पहुँचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को सभी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने और अपूर्ण योजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि आम जनता को इनका समुचित लाभ मिल सके। बैठक में प्रखंड प्रमुख अनुपमा देवी, उप प्रमुख रिजवान अंसारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी कामेश्वर बेदिया, अंचल अधिकारी उज्जवल सोरेन सहित विभिन्न पंचायतों के मुखिया, पंचायत समिति सदस्य एवं वार्ड सदस्य सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

साइकिल वितरण में लापरवाही देख भड़के बेड़ो उपप्रमुख मुदस्सिर हक

दबंग हिन्द,संवाददाता

बेड़ो । प्रखंड मुख्यालय के केम्पस में बुधवार को बिना कोई सूचना साइकिल वितरण कार्यक्रम किया जा रहा था कई साइकिलों में बिना हवा बिना, ब्रेक बिना फिटिंग, वीवी गुटका नहीं था मरम्मत के लिए जेब ढीली कर रहे छात्र, गुणवत्ता पर उठे सवाल इसकी सुचना मिलते ही उप प्रमुख मुदस्सिर हक एवं कांग्रेस पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष प्रोफेसर करमा उरांव कार्यक्रम स्थल पहुंचकर कर ढऊ को फोन कर इसकी जानकारी दिए ' और जल्द से जल्द इसे ठीक-ठाक करने का निर्देश भी दिया । सरकर की ओर से बेड़ो प्रखंड भर के छात्र-छात्राओं को दिये जाने वाली साकिल की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं । साइकिल कसने वाले संबंधित एजेंसी की लापरवाही है कुछ दिनों पूर्व परिसर में लगभग साइकिल को बनाकर तैयार किया गया. साइकिलों में अधिकतर के पाट्र्स गायब पाये गये . इससे विद्यार्थियों को साइकिल ले जाने में काफी परेशानी होती है. छात्र साइकिल को ठेलकर अपने घर ले जाने को मजबूर थे इसकी पड़ताल की गयी।

ओरमांझी प्रखंड के चारू पंचायत भवन में डालसा का जागरूकता कार्यक्रम

बाल श्रम व बाल विवाह एक अपराध : कविता कुमारी खाती

- एलएडीसी अधिवक्ता कविता कुमारी खाती ने दी विशेष लोक अदालत व राष्ट्रीय लोक अदालत पर की फोकस।
- बाल श्रम एवं बाल विवाह पर श्रीमती खाती ने की फोकस।

दबंग हिन्द,संवाददाता

रांची। जस्टीस-ऑन-व्हील मोबाईल वैन टूर जागरूकता कार्यक्रम के तहत विधिक जागरूकता कार्यक्रम का अयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में एलएडीसी अधिवक्ता कविता कुमारी खाती, पीएलवी शिला तिग्गा, किरण कुमारी, आशीष बैठा, जगमोहन मुंडा, रामजीत महतो, संतोष कुमार गंझू, दीपक गंझू एवं राजा वर्मा, उपस्थित थे। एलएडीएस अधिवक्ता, कविता कुमारी खाती ने बाल विवाह व बाल श्रम पर फोकस करते हुए बोलीं कि अभिभावक अपने बच्चियों का विवाह 18 वर्ष के बाद ही करें, पहले उन्हें पढ़ाये, ताकि वे अपने पैरों में खड़ा हो सके। इसके अलावा उन्होंने बाल विवाह संबंधित कानूनन व रोकथाम के बारे में भी विचार रखीं। बाल श्रम पर बोलीं कि छोटे बच्चों से काम करना कानूनन अपराध हैं। मजबूर बच्चों को जागरूक करें और उसे स्कूल भेजे। आगे श्रीमती खाती ने आगामी 22 फरवरी को आयोजित होनेवाली विशेष लोक अदालत की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दहेज लेना व देना कानूनन अपराध है। इसके अलावा उन्होंने आगामी 08 मार्च को आयोजित हानेवाली राष्ट्रीय लोक अदालत की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि न्यायालय में कोई भी वाद लंबित हैं, तो राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन अपने वादों का निबटरा करा सकते हैं, जिससे आपको समय व धन की बचत होगी। पीएलवी किरण कुमारी व शिला तिग्गा ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत में सभी आपराधिक सुलहनीय मामले, दीवानी से संबंधित मामले, श्रम से संबंधित वाद, वैवाहिक वाद, पारिवारिक वाद, उत्पाद से संबंधित मामले, चेक बाउंस के मामले, वन विभाग के मामले, बिजली से संबंधित मामले, ट्रैफिक चालान से संबंधित मामले साथ ही साथ भूमि अधिग्रहण, मोटरयान, माप-तौल से संबंधित वाद एवं वैवाहिक से संबंधित मामलों को चिन्हित करके पक्षकारों को नोटिस भेजा जा रहा है। इसके अलाव कविता कुमारी खाती ने बाल विवाह, डायन बिसाही, बाल श्रम एवं नशा उन्मूलन पर भी चर्चा की।

रांची में जीरो एमिशन ट्रकों पर वर्कशॉप, हरित परिवहन को मिलेगा बढ़ावा

दबंग हिन्द,संवाददाता

रांची। स्मार्ट फ्रेट सेंटर इंडिया (एसएफसी) ने रांची में जीरो एमिशन ट्रकों (जेडईटी) पर एक वर्कशॉप का आयोजन किया। यह वर्कशॉप भारत में मध्यम और भारी ट्रकों (एमएचडीटी) में जेडईटी को बढ़ावा देने के लिए चलाए जा रहे राष्ट्रीय कार्यक्रम का हिस्सा थी। झारखंड सरकार के उद्योग विभाग के सहयोग से हुई इस चर्चा में परिवहन जगत के प्रमुख विशेषज्ञों ने जेडईटी अपनाने में आ रही चुनौतियों, संभावनाओं और आवश्यक कदमों पर अपने विचार रखे। यह वर्कशॉप नीति आयोग के ई-फास्ट पहल के तहत आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य देशभर में जेडईटी को लेकर जागरूकता बढ़ाना और इससे जुड़े तकनीकी व संचालन पहलुओं पर चर्चा करना है। इस दौरान वैश्विक परिवहन प्रणाली में हो रहे बदलाव, भारत सरकार की ई-ट्रक पहल, शहरों में जेडईटी अपनाने के मौके और इनके संचालन से जुड़े जोखिमों पर मंथन हुआ। एसएफसी ने बोधि को नॉलेज पार्टनर के रूप में शामिल कर झारखंड में हरित लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा देने की दिशा में कदम बढ़ाया। इस वर्कशॉप में एक विशेष राउंडटेबल चर्चा आयोजित की गई, जिसका संचालन श्री शरत सिंह (ग्रामीण विकास सलाहकार, रांची, जीआईजेड इंडिया) ने किया। इस चर्चा में प्रमुख विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिनमें श्री नितीश कुमार (आईएफएस, डीएफओ, रामगढ़, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखंड), श्री रविंद्र कुमार (जेएएस, डिप्टी एडमिनिस्ट्रेटर, नगर निगम, रांची), श्री अतिलेश गौतम (इलेक्ट्रिकल एग्जीक्यूटिव इंजीनियर सह एसडीए प्रभारी, जेरेडा, रांची), श्री मुन्ना झा (बिहार एवं झारखंड के क्लाइमेट एक्शन प्रमुख, एएसएआर) और डॉ. शशिधर झा (डायरेक्टर, रिसर्च एंड नॉलेज प्रोडक्ट्स, बोधि) शामिल रहे। चर्चा के दौरान विशेषज्ञों ने जेडईटी को अपनाने में आ रही चुनौतियों, समाधान और दीर्घकालिक पर्यावरणीय एवं आर्थिक लाभों को लेकर अपने विचार साझा किए। झारखंड सरकार के उद्योग विभाग के निदेशक, श्री सुशांत गौरव (आईएएस) ने अपने भाषण के दौरान कहा, ₹झारखंड सतत विकास की दिशा में अग्रसर होने के लिए प्रतिबद्ध है, और शून्य-उत्सर्जन ट्रकों जैसी पहल इसमें अहम भूमिका निभाएगी। हमारा राज्य खनिज संपदा से समृद्ध है, जिसमें 18 दुर्लभ खनिज तत्व शामिल हैं, जो हमें स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन में एक महत्वपूर्ण स्थिति में रखते हैं। हम अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देकर एक बेहतर भविष्य के अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने और आयात पर निर्भरता कम करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

एक नजर

राज्यपाल ने पहला कदम दिव्यांग स्कूल के बच्चों संग किया संवाद

दबंग हिन्द,रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने धनबाद स्थित ह्यापहला कदम दिव्यांग स्कूल के बच्चों और विद्यालय परिवार के सदस्यों से राजभवन में संवाद किया. उन्होंने बताया कि वे पहले भी इस विद्यालय का भ्रमण कर चुके हैं और इसके कार्यों से भली-भांति परिचित हैं।

दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण पर दिया जोर : राज्यपाल महोदय ने कहा कि केंद्र सरकार दिव्यांगजनों के समग्र विकास और सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिव्यांगजनों के लिए दिव्यांग शब्द प्रयोग करने को उनकी सकारात्मक सोच और प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया. साथ ही उन्होंने युवाओं से दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

विद्यालय प्रबंधन ने साझा की सफलता की कहानी : विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि पहला कदम दिव्यांग स्कूल मात्र दो बच्चों के साथ शुरू हुआ था और आज यह कई दिव्यांग बच्चों को प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से स्वावलंबी बना रहा है. विद्यालय के छात्र राष्ट्रीय और राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

राज्यपाल ने दी शुभकामनाएं : राज्यपाल महोदय ने विद्यालय के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए सभी बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

पड़ोसी से झगड़ा के बाद युवक ने लगाई फांसी

दबंग हिन्द,रातू। थाना क्षेत्र के फुटकलटोली अलकमर कॉलोनी के एक मकान से पुलिस ने एक युवक का शव बरामद किया। आशंका जताई जा रहीं है कि युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसका शव घर के एसवेस्टस में लगे पाइप में प्लस्टिक की रस्सी से झूलता हुआ पाया गया।। युवक की पहचान बिहार के समस्तीपुर नीवासी सज्जाद अंसारी के रूप में हुआ। उसका ससुराल रातु थाना क्षेत्र के आमटांड में था। फुटकलटोली अलकमर कॉलोनी में वह एक किराये के मकान में अपने पत्नी व बच्चो के साथ रहता था।

सोनी सब के तेनाली रामा में जहरीली गैस से लदा हाथी पहुंचा विजयनगर

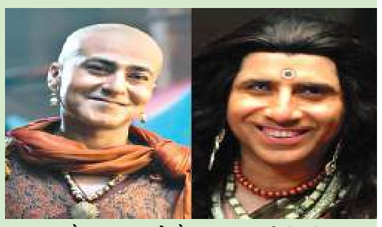

दबंग हिन्द,रांची/मुंबई। सोनी सब का शो तेनाली रामा के हाल ही के एपिसोड में तेनाली ने उन बच्चों की बेगुनाही साबित की, जिन पर महाराज कृष्णदेवराय का मुकुट चुराने का आरोप था। आने वाले एपिसोड में विजयनगर पर संकट के बादल तब और गहरा जाते हैं जब मायावी गिरगिट राज एक खतरनाक साजिश को अंजाम देता है। वह जगन्नाथ पुरी के राजा की ओर से एक उपहार के रूप में एक जहरीली गैस से लदा हाथी भेजता है। इस रहस्यमयी हाथी की सच्चाई से अनजान विजयनगर के लोग उससे प्रभावित हो जाते हैं, लेकिन जैसे ही वह पानी के संपर्क में आता है, वह जानलेवा जहरीली गैस छोड़ने लगता है। क्या तेनाली रामा इस साजिश को रोक पाएंगे ? क्या उनकी चतुराई विजयनगर को गिरगिट राज के षड्यंत्र से बचा पाएगी ?सुमित कौल ने कहा, गिरगिट राज का किरदार निभाना बेहद दिलचस्प है। वह महज एक साधारण खलनायक नहीं बल्कि एक ऐसा मायावी है, जो अपनी चालाकी से पूरे राज्य को घुटनों पर ला सकता है। जहरीली गैस छोड़ने वाले हाथी का विचार जितना खतरनाक है, उतना ही अनोखा भी। यह दिखाता है कि वह कितना खतरनाक और रणनीतिकार है। तेनाली रामा के सामने हमेशा एक नई चुनौती पेश करना मेरे लिए रोमांचक अनुभव है।

बुढ़मू पुलिस ने 2 वाहन को जब्त करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा

दबंग हिन्द,बुढ़मू । बुढ़मू पुलिस ने वाहन चोर गिरोह का खुलासा करते हुए 2 वाहन को जब्त किया। और दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार बुढ़मू पुलिस थाना क्षेत्र के चौकी टांड़ तिरु फॉल के पास एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चला रहे थे, उसी दौरान तेज रफ्तार से एक मोटरसाईकिल और स्कूटी सवार लोगों को आते देखकर टॉर्च जलाकर रोकने का इशारा किया तो दोनों लोगों ने अचानक पुलिस को देखकर सड़क पर मोटरसाईकिल और स्कूटी छोड़कर भागने लगे, जिसको पुलिस द्वारा दौड़ा कर पकड़ा गया। और थाना लाकर गहराई से पूछताछ किया गया, तो पकड़े गए दोनों युवकों ने पुलिस को अपना- अपना नाम बताया। एक ने विशाल कुमार तुरी जीएम ऑफिस के पीछे डकरा का रहने वाला बताया। और दूसरा युवक ने अपना नाम समीर मुंडा देसवाली टोली आदर्श नगर थाना बरियातू रांची का रहने वाला बताया। गिरफ्तार हुए दोनों युवकों ने पुलिस को बताया कि ये बाईक और स्कूटी जिसको छोड़कर भाग रहे थे, यह चोरी का है। और दोनों ने पुलिस को बताया कि यह लाल रंग का स्पलेंडर प्लस (JHO1EM- 8577) नंबर और दूसरा स्कूटी (JHO1AC- 9547) को दोनों लोगों ने मिलकर खलारी के डकरा में चोरी किया है, और दोनों चोरी के बाईक को बेचने के लिए ले जा रहे थे। इसी दौरान पुलिस द्वारा बाईक का कागजात दिखाए जाने की बात कहने पर नहीं दिखाया गया। जिसके कारण पुलिस ने दोनों वाहन को जब्त करते हुए दोनों लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। छापेमारी अभियान में बुढ़मू थाना प्रभारी रितेश कुमार महतो, संजीव कुमार एवं पुलिस बल के जवान शामिल थे।

प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी बुढ़मू ,से मिले एके आजाद सेवा संस्थान के प्रतिनिधिमंडल

दबंग हिन्द,बुढ़मू । प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़मू के नए चिकत्सा प्रभारी डॉक्टर तारिक अनवर से एके आजाद सेवा संस्थान के प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात कर सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य से संबंधित चचाएं की। और बुढ़मू खलारी तथा हेंदगीर मुख्य मार्ग पर आए दिन एक्सीडेंट पर चिंता जाहिर करते हुए हर पंचायत के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार की व्यवस्था करने की मांग की। साथ ही बुढ़मू सीएचसी प्रभारी बनाए जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मौके पर एके आजाद सेवा संस्थान के अध्यक्ष गुलशन राजा, सचिव नौशाद अशरफ, निर्मल साहू, साकिर हुसैन, विनीता तिर्की ,मुस्ताक अंसारी, जसीम खान, जावेद अंसारी, इस्तियाक अंसारी, तबरेज अंसारी, तनवीर अंसारी, गुफरान अंसारी आदि लोग शामिल थे।

ओझासाड़म में पथ बनाने में संवेदक के द्वारा अनिमियता,गड़बड़ी और घोटाला किया जा रहा है

दबंग हिन्द,बुढ़मू । बुढ़मू प्रखंड में बन रहे दो सड़क के काम में संवेदक के द्वारा अनिमियता,गड़बड़ी और घोटाला किया जा रहा है। बुढ़मू प्रखंड के अंतर्गत ओझासाड़म पंचायत में इन दिनों अलग - अलग जगह पर 2 पथ बनाया जा रहा है, लेकिन दोनों पथ के संवेदक के द्वारा पथ के काम में भारी अनिमियता, गड़बड़ी और घोटाला किया जा रहा है, एक पथ लोथामाना चौक से बस्ती के रवि मुंडा के घर से होते हुए बन रहा है, तो दूसरा पथ ओझासाड़म गांव के बंधन मुंडा के घर से देवी मंडप और मुनु महतो के घर से जलेश्वर धाम तक बन रहा है।

गेट पास रोकने के खिलाफ 22 को कोक ओवेन से होगा आन्दोलन का श्रीगणेश : चौधरी

दबंग हिन्द,संवाददाता

बोकारो । जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री बीके चौधरी ने कहा है कि कोक ओवेन सहित अन्य बिभागों मे ठेकेदार मजदूरों द्वारा अपने खून पसीना से उत्पादन मे कीर्तिमान स्थापित करने वाले मजदूर अपने बेतन मे से पैसा लौटाना बन्द कर रहा है तो ठेकेदार इन्चार्ज गठजोड मिलकर उनका गेट पास रोक देने का सिलसिला आये दिन बढ़ते जा रहा है तथा अन्य समस्याओं को लेकर आज जय झारखंड मजदूर समाज कार्यालय सेक्टर-9 मे कार्यकारिणी की बैठक झारखंड मुक्ति मोर्चा केन्द्रीय सदस्य सह जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री श्री चौधरी की अध्यक्षता मे हुई। बैठक मे उपस्थित सभी नेता और कार्कताओं ने शोषण के लिये एन जे सी एस नेताओं को जिम्मेदार बताते हुए कहा कि एन जे सी एस युनियन दिल्ली मे मजदूर बिरोधी समझौता करता है और बोकारो मे घड़ियालू आँसू बहाते है । महामंत्री बी के चौधरी ने सम्बोधन मे कहा कि सेल चेयरमैन अमरेन्दु प्रकाश और बोकारो के डायरेक्टर इन्चार्ज जिस तरह पहले ठेकाकर्मीयों के मर्म और बेदना को समझते और मामले को संज्ञान मे लिया करते थे उसमे काफी गिरावट आई है ।महामंत्री ने कहा कि अगर 39 महिना का एरियर, युनियन चूनाव, इन्सेंटिव रिवार्ड स्कीम मे सुधार, ग्रेच्युटी से सिलिंग हटाने ,एस-6 से से बिना किसी बाध्यता का अधिशासी ,उम्र सीमा घटाते हुए अप्रेन्टीस कर चूके बिस्थापित और मृत कर्मचारी के आश्रित को नियोजन सहित 22 सूत्री मांगो पर पहल नही किया गया तो आर पार का आन्दोलन किया जायगा ।उसके पहले 22 फरवरी को कोक ओवेन बैटी नम्बर-3 के सामने चेतावनी प्रदर्शन किया जायगा ।बैठक मे संयुक्त महामंत्री शंकर कुमार, एस के सिंह, सी के एस मंण्डा, आर बी चौधरी,रौशन कुमार, रमा रवानी,आर आर सोरेन ने बिचार व्यक्त किया ।वह जानकारी कार्यालय मंत्री आर बी चौधरी ने दी ।

कूलिंग पौंड मे ऐश पॉन्ड का पानी बहना एनजीटी के नियमों का उल्लंघन, बजट सत्र में बनेगा मुद्दा : सरयू राय

ले जाएंगे नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल विधायक राय ने कूलिंग पॉन्ड तथा ऐश पॉन्ड का किया निरीक्षण

दबंग हिन्द,संवाददाता

बोकारो । जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक झारखंड विधानसभा के प्रत्यय युक्त कमेटी के सभापति तथा दामोदर बचाओ आंदोलन के संरक्षक सरयू राय ने बुधवार को बोकारो स्टील तथा दामोदर वैली कॉरपोरेशन द्वारा ज्वाइंट वेंचर में स्थापित बोकारो पावर सप्लाई कंपनी लिमिटेड द्वाराऐश पॉन्ड के पानी को कूलिंग पाउंड में बहाने के मामले को गंभीरता से लेते हुए कूलिंग पाउंड तथाऐश पॉन्ड का निरीक्षण किया तथा इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि प्राकृतिक एवं आम लोगों की जीवन के साथ बोकारो स्टील प्रबंधन तथा बीपीएससीएल खिलवाड़ कर रहा है प्लांट के अवशेष तथा छाई को कूलिंग पॉन्ड में बहाया जा रहा है। पौंड के पानी का उपयोग आसपास के लोग नहाने एवं घरेलू उपयोग में करते हैं जिसके कारण उन्हें विभिन्न तरह के बीमारी का सामना करना पड़ रहा है लेकिन प्रबंधन समस्या का समाधान करने के बजाय टाल मटोल की नीति अपना रहा है उन्होंने कहा कि बीपीएससीएल के अधिकारियों ने उन्हें जो जानकारी दी है वह गलत है अधिकारी मामले को छुपाने का प्रयास कर रहे हैं अधिकारियों द्वारा कहा गया कि विस्थापित आंदोलन के कारण जुलाई माह से पौंड के पानी को बाहर किया जा रहा है जबकि सच्चाई यह है कि लंबे अरसे से इस काम को किया जा रहा है क्योंकि ऐश पॉन्ड पूरी तरह से भर चुका है एवं उसकी सफाई की व्यवस्था नहीं की गई है जबकि भारत सरकार द्वारा गठित कमेटी के इसके लिए समय-समय पर गाइडलाइन जारी किया है जिसका अनुपालन नहीं किया जा रहा है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि वह इस मामले को आने वाले बजट सत्र में उठाएंगे तथा समाधान नहीं होने पर इस मामले को एनजीटी के सामने भी ले जाएंगे क्योंकि बोकारो स्टील प्रबंधन भारत सरकार के गाइडलाइन तथा एनजीटी के गाइडलाइन का उल्लंघन कर रहा है। उन्होंने कहा कि शासन तथा प्रशासन भी इस मामले में चुप है बीपीएससीएल के अधिकारियों ने जानकारी दी है कि इस मामले को लेकर एसडीओ तथा बोकारो डीसी को पत्र दिया गया है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है श्री राय ने कहा कि उन्होंने इसकी जानकारी लेने के लिए दोनों अधिकारियों से फोन पर बातचीत करने की पर नहीं हुई। एक प्रश्न के उत्तर में श्री राय ने कहा कि झारखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड पूरी तरह से ठप है तथा जिला पर्यावरण समिति का भी गठन नहीं किया गया है जो दुखद है बोकारो में सरकारी तथा वन विभाग का जमीन कब्जा करने के साथ-साथ नदी नाला पर कब्जा करने के संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने झारखंड में जमीन कब्जा करना आसान है सरकारी जमीन के साथ-साथ निजी संस्थाओं का भी जमीन कब्जा किया जा रहा है क्योंकि इस पर कार्रवाई करने वाला कोई नहीं है। पत्रकार सम्मेलन से पूर्व उन्होंने बीपीएससीएल के अधिकारियों से बातचीत की उन्हें जानकारी देने पहुंचे बीपीएससीएल के अधिकारियों ने कहा कि जुलाई माह से पॉन्ड की सफाई नहीं हुआ है जिसके कारण पानी को कॉलिंग पौंड में बहाया जा रहा है आसपास के लोग सफाई नहीं होने दे रहे हैं तथा नियोजन की मांग कर रहे हैं इस बात की जानकारी स्थानीय प्रशासन को तथा बोकारो स्टील प्रबंधन को भी दे दी गई है।

सेल रिफ्रैक्टरीज यूनिट के अध्यक्ष को सेवानिवृत्ति पर दी गई विदाई

बोकारो । जय झारखंड मजदूर समाज कार्यालय सेक्टर-9 मे सेवानिवृत हुए रामाकांत राम जो जय झारखण्ड मजदूर समाज सेल रिफेक्टरी यूनिट बोकारो युनिट के अध्यक्ष भी हैं को युनिट के कर्मचारीयों ने बिदाई समारोह कर उन्हे अंगवस्त्र देकर उनके सुखद भविष्य की कामना की। मौके पर उनके सेवा काल मे युनिट मे कार्यरत कर्मचारीयों एवं ठेकाकमीयों के लिए लगातार संघर्षरत रहने और न्याय दिलबाने की भूमिका को याद किया गया ।सबों के साथ युनियन के महामंत्री बी के चौधरी ने उन्हे आगे भी मार्गदर्शन करते रहने का अनुरोध किया जिसे उन्होने सहर्ष स्वीकार किया । कार्यक्रम मे मुख्य रूप से संयुक्त महामंत्री शंकर कुमार, आर बी चौधरी,दिनेश प्रसाद, आभा देबी,मिलन श्रीवास्तव, बिनोद कुमार मोहम्मद शफुर्दीन,श्याम कुमार ओझा ,अभिमन्यु मांझी सहित दर्जनो एस आर यू के कर्मचारी उपस्थित थे।

97 पालतू कुत्ते बिल्ली का किया गया एंटी रेबीज टीकाकरण

दबंग हिन्द,संवाददाता

चास । कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, पशुपालन प्रभाग के तत्वावधान में राज्य जीव जंतु कल्याण बोर्ड द्वारा पशु कल्याण पखवारा के तहत आज चीरा चास के पांडेय पुल के पास निःशुल्क एन्टी रेबीज टीकाकरण शिविर सह पशुचिकित्सा परामर्श कैंम्प का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 97 पालतू कुत्ते एवं बिल्लियों का रैविज से बचाव का टीकाकरण किया गया। इस शिविर में पेट क्लिनिक चास के प्रभारी डॉ अशोक कुमार, पेट क्लिनिक चास के चिकित्सक डॉ अनिल कुमार, चन्द्रपुरा तेलो के पशुचिकित्सा पदाधिकारी डॉ आलोक कुमार ने पशुओं का टीकाकरण, रोगों से बचाव, ससमय टीकाकरण का महत्व इत्यादि विषयों पर पेट पैरेंट्स को वैज्ञानिक जानकारियों से अवगत कराया। इस शिविर में टीकाकर्मी रोहित कुमार, साइंटिफिक रिमेडिज के प्रतिनिधि राजेश कर, पशुधन सहायक विनोद कुमार, पाराभेट कर्मी पंकज कुमार, डी डॉग हाउस एंड एक्वा के अमरेंद्र गिरी के अलावे के के सिंह कॉलोनी के मनोज कुमार सिंह, धर्मेंद्र सिंह के अलावे दर्जनों पेट लवर उपस्थित रहे। डॉ अशोक कुमार एवं डॉ अनिल कुमार के द्वारा पेट पशुओं के रख-रखाव, रोगों से बचाव, कृमि नाशक दवाओं के प्रयोग के महत्व इत्यादि पर जानकारी प्रदान की। शिविर में आये दवा कम्पनी के प्रतिनिधि द्वारा मुफ्त दवा एवं पशुओं के खाद्य पदार्थ का वितरण किया।

युवा खेल में कर सकते हैं करियर की तलाश : अमर

दबंग हिन्द,संवाददाता

तालगड़िया । चास प्रखंड के बिजुलिया पंचायत अंतर्गत सिंहडीह में उमेश कुमार महतो खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन पूर्व मंत्री अमर कुमार बाउरी ने समाजसेवी सह युवा मोटीवेशन स्पीकर उमेश कुमार महतो के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कहा कि उमेश कुमार महतो के योगदान को भूलाया नहीं जा सकता है । वे अपने सरल स्वभाव और सक्रियता के लिए कम उम्र में भी ख्यातिप्राप्त किए । कहा कि खेल कूद से शारीरिक और मानसिक विकास होता है । युवाओं को खेल में भी कैरियर तलाश सकते हैं । राज्य स्तरीय एथलेटिक्स मीट में राज्य भर के खिलाडियों ने भाग लिया । पुरूष वर्ग 1600 मीटर दौड़ में जीवन कुमार प्रथम , प्रदीप कुमार द्वितीय और अर्जुन टुडू तृतीय स्थान पर रहे । इसी प्रकार महिला वर्ग में हीरासांगा प्रथम, पुष्पा कुमारी द्वितीय और डोली कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं । इसी तरह महिला वर्ग 400 मीटर दौड़ में आशा कुमारी, पूर्णिमा और डोली कुमारी क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहीं । इसके अलावा ऊंची कूद, लम्बी कूद समेत कई प्रकार के खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।सफल सभी प्रतिभागियों पुरस्कार से सम्मानित किया गया । मौके पर समाजसेवी जगन्नाथ रजवार, बादल पाल, बहादुर महतो, शंकर महतो, डा कान्हाई महतो, अरूण कुमार महतो, सृष्टिधर महतो, निमाई महतो, अजय कुमार समेत अन्य थे ।

मानव संसाधन के ज्ञान अर्जन व विकास विभाग ने आयोजित किया ईएसजी क्विज कार्यक्रम

दबंग हिन्द,संवाददाता

बोकारो । मानव संसाधन के ज्ञान अर्जन एवं विकास विभाग में पीएसजी पर्यावरण सामाजिक और शासन सिद्धांतों पर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य परंपरागत तरीके से दीप प्रजनन के साथ क्विज कार्यक्रम का आयोजन किया गया मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी निदेशक मानव संसाधन सुश्री राजश्री बनर्जी के साथ वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित है कार्यक्रम में बोकारो स्टील प्लांट के विभिन्न विभागों से 42 टीमों ने हिस्सा लिया मुख्य अतिथि सुश्री राजश्री बनर्जी ने अपने संबोधन में सभी प्रतिभागियों को इस तरह के ज्ञान अर्जन के कार्यक्रम में जीत के जज्बे के साथ शामिल होने के लिए प्रेरित किया। क्विज कार्यक्रम का उद्देश्य टिकाऊ और जिम्मेदार व्यावसायिक प्रथाओं को प्रोत्साहित करना है जो पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति बोकारो इस्पात संयंत्र की प्रतिबद्धता को दशार्ती है आज आयोजित कार्यक्रम में महाप्रबंधक सुश्री नीता बा के साथ अमित आनंद सहायक महाप्रबंधक एवं क्विज मास्टर के रूप में अहम योगदान दिया जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया विजेता के रूप में प्रोजेक्ट डिवीजन से सुश्री शालिनी प्रसाद सुश्री भवानी हसदा की टीम को प्रथम आईसीएल विभाग के सुरेश सुरेंद्र तथा क पंडित की टीम को द्वितीय तथा इलेक्ट्रॉनिक एंड टेलीकॉम विभाग के बी सोरेन एवं सुश्री प्रियंका शर्मा की टीम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ आयोजन में ऋषिकेश रंजन संजीव कुमार सिंह अभय झा सीधा चरण मुर्मू की भूमिका अहम रही।

आउटसोर्सिंग टेक्नो के खिलाफ स्थानीय विस्थापित बेरोजगारों ने किया आंदोलन

बेरमो। बोकारो थर्मल प्लांट में आउटसोर्सिंग कंपनी टेक्नो के खिलाफ स्थानीय विस्थापित बेरोजगारों ने कंपनी में पूर्व में कार्य कर रहे हैं 21मजदूरों को कार्य के दौरान बैठा दिए जाने के करण बुधवार को कंपनी के अधिकारियों का घेराव करते हुए प्लांट के अंदर जाने से रोका गया साथही प्लांट गेट में प्रदर्शन कर जमकर नारेबाजी किया गया। विस्थापित बेरोजगार का नेतृत्व कर रहे गिरिडीह सांसद चंद प्रकाश चौधरी के प्रतिनिधि दीपक महतो व जितेंद्र यादव ने कहा कि बोकारो थर्मल प्लांट के अंदर लगभग 750 करोड रुपए लागत से टेक्नो कंपनी ने प्रदूषण नियंत्रण प्लांट का निर्माण करवाया है और टेक्नो कंपनी ने मरम्मती कार्य मौखिक रूप से ठेकेदार के आर कंस्ट्रक्शन को देकर करवा रही है जिसमें दूसरे राज्यों से मजदूर मंगवाकर कार्य करवाया जा रहा है साथ ही कंपनी में पूर्व से कार्य कर रहे 21मजदूरो को कार्य से बैठा दिया गया है हटाए गए मजदूरों को फिर से रोजगार देने की मांग की है।

गुरु गोविंद सिंह एजुकेशनल सोसाइटीज टेक्निकल कैंपस में एआई पर आयोजित हुआ सेमिनार

दबंग हिन्द,संवाददाता

चास। गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसायटीज टेक्निकल कैंपस, इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कालेज, में जर्मनी की कंपनी जेन लेयर का आगमन हुआ. कंपनी ने कालेज के छात्रों के लिए ब्लॉकचेन एवं ए. आई. पर सेमिनार आयोजित किया, जिसमें चेन्नई से आयीं कंपनी अधिकारी सुश्री जिनिया नायक व राकेश कुमार वक्ता रहे, जिन्होंने आर्टिफिशयल इंटेलीजेन्स के उपकरणों व एजेंटों तथा अद्यतन तकनीकों की बारीकियों पर रोशनी डाली; कंपनी के प्रदेश समन्वयक रजत नाथ उपस्थित रहे, जिन्होंने बताया कि जेन लेयर ने इस क्षेत्र के 13 कालेजों का सर्वेक्षण करने के बाद, गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसायटीज टेक्निकल कैंपस को सर्वश्रेष्ठ पाते हुए इस सेमिनार के लिये इसका चयन किया. सेमिनार के मुख्य अतिथी, संस्थान सचिव सुरेंद्र पाल सिंह रहे. सेमिनार का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन से हुआ तथा अतिथियों को पुष्प-गुच्छ, शाल व स्मृति चिन्ह प्रदान कर हुआ. कालेज निदेशक डा. प्रियदर्शी जरुहार ने स्वागत भाषण दिया. जेन लेयर के सौजन्य से छात्रों के लिये जलपान की व्यवस्था तथा उपहार स्वरूप कैप आबंटित किये गये. कार्यक्रम का समन्वयन कम्प्यूटर विभागाध्यक्ष प्रो. हुसैन ने किया तथा मंच संचालन प्रो. रश्मि ठाकुर ने किया. संस्थान के अध्यक्ष तरसेम सिंह ने बधाई दी।

22 फरवरी को लगेगा स्पेशल लोक अदालत

तेनुघाट । अनुमंडल विधिक सेवा प्राधिकार समिति के सचिव सह एसडीजेएम रश्मि अग्रवाल ने बताया कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय, झारखंड उच्च न्यायालय एवं प्रधान जिला जज सह सत्र न्यायाधीश बोकारो के निदेर्शानुसार शनिवार 22 फरवरी को तेनुघाट व्यवहार न्यायालय में स्पेशल लोक अदालत लगाया जाएगा । स्पेशल लोक अदालत में मेट्रोमोनियल के मामले और चेक बाउंस के मामले का निष्पादन किया जाएगा। इसके लिए तीन बेंच का गठन किया गया है । इसकी पहले बेंच पर कुटुंब न्यायालय प्रेमनाथ पांडेय और अधिवक्ता शैलेश कुमार सिन्हा, दूसरे बेंच पर जिला जज द्वितीय सूर्य मणि त्रिपाठी एव अधिवक्ता प्रशांत पाल तथा तीसरे बेंच पर एसीजेएम मनोज कुमार प्रजापति एवं अधिवक्ता बिनोद कुमार गुप्ता रहेंगे । उक्त जानकारी देते हुए एसडीजेएम रश्मि अग्रवाल ने दी।

काम कर करेंगे गोमिया विधान सभा का विकास: बबीता

दबंग हिन्द,संवाददाता

गोमिया । डुमरकुदर में सड़क निर्माण का भूमिपूजन करते झारखंड सरकार के मंत्री योगेंद्र प्रसाद की धर्म पत्नी सह पूर्व विधायक बबीता देवी ने कसमार प्रखंड अंतर्गत हीसिम पंचायत के ग्राम डूमर कुदर के पहाड़ धार में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अन्तर्गत पथ निर्माण कार्य का शुभ भूमिपूजन किया। मौके पर विशिष्ट अतिथि कसमार प्रखंड प्रमुख नियोति कुमारी मुख्य रूप से मौजूद थीं । पथ निर्माण 1करोड़ 38लाख 51हजार 439रूपऐ की लागत से बनेगा। बबीता देवी ने कहा कि काम किये थे, काम करेंगे और गोमिया विधानसभा का विकास करेंगे। उन्होंने कहा कि पति योगेंद्र प्रसाद ने अपने वादे के अनुसार कसमार प्रखंड के सवार्गीण के लिए हर संभव विकास योजनाओं को धरातल पर उतारा कसमार प्रखंड प्रमुख नियोति कुमारी ने कहा कि मंत्री सह गोमिया विधायक योगेंद्र प्रसाद महतो के नेतृत्व में गोमिया विस क्षेत्र की सभी सड़कें व पुल पुलिया को मुख्य पथ से जोड़ने की प्रक्रिया को धरातल पर उतारने को लेकर वह सजग है। मौके पर धीरेन्द्र महतो संवेदक, संजय महतो, कुलदीप करमाली, मिथिलेश जायसवाल, आनंद महतो, रामाकांत महतो, प्रकाश महतो, दआदि कई ग्रामीण महिला पुरूष मौजूद थे।

श्री श्री नर्मदेश्वर शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर निकल गई भव्य कलश शोभा यात्रा

दबंग हिन्द,संवाददाता

बोकारो । जनवृत 9 बी स्ट्रीट 14 एवं 15 स्थित कॉलोनी में श्री श्री नर्मदेश्वर शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कार्यक्रम के प्रथम दिन भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गयी। इस कलश शोभा यात्रा में मोहल्ले के 251 महिलाओं व कुंवारी कन्याओं ने भाग लिया। इसके पूर्व महिलाओं व बालिकाओं ने पीला वस्त्र धारण कर आम पल्लव युक्त कलश लेकर गाजेबाजे के साथ हर हर महादेव, जय शिव शंभू का जयकारा लगाते हुए सेक्टर 9 बी कॉलोनी बी रोड होते हुए नवनाथ मंदिर पहुंची। जहां विधिवत रूप से देवी देवताओं का आह्वान कर आचार्य सुनील कुमार पाण्डेय व पांच पुरोहितों द्वारा संकल्प पाठ, पूजन व गंगा आरती के साथ संपन्न कराया। उसके बाद नवनाथ मंदिर से कलश में जल भरकर कुंवारी कन्याओं व महिलाओं ने नगर भ्रमण किया। इसके साथ ही शिव मंदिर में कलश स्थापना के साथ शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान शुरू हुआ। इस दौरान बाबा भोलेनाथ के जयकारो से पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना हुआ है।

इस मौके परपूजा समिति के सदस्यों में रवि शंकर अध्यक्ष श्री बजरंग सेवा परिषद व यजमान आशीष कुमार व सुमन देवी,योगेंद्र कुमार ,एन के सिंह,बी पी सिंह, एस एन सिंह, एच के सिंह , डी पी चौधरी,गौरांग,विक्की सिंह,राम कुमार,संजय,मिथलेश, सुनील महतो,सत्यम,कुलदीप कुमार महतो,राम नरेश प्रसाद सहित अन्य उपस्थित थे।

एक नजर

आयुष मंत्रालय की टीम ने किया आयुष्मान आरोग्य मंदिर आयुष का निरीक्षण

बोकारो। आयुष मंत्रालय,भारत सरकार तथा आयुष निदेशालय, झारखण्ड सरकार के दस सदस्ये संयुक्त टीम निरीक्षण के लिए बोकारो पहुची। टीम के सदस्यों ने जिले के विभिन्न आयुष्मान आरोग्य मंदिर आयुष का निरीक्षण किया। इस दौरान टीम के सदस्यों ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर आयुष पेटरवार, बोकारो स्टील सिटी, कोरिया, चन्दनकियारी के ओपीडी, रजिस्टर, स्टॉक रजिस्टर, कैम्प रजिस्टर, योगा रजिस्टर, इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं साफ-सफाई की गम्भीरता से जांच किया। वहीं, फारलेन एनएच-23, फेज-5 अमृत पार्क के पास दस बेड की निमार्णाधीन महिर्षि चरक आयुष अस्पताल,बोकारो का भी निरीक्षण किया। इस दौरान आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये। निरीक्षण के बाद सभी ने संतोष व्यक्त किया ।निरीक्षण के संयुक्त टीम में भारत सरकार आयुष मंत्रालय से निदेशक जसविंदर सिंह, ? रिसर्च ऑफिसर डॉ.अहमद, डॉ.अशोक कुमार सिंह, डॉ.गजेन्द्र बघेल, विनय कुमार सिंह, शशांक कुमार झा, आयुष निदेशालय झारखण्ड सरकार से डॉ. कृष्ण कुमार, डॉ.अशोक पासवान, डॉ. अनुज कुमार मंडल, मयंक अशोक के अलावे जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शिवशंकर पांडेय, जिला नोडल पदाधिकारी डॉ. एके प्रसार, विमल मिश्रा आदि शामिल थे।

यूनियन ने किया कोर कमेटी का गठन

बोकारो सिटी । बोकारो इस्पात जनता मजदूर संघ के पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक संघ कार्यालय 1055 सेक्टर 12 एफ में तारकेश्वर महतो ' तारा बाबू' की अध्यक्षता मे हुई जिसमें सर्वसम्मति से संघ की एक कोर कमिटी का गठन किया गया जो बोकारो इस्पात कारखाना प्रबंधन से वार्ता के लिए अधिकृत किये गये हैं। पांच सदस्यीय कोर कमिटी में अध्यक्ष के अलावे उपाध्यक्ष नवीन सिंह महामंत्री सहित संयुक्त महामंत्री आशा देवी कार्यालय सचिव गंगेश कुमार पाठक हैं ।महामंत्री ने कहा कि बोकारो प्लांट प्रबंधन को दिये गये 21 सूत्री मांग के आलोक में प्रबंधन के रवैये के खिलाफ सभी सदस्यों को एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन के लिए तैयार रहने का आवाहन किया ।सभी सदस्यों ने इसपर सहमति जताई ।उपस्थित सदस्यों में मुख्य रुप से पुष्पा मिश्रा, जितेंद्र यादव,गुलाम जिलानी, शेखर सिंह,राज किशोर सिंह,अमन सिंह,गोकुल प्रशाद, सुमीत सिंह, एस.आर.सिंह,प्रशांत मिश्रा आदि थे। संचालन गंगेश कुमार पाठक धन्यवाद् ज्ञापन आशा देवी ने की।

प्रिंसिपल बेंच कैट में दायर वेज रीविजन केस अपडेट: हरिओम

बोकारो । बीएकेएस द्वारा दायर मुकदमें पर आज हुई सुनवाई में प्रबंधन ने आज जूनियर वकील को भेजा था उन्होंने अपने सिनियर वकील की बिमारी का हवाला दिया तथा तीन माह का जवाब देने हेतु जून तक का समय देने की माँग की जिसपर यूनियन के वकील ने विरोध किया , बोला कि आलरेडी सरकार तथा मैनेजमेंट ने संसद तथा पत्र के माध्यम से जवाब दे दिया है ।मौके पर न्यायाधीश ने तीन सप्ताह का समय मैनेजमेंट को तथा दो सप्ताह का समय यूनियन को दिया है अगला डेट 8 अप्रैल को दिया गया है । यूनियन के अध्यक्ष हरिओम ने कहा है कि वेज रीविजन के मामले मे इस्पात मंत्री पहले ही संसद में लिखित जवाब दे चुके है । कानुनी प्रक्रिया के कारण मामले मे विलंब हो रहा है । कहा कि इस मामले मे यूनियन की जीत होगी।

वामपंथी दलों ने केंद्रीय बजट के खिलाफ किया कन्वेंशन का आयोजन

बोकारो । वामपंथी दलों की ओर से केन्द्रीय बजट के खिलाफ सेक्टर 12 अवस्थित हॉल में एक कनेक्शन का आयोजन राजेन्द्र प्रसाद यादव की अध्यक्षता में किया गया ।वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि संसद में वित्तमंत्री द्वारा पेश किए गए यूनियन बजट में उसी नुस्खे का इस्तेमाल किया गया है, जो वर्ष दर वर्ष से होता आ रहा है। बड़ी - बड़ी बातों के बावजूद जमीनी सच्चाई इससे पूरी तरह अलग है ।बढती बेरोजगारी, अनाज समेत खाने - पीने की चीजों की बढ़ती कीमतें, बेहद कम निजी निवेश, उपभोग खर्च में गतिरोध, छोटे खुदरा कर्जों के न चुकता होने की बढ़ती संख्या और विनिर्माण क्षेत्र में गिरावट - ये सभी सरकार की आर्थिक नीतियों के चलते हो रहे हैं. ।वित्तमंत्री ने अपने भाषण में देश में जारी आर्थिक मंदी के मुख्य कारण अर्थव्यवस्था में मांग की कमी से निपटने का कोई जिक्र नहीं किया है. बीमा क्षेत्र में एफडीआई एक सौ प्रतिशत लाए जाने का प्रस्ताव सरकारी बीमा कंपनियों को विदेशी दिवालिया बीमा कंपनियों और कापोर्रेट घरानों के हाथों सौंपने की तैयारी है ।कन्वेंशन को सीपीएम के जिला सचिव भागीरथ शर्मा, सीपीआई एमएल के जिला सचिव देवदीप सिंह दिवाकर, सीपीआई के अंचल सचिव स्वंयवर पासवान ने सहित श्याम बिहारी सिंह दिनकर, विश्वनाथ बनर्जी,एस एन प्रसाद, कुमार सत्येन्द्र, रविन्द्र सिंह,लोकनाथ सिंह, नरेन्द्र मिश्रा,राम सागर दास,नेत लाल प्रसाद, चंद्रमा प्रसाद आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

पोंड की स्थिति देखकर खफा हुए विधायक

बोकारो। स्टील प्लांट के कूलिंग पाउंड की स्थिति को देखकर विधायक सरयू राय काफी नाराज हुए उन्होंने कहा कि पानी पूरी तरह से प्रदूषित हो चुका है इसका उपयोग करने लायक नहीं है लेकिन मजबूरी में आसपास के लोग उपयोग कर बीमारी को आमंत्रित कर रहे हैं बोकारो स्टील प्रबंधन के साथ-साथ जिला प्रशासन को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए था लेकिन दोनों इस मामले में दर्शक की भूमिका में है जो दुखद है। इस अवसर पर दामोदर बचाओ आंदोलन के जिला संयोजक सुरेंद्र प्रसाद सिंह,अभय कुमार मुन्ना, ललित सिन्हा आदि उपस्थित थे।

संघ आयोजित करेगा झारखंड राज्य बास्केटबॉल चैंपियनशिप प्रतियोगिता

बोकारो । बोकारो जिला बास्केटबॉल संघ द्वारा प्रथम अंदर 23 झारखंड राज्य बास्केटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है यह टूनामेंट सेक्टर 12 क्लब स्थित बास्केटबॉल ग्राउंड में होगा जो 19 से 22 फरवरी तक आयोजित होगा यह जानकारी बोकारो जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह सचिव हारुन अंसारी ने देते हुए कहा कि राज्य के विभिन्न जिलों से बॉयज के 14 एवं बालिका टीम से 7 टीमों ने पंजीकरण कराया है उन्होंने बताया कि बोकारो में पहली बार या बड़ा आयोजन हो रहा है 19 फरवरी की शाम 6:00 बजे चंदनक्यारी विधायक के द्वारा टूनामेंट का उद्घाटन किया जाएगा बताया गया कि बाहर से आने वाले खिलाड़ियों के लिए सेक्टर 12 क्लब तथा क्वार्टर में रहने की व्यवस्था की गई है इस मौके पर कोषाध्यक्ष रविंद्र रवि रंजन कुमार तकनीकी सलाहकार किंकर कृष्णा अनिल कुमार शांता कुमार गौतम कुमार शांत मिश्रा उपेंद्र श्रीवास्तव निशांत कुमार जीके सिंह बाल्मीकि पाठक सोनू राय अनिल सिंह सहित अन्य उपस्थित थे टूनामेंट में पूर्वी से मुंह पश्चिम सिंहभूम रांची छोटा नागपुर सरायकेला बोकारो धनबाद जैप एक सहित अन्य जिलों से कुल 17 टीम में शामिल होंगे।

उलगडढा पेट्रोल पंप के पास दो मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर

तेनुघाट । उलगड्डा पेट्रोल पंप के पास दो मोटर साइकिल में जोरदार टक्कर से दोनों मोटर साइकिल चालक बुरी तरह घायल हो गए। दोनों को गंभीर स्थिति में तेनुघाट अनुमंडलीय अस्पताल में तेनुघाट ओपी पुलिस एस आई मनोज तिर्की एवं पुलिस बल के द्वारा पहुंचाया गया ।प्राप्त जानकारी के अनुसार हीरो हौंडा सवार शैलेन्द्र मुर्मू जो तेनुघाट जेल में ए एस आई पद पर पदस्थापित है ।दूसरे मोटर साइकिल चालक यामाहा जो रामचंद्र टुडू एवं राजू सोरेन वंजरवा, गोला प्रखंड, रामगढ़ निवासी बताया जा रहा है ।तेनुघाट डैम घूमकर वापस लौटने के क्रम में पेट्रोल पंप के पास नियंत्रण खोया और आपस में टकरा गया ।शैलेन्द्र मुर्मू ए एस आई को बेहतर इलाज के लिए बोकारो बीजीएच ले जाया गया ।वहीं रामचंद्र टुडू एवं राजू सोरेन का इलाज अनुमंडलीय अस्पताल तेनुघाट में इलाज कराया गया। जहां इलाज के बाद डॉ शंभू ने बताया सभी लोग खतरे से बाहर है।

बेरमो विधायक ने पत्नी संग लगाया डुबकी

फुसरो। बेरमो विधायक कुमार जयमंगल उर्फ अनूप सिंह अपनी धर्मपत्नी अनुपमा सिंह के साथ प्रयागराज महाकुंभ मेला में संगम में डुबकी लगाई और पूजा अर्चना कर बेरमो कोयलांचल क्षेत्र सहित राज्य की कुशल मंगल की कामना की।

धनबाद में पहली बार इंडिया थेरेपी सेंटर में विशेष सेवाओं की शुरूआत

दबंग हिन्द,संवाददाता

धनबाद। हमारे बच्चों के विकास और उनकी विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, India Therapy Center, जगजीवन नगर (डॉक्टर्स कॉलोनी, ब्रह्माकुमारी के सामने), धनबाद में एक नई पहल की गई है। अब, डॉ. शिप्रा कमल (डेवलपमेंट पीडियाट्रिशियन, रांची) हर महीने के तीसरे बुधवार को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक अपनी सेवाएँ धनबाद में प्रदान करेंगी। यह पहल विशेष रूप से उन बच्चों के लिए की गई है जिन्हें विकास संबंधी चिकित्सा परामर्श की आवश्यकता होती है। अब हमें बाहर जाने की जरूरत नहीं! हमारे ही शहर धनबाद में विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध हैं, जो बच्चों की सभी आवश्यकताओं का ध्यान रखेंगे। आज के विशेष अवसर पर, डॉ. शिप्रा कमल (डेवलपमेंट पीडियाट्रिशियन) और डॉ. दीपक कुमार (नियोनेटोलॉजिस्ट और पीडियाट्रिशियन) भी उपस्थित रहे। इस पहल को सफल बनाने में India Therapy Center के निदेशक प्रतीक अग्रवाल और कौशल अग्रवाल का विशेष योगदान रहा। उन्होंने आश्वासन दिया है कि बच्चों की हर जरूरत को पूरा करने के लिए पूरी कोशिश की जाएगी। आप सबके सहयोग से यह पहल और भी सफल होगी! आप सभी का समर्थन हमारे लिए महत्वपूर्ण है। साथ मिलकर हम धनबाद में और भी बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत रहेंगे।

अशोक सिंह दिल्ली में मिले झारखंड के कांग्रेस प्रभारी से, दिया निमंत्रण

धनबाद।धनबाद जिला कांग्रेस के वरीय नेता एवं झारखंड पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह झारखंड के नवनियुक्त कांग्रेस प्रभारी के राजू से दिल्ली में मुलाकात की। यह मुलाकात एआईसीसी कार्यालय में हुई।अशोक सिंह ने उन्हें अंग वस्त्र और पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया।श्री सिंह ने उन्हें झारखंड आने का निमंत्रण भी दिया। नवनियुक्त प्रभारी ने झारखंड में कांग्रेस की गतिविधियों की जानकारी अशोक सिंह से ली। साथ ही साथ धनबाद में कांग्रेस की क्या गतिविधियां हैं, उनमें क्या सुधार की जरूरत है. इस पर भी सुझाव लिए. उन्होंने यह भी पूछा कि धनबाद में कांग्रेस कहां मजबूत है और पार्टी की कमजोरी कहां है.क्या करने से धनबाद में कांग्रेस मजबूत होगी.जमीन पर कैसी योजना तैयार करने की जरूरत होगी,इसकी जानकारी भी अशोक सिंह ने उन्हें दी.बता दे कि कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी ने नए ढंग से झारखंड में काम करना शुरू किया है. सूचना के अनुसार झारखंड के सभी छोटे-बड़े नेताओं का प्रोफाइल मंगवाया है .झारखंड में कांग्रेस की गतिविधियों को और कैसे तेज किया जा सके, चुनाव के पहले जो वादे किए गए थे, उसे पूरा करने की दिशा में भी काम शुरू हो गया है .झारखंड के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दिल्ली बुलाए भी गए हैं. के राजू प्रशासनिक अधिकारी रह चुके हैं. 2024 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस 2019 के बराबर ही 16 सीट जीत पाई. झारखंड में अभी कांग्रेस कोटे के चार मंत्री हैं. यह बात भी सच है कि झारखंड प्रभारी को बदलकर कांग्रेस आला कमान ने एक बड़ा संदेश देने की कोशिश की है. झारखंड सरकार में कांग्रेस कोटे के मंत्रियों के कार्यों की भी समीक्षा का काम चल रहा है. इस बीच अशोक सिंह ने कहा है कि कांग्रेस के नवनियुक्त प्रभारी प्रशासनिक अधिकारी रह चुके हैं. वह ऑल इंडिया अनुसुचित जाति विभाग के अध्यक्ष भी हैं. उनके अनुभव का झारखंड में कांग्रेस को लाभ मिलेगा. संगठन को मजबूती मिलेगी. जिला स्तर ही नहीं बल्कि पंचायत स्तर पर संगठन मजबूत होगा.

झरिया विधायक रागिनी सिंह ने बीसीसीएल प्रबंधन से की वार्ता

दबंग हिन्द,संवाददाता

धनबाद। श्रमिकों से संबंधित 9 सूत्री मांग पत्र के संबंध में वार्ता हेतु आज बुधवार को जनता श्रमिक संघ व बीसीसीएल सीवी एरिया के महाप्रबंधक कार्यालय में झरिया विधायक सह संघ की महामंत्री श्रीमती रागिनी सिंह की मौजूदगी में बीसीसीएल प्रबंधन के साथ महत्वपूर्ण बैठक हुई जिसमें बसंती माता दही बाड़ी खदान के विस्तार करने की समुचित व्यवस्था करने को लेकर एवं खदान के अगल-बगल लाइटिंग की व्यवस्था करनी हॉल रोड को डीजीएमएस के कोल माइन रेगुलेशन के तहत डिजाइन करने डंप मैनेजमेंट की व्यवस्था जिससे खदान से 50 या 100 मीटर की दूरी हो श्रमिकों के आवास मार मती का कार्य करने बीसीसीएल कॉलोनी के अंदर सफाई का कार्य जो वर्षों से निलंबित है जिससे अनेक बीमारियों से लोग ग्रसित हो रहा है कंप्यूटर ना होने के कारण कागजी प्रक्रिया में विलंब होने से हो रही परेशानी मृतक श्रमिक ऑन के परिजनों को नियोजन वर्षों से लंबित होने समेत सभी बिंदुओं पर चर्चा हुई जहा महाप्रबंधक ने सभी विषयों मांगों पर अपनी सहमति जताते हुए विधायक सह महामंत्री श्रीमती रागिनी सिंह को आश्वस्त करते हुए बताया कि सभी विषयों व मांगो पर विभागीय कार्यवाही करते हुए मामले का निष्पादन कर दिया जाएगा वही मीडिया से बातचीत में विधायक सह संघ की महामंत्री श्रीमती रागिनी सिंह बताया कि वार्ता सफल रही है और प्रबंधन ने सभी मांगों को मान लिया है इससे सभी श्रमिकों को लाभ मिलेगा जनता श्रमिक संघ श्रमिकों की लड़ाई में मजबूती से हमेशा अपना पक्ष रखेगा। इस दौरान केंद्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सिंह श्री के डी पांडेय क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश सिंह क्षेत्रीय सचिव शफीर रहमान खान अमित गुप्ता समेत बीसीसीएल पदाधिकारी मौजूद रहे।

आरोपियों के खिलाफ पुलिसिया कार्रवाई नहीं होने का मामला

असंतुष्ट पीड़ितों ने पत्रकार वार्ता कर दिया आंदोलन की चेतावनी

दबंग हिन्द,संवाददाता

अलकडीहा। जीनागोरा में पिछले दिनों आउटसोर्सिंग परियोजना में समर्थकों और ग्रामीणों के बीच हुई भिड़ंत की घटना के बाद सुरंगा कुम्हार टोला में ग्रामीणों द्वारा आउटसोर्सिंग के आधा दर्जन कर्मियों के साथ की गई मारपीट की घटना में पुलिस द्वारा आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई नहीं किए जाने से भड़के पीड़ित परिवार ने आंदोलन करने का निर्णय लिया । मामले को लेकर बुधवार को कुम्हार टोला में पीड़ित लोगों के समर्थन में बस्ती के लोगों ने दीपक राय की अध्यक्षता में एक बैठक कर जिला प्रशासन से घटना की जांच कर अविलंब आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई नहीं किए जाने पर डीसी कार्यालय पर धरना देने का निर्णय लिया । बैठक के बाद पीड़ित दीपक राय,विनोद राय हरिलाल रजक,गोविंद रजक आदि ने पत्रकार वार्ता कर कहा कि गांव के पांडव रजक और मिथुन बाउरी बाहरी है , जो कि रैयत भी नहीं है वे लोग अपना हित साधने को ग्रामीणों को भड़का कर उसकी हकमारी करने में लगा है । गांव के जो लोग पांडव का साथ नहीं दे रहे हैं उसे वे लोग टारगेट कर मारपीट कर रहे है । इसी क्रम में 8 फरवरी को आउटसोर्सिंग कर्मी विनोद राय,विनय राय , हरिलाल रजक, मंटू रजक, अनिल रजक, बृंदेश्वर राय, सुदाम कुम्भकार, गोविंद रजक के घर पर हमलाकर तोड़फोड़ किया गया, महिलाओं के साथ अभद्रता की गई । इस दौरान हमलावरों ने बिनोद राय ,विनय राय के साथ मारपीट कर पैर हाथ तोड़ दिया । यहां तक कि बीबीएम कॉलेज से पढ़ाई कर आ रहे जयदेव रजक को बेरहमी से मारपीट कर घायल करने की घटना को अंजाम दिया गया ।

99 फाउंडेशन के नेतृत्व में खिचड़ी वितरण का आयोजन

दबंग हिन्द,संवाददाता

धनबाद। 99 फाउंडेशन की ओर से अन्न दान महादान₹ में खिचड़ी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जरूरतमंदों की सहायता में जुटी 99 फाउंडेशन संस्था पिछले कई वर्षों से जरूरतमंदों के लिए भोजन का वितरण कर रही है। आज मेमको मोड़ स्थित 99 ग्रुप ऑफ कंपनीज के कार्यालय परिसर में सैकड़ों जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया। इस मुहीम का प्रयास है कि कोई भी भूखा न सोए। हर शनिवार को शहर के गणमान्य लोगो को साथ मिलकर यह सेवा कार्य करते हैं। जिसमे आज १५ फरबरी को ९९ फाउंडेशन की तरफ से जीतेन्द्र कुमार और उनकी पत्नी शशि प्रभा को आमंत्रित किया गया था ।खिचड़ी वितरण करने हेतु उन्होंने अपनी खुशी और सतोष जाहिर करते हुए ९९ फाउंडेशन के तारीफ किया और बताये ९९ फाउंडेशन ने नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी बखूबी निभा रही है। कार्यक्रम में मजदूर, रिक्शा चालक, ऑटो चालक और राहगीरों सहित सैकड़ों लोगों ने इस सेवा का लाभ उठाया। इस बार खिचड़ी के साथ-साथ विशेष पकवानों की भी व्यवस्था की गई थी। वहीं भोजन करने आए एक व्यक्ति ने कहा कि ₹हमें यहां हर शनिवार अच्छा भोजन मिलता है। 99 फाउंडेशन के इस प्रयास के लिए हम धन्यवाद करते हैं। बता दें कि 99 फाउंडेशन के इस सेवा कार्य की सराहना हर तरफ हो रही है। यह संस्था न केवल भूख मिटाने का काम कर रही है, बल्कि समाज में सेवा की भावना को भी बढ़ावा दे रही है और ऐसे नेक कार्यों से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रेरणा मिलती है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम आरोही रंग महोत्सव का आयोजन

दबंग हिन्द,संवाददाता

झरिया। सांस्कृतिक कार्य निदेशालय,पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखंड सरकार के तत्वाधान में पीके रॉय कॉलेज के सभागार में आरोही नाट्य मंच (पुटकी) द्वारा नाट्य प्रस्तुति सह सम्मान समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आरोही रंग महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला खेल पदाधिकारी उमेश लोहरा,एसएमपीओ विनीता कुमारी व एपीआरओ आलोक मिश्रा,संस्था के निर्देशक सह फिल्म अभिनेता संजय भारद्वाज एवं संस्था की सचिव सह टीम लीडर उर्मिला प्रसाद के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम की मुख्य प्रस्तुति उस्ताद प्रभात कुमार महतो, नटराज कला केंद्र, चौगा,सरायकेला के द्वारा मानभूम छऊ नृत्य ने 20 मिनट तक दर्शकों को बांधे रखा। साथ ही15 दिवसीय नाट्य कार्यशाला में भाग लिए हुए बच्चों के द्वारा नाटक अंधेर नगरी की प्रस्तुति की गई। साथ ही संस्था के रंग कर्मियों द्वारा नाटक सिद्धू, कान्हु के जीवन पर आधारित नाटक विद्रोह की प्रतिध्वनि का मंचन किया गया। मुख्य अतिथि श्री लोहरा ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन से बच्चो के अंदर छिपी प्रतिभा में निखार आता हैं। वहीं निर्देशक संजय भरद्वाज ने कहा कि कला के क्षेत्र को और विकसित करने कि आवश्यकता हैं। मौके पर उर्मिला प्रसाद, संजय भारद्वाज, अक्षत भारद्वाज, नरेश, नितेश रवि, बंटी, दिलीप, काजल, ज्योति, गंगा, ज्ञानेन्द्र, जानकी, कंचन आदि मौजूद थे।

गोबिंदपुर थाना परिसर में लगाया निशुल्क नेत्र जांच शिविर

दबंग हिन्द,संवाददाता

धनबाद। गोबिंदपुर थाना के कई पुलिसकर्मी ने कराया अपना जांच झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन के लगातार प्रयास से जिले के अलग-अलग थाना परिसरों में निशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया जा रहा है। एक बार फिर इसी कार्यक्रम के तहत ASG आई हॉस्पिटल के सौजन्य से गोबिंदपुर थाना परिसर में लगाया निशुल्क नेत्र जांच जिसमें 70 से अधिक पुलिसकर्मियों एवं अन्य लोगों ने अपना नेत्र जांच करवाया। थाना प्रभारी ने धन्यवाद देते हुए इस तरह के कार्यक्रम करने के लिए झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन का सराहना करते हुए धन्यवाद दिया । संगठन के जिला अध्यक्ष मनीष कुमार झा ने बताया कि पुलिसकर्मी हम लोगों के परिवार के लोग हैं। इन्हें भी परेशानी होती है। इसलिए हम लोगों का प्रयास है की यथासंभव सहयोग किया जाए। समाज के प्रति हमारी भी जिम्मेवारी है इसलिए हम अपने जिम्मेवारी को समझते हुए इस तरह का कार्यक्रम कर रहे हैं । झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन प्रखंड अध्यक्ष सुमित बर्मन मौके पर उपस्थित रहे। प्रदेश सचिव रुस्तम मियां, शौकत खान, ललन मालाकार, कार्तिक गोस्वामी , मुबारक अंसारी, सोनू कुमार, सहित गोबिंदपुर ईकाई के सभी सदस्य मौजूद रहे।

जामाडोबा में जमीन निर्माण को लेकर टाटा के सुरक्षा गार्ड तथा ग्रामीणों के बीच झड़प

दबंग हिन्द,जोड़ापोखर। जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के जामाडोबा चार नम्बर संतोषी मंदिर के निकट घर के बाहर खाली जमीन पर लोगो द्वारा निर्माण कार्य किये जाने की सूचना पर टाटा के कर्मियों ने निर्माण कार्य रुकवा दिया। इस दौरान टाटा के सुरक्षा गार्ड एवं ग्रामीणों के बीच झड़प शुरू हो गई। आक्रोशित लोगों ने सुरक्षा कर्मियों को लाठी डंडे और पत्थर बाजी कर खदेड़ दिया। बताते हैं कि यहां के कुछ लोग अपने घर के बाहर खाली जमीन पर निर्माण कार्य कर रहे थे, जिसको रोकने के लिए सुरक्षा गार्ड पहुंचे हुए थे। दो सुरक्षा गाड्र्स को ग्रामीणों ने बैठा लिया था इसकी जानकारी मिलते ही काफी संख्या में गार्ड पहुंच गए और निर्माण कार्य को ध्वस्त करना शुरू कर दिया। ऐसा देख ग्रामीण उग्र हो गया और लाठी डंडा लेकर सभी को खदेड़ना शुरू कर दिया। सुरक्षा गाड्र्स का कहना था कि यह जमीन टाटा की है, जबरन लोग अवैध निर्माण कर रहे थे।

डीएवी मॉडल स्कूल में चल रही तीन दिवसीय क्षमता संवर्द्धन कार्यशाला संपन्न

दबंग हिन्द,संवाददाता

जोड़ापोखर । डीएवी मॉडल स्कूल सीएफआरआई में बीते 17 फरवरी से चल रही तीन दिवसीय क्षमता संवर्द्धन कार्यशाला आज संपन्न हुआ। यह कार्यशाला माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक हिन्दी, संस्कृत एवं वाणिज्य संकाय में डीएवी पब्लिक स्कूल्स जोन-ई के विभिन्न विषयवार शिक्षकों की शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं संवर्द्धन हेतु डीएवी सीएमसी दिल्ली के तत्वावधान एवं प्रशिक्षण समन्वयक और क्लस्टर प्रमुख श्रीमती प्रज्ञा सिंह सह प्रिंसिपल डीएवी बिष्टुपुर, जमशेदपुर के मार्गदर्शन और नेतृत्व में पूरा हुआ। कार्यशाला की सफलता मेजबान स्कूल की नवनवोन्मेष शालिनी एवं प्रायार्या श्रीमती महुआ सिंह की देख-रेख में हुआ। कार्यशाला के दूसरे दिन श्रीमती प्रज्ञा सिंह एआरओ सह प्रिंसिपल डीएवी बिस्टुपुर ने सभी प्रशिक्षुओं का उत्साहवर्धन किया एवं प्राचार्या सुश्री रेखा कुमारी डीएवी चाईबासा ने मार्गदर्शन किया। इसमें कुल 8 स्कूल डीएवी सीएफआरआई, डीएवी विष्टुपुर, डीएवी चाईबासा, डीएवी जामाडोबा, डीएवी नोआमुंडी, डीएवी महुदा, डीएवी बरोरा, डीएवी सिजुआ शामिल हुए। स्कूल की प्राचार्या महुआ सिंह ने कहा कि तीन दिवसीय कार्यशाला से शिक्षके लाभान्वित हुए होंगे तथा कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य कक्षा कक्ष को खुशनुमा एवं पठन- पाठन योग्य माहौल बनाना है, साथ ही बच्चों को तनाव मुक्त रख उनका आत्मविश्वास बढ़ाना है, जो नयी शिक्षा नीति में विशेष रूप से आवश्यक तत्व हैं। साथ ही उन्होंने यह भी उम्मीद जताई की शिक्षकों के समक्ष कक्षा कक्ष में जो समस्याएं आया करती हैं, उनका निवारण अवश्य हुआ होगा। समापन के अवसर पर प्राचार्या चंद्रानी बनर्जी डीएवी पब्लिक स्कूल सिजुआ, प्राचार्य राकेश शर्मा डीएवी पब्लिक स्कूल बरोरा, प्रायार्य आशीष मंडल डीएवी महुदा, प्राचार्य अनुज कुमार मिश्रा डीएवी जामाडोबा भी मौजूद थे।

कैंसर जागरूकता स्क्रीनिंग सह नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

दबंग हिन्द,संवाददाता

धनबाद। असर्फी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा धनबाद प्रखंड के दामोदरपुर पंचायत में कैंसर जागरूकता स्क्रीनिंग एवं नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य स्थानीय समुदाय को कैंसर के प्रति जागरूक करना और उन्हें नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच की सुविधा प्रदान करना था। असर्फी चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित इस शिविर में असर्फी चैरिटेबल ट्रस्ट विशेषज्ञ डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मियों की एक टीम ने समुदाय आधारित मूल्यांकन (Community-Based Assessment) प्रक्रिया के तहत कैंसर की प्रारंभिक पहचान, इलाज के तरीके और निवारण उपायों के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दी। शिविर में उपस्थित नागरिकों का विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जांच की गई, जिसमें रक्तचाप, आरबीएस, प्लस, ऑक्सीजन संतृप्ति (Sp02), तापमान, वजन और अन्य सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण शामिल थे। इस शिविर में भारी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित हुए और सभी ने इस पहल की सराहना की। आयोजन में शामिल असर्फी चैरिटेबल ट्रस्ट के स्वास्थ्य टीम ने बताया कि समय पर कैंसर का निदान और उपचार जीवन को बचा सकता है। इस शिविर में सभी ने अपनी स्वास्थ्य जांच करवाई और कैंसर के प्रति जागरूक हुए। असर्फी चैरिटेबल ट्रस्ट ने भविष्य में इस तरह के और शिविर आयोजित करने का संकल्प लिया।

28 व प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव शक्ति मंदिर का आज हुआ समापन

दबंग हिन्द,धनबाद। शक्ति मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के पांचवे दिन मन्दिर परिसर से भव्य प्रभात फेरी निकाली गई ' इसमें भक्तजन में 1001 ध्वजा के साथ प्रभात फेरी में शामिल हुए और माता के भजनों और जयकारों के साथ शक्ति मन्दिर से जोडा फाटक होते हुए धनसार, बैंक मोड़, पुराना बाजार पानी टंकी, छोटा गुरुद्वारा होते हुए पुनः शक्ति मन्दिर पहुंचे ' प्रभात फेरी का स्वागत धनसार पानी टंकी और छोटा गुरूद्वारा की कमिटी ने किया । आज पूजन में मातारानी का आह्वान किया गया और १००१ अर्हुल के फूल अर्पित किए गए उसके बाद संध्या मे हवन कर पांच दिवसीय चल रहे पुजन की पूणार्हुति हुई ' कल दिन गुरुवार को मां के विशाल भंडारे का आयोजन किया जायेगा ' आज प्रभात फेरी मैं धनबाद विधायक राज सिन्हा ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया ' अठाईस वर्ष पूर्व आज ही के दिन शक्ति मन्दिर के पट्ट भक्तों के लिए खुले थे जो आज भक्तों की आस्था का केन्द्र बन गया है ।

एक नजर

श्री श्री 108 हरिहर एवं मां दुर्गा प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का आयोजन

दबंग हिन्द,मैथन। श्री श्री 108 हरिहर एवं मां दुर्गा प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का आयोजन 21 फरवरी से 27 फरवरी तक विभिन्न आयोजन के साथ शिव परिवार, मां दुर्गा, श्री राधा कृष्ण, श्री पंचमुखी हनुमान, श्री राम दरबार का प्राण प्रतिष्ठा संपन्न होगा। कार्यक्रम के दूसरे दिन 22 फरवरी को गाजे बाजे के साथ भव्य कलश यात्रा निकाला जाएगा। जिसमें लगभग 1500 महिलाएं कलश लेकर तालडांगा हाउसिंग कॉलोनी से बराकर नदी घाट को जाएँगे । जहां वैदिक मन्त्रों उच्चारण के साथ कलश में जल भरा जाएगा। और वहां से वापस सभी मंदिर परिषर पहुंचेंगे। इस महायज्ञ को वैदिक संत राघव प्रपन्ना जी महाराज के सानिध्य में सोलह आचार्यों के दल संपन्न करवायेंगे । इसके अलावा प्रतिदिन संध्या 6 बजे से प्रतिदिन राम कथा का आयोजन वृंदावन धाम से आयी पूज्या दिव्या देवी द्वारा किया जाएगा।

झामुमो घर घर जाकर चलाएगा सदस्यता अभियान - फरीद मालिक

दबंग हिन्द,झरिया । झारखंड मुक्ति मोर्चा के झारखंड राज्य में 50 लाख नए सदस्य बनने पर फरीद मालिक के नेतृत्व में खुशी व्यक्त करते हुए एक बैठक कर चर्चा की गई। चर्चा में सदस्यता को लेकर अहम बाते की गई। पूर्व नगर अध्यक्ष फरीद मालिक ने कहा कि धनबाद जिला सहित झरिया नगर के हर वार्ड के घर घर जाकर सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि झामुमो पार्टी झारखंड की माटी की पार्टी है, राज्य का विकास सिर्फ झामुमो की हेमंत सरकार ही कर पायेगा। इस दौरान धनबाद महानगर संयोजक मंडली के सदस्य सह पूर्व नगर अध्यक्ष फरीद मालिक, पूर्व महानगर उपाध्यक्ष बंटी सिंह, झरिया नगर वार्ड 41 के पूर्व अश्यक्ष सफीक खान, कौशर जहाँ, कुलदीप महतो, शुभम वर्मा थे।

जनता मजदूर संघ साउथ तिसरा शाखा का पुनर्गठन संपन्न

दबंग हिन्द,तिसरा। जनता मजदूर संघ साउथ तिसरा शाखा की कार्यकारिणी की बैठक क्षेत्रीय पदाधिकारी की उपस्थिति में एमओसीपी कम्युनिटी हॉल में हुई। जिसमें साउथ तिसरा शाखा का पुनर्गठन किया गया गया। पुनर्गठन में राजीव झा अध्यक्ष,अवधेश यादव उपाध्यक्ष, उमेश सिंह सचिव वेद प्रकाश देव संयुक्त सचिव विनय सिंन्हा कोषाध्यक्ष, बाबूलाल प्रसाद संगठन सचिव प्रमोद सिंह सह सचिव रामसेवक दास कार्यकारिणी सदस्य मनोनीतकिएगए। नए बने सभी पदाधिकारी ने संगठन को और मजबूत बनाने पर जोर दी गई। मजदूरों की लड़ाई लड़ने की बात कही गई। मौके पर सुदर्शन प्रसाद क्षेत्रीय अध्यक्ष, अनिल सिंह, रितेश निषाद, संतोष मिश्रा, केल्विन तिर्की, मनोहर सिंह बड़े पैमाने पर संगठन के कार्यकर्ता मौजूदथें।

जीवन ज्योति विद्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण का आयोजन

दबंग हिन्द,धनबाद। रोटरी क्लब ऑफ धनबाद द्वारा जीवन ज्योति विशेष विद्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आज रोटरी क्लब ऑफ चेन्नई, मेराकी की तीन महिला सदस्यों का प्लांटेशन ड्राइव - स्प्रिड द विंग्स कार्यक्रम के तहत धनबाद आगमन हुआ। रोटरी क्लब ऑफ चेन्नई मेराकी की श्रीमती कोटांगी सुचित्रा ने सभी को बताया कि हम तीन महिलाएं 13 दिनों तक 6360 किलोमीटर की दूरी तय करके चेन्नई से काठमांडू तक अपने कार से यात्रा करते हुए पूरे रास्ते में वृक्षारोपण करते हुए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज हमारा दल धनबाद आया है। पूरे रास्ते में विभिन्न रोटरी क्लब के साथ मिलकर हमलोग समाज में वृक्षारोपण का संदेश दे रहे हैं। वहीं इस दल की पर्यावरणविद सदस्य श्रीमती शिवबाला देवी ने सभी से अपने जीवन में कम से कम प्रत्येक वर्ष एक वृक्ष लगाने की अपील की ताकि ईश्वर के द्वारा बनाया गई हमारी धरती हरीभरी रहे और हम अपने आने वाले जनरेशन को एक स्वच्छ और खूबसूरत वातावरण प्रदान कर सके। उन्होंने जीवन ज्योति एवं रोटरी क्लब ऑफ धनबाद द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए पुनः आगमन की अपेक्षा की। आज रोटरी क्लब ऑफ धनबाद के अध्यक्ष श्री राहुल व्यास जी अगुवाई में इस दल के द्वारा विद्यालय प्रांगण में 5 फलदार वृक्ष लगाए गए। इसके बाद इस दल को जीवन ज्योति विशेष विद्यालय के द्वारा बच्चों के बनाए गए पेंटिंग्स एवं पौधे उपहार स्वरूप प्रदान कर उनकी यात्रा को अध्यक्ष के द्वारा झंडा दिखा कर आगे की यात्रा के लिए शुभकामनाएं देते हुए विदा किया। आज के कार्यक्रम में श्री राहुल व्यास (अध्यक्ष, रोटरी क्लब ऑफ धनबाद), श्री अभिषेक अग्रवाल, सुश्री अपर्णा दास (प्राचार्या, जीवन ज्योति) एवं प्लांटेशन ड्राइव स्प्रीड द विंग्स की श्रीमती शिवबाला देवी, श्रीमती कोटांगी सुचित्रा, श्रीमती सरवाना सालवी उपस्थित थे।

धनबाद प्रेस क्लब ब्लू ने जीता मीडिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट

मैन आफ द मैच व सीरिज का खिताब डीपीसी के राजा को

दबंग हिन्द,धनबाद। रेलवे स्टेडियम धनबाद में चल रहे धनबाद प्रेस क्लब मीडिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट 2025 का फाइनल मैच खेला गया। इस मैच में धनबाद प्रेस क्लब ब्लू की टीम ने डी थ्री को मात देते हुए ट्राफी पर कब्जा किया। वहीं ब्लू टीम के खिलाड़ी राजा को मैन आफ द मैच, मैन आफ द सीरिज व बेस्ट बालर का खिताब भी मिला। वहीं सर्वश्रेष्ठ बालर विक्रम, बेस्ट फील्डर व कैप्टन का पुरस्कार ब्लू टीम के राममूर्ति पाठक को दिया गया। मैच के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त माधवी मिश्रा, टाइटल प्रायोजक बीसीसीएल के उदयवीर सिंह, विधायक राज सिन्हा, डीआरएम धनबाद कमल किशोर सिन्हा, सीनियर डीपीओ अजीत कुमार, सीनियर डीसीएम अमरेश कुमार समेत सभी फ्रेंचाइजी, संपादक वे वरिष्ठ पत्रकार मौजूद थे। फाइनल मैच से पहले उपायुक्त धनबाद माधवी मिश्रा समेत अन्य अतिथियों ने मैच का उद्घाटन करते हुए टीम डीथ्री और डीपीसी ब्लू के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। उपायुक्त ने अपनी शुभकामनाएं भी दीं। 20 ओवर के इस मैच में डीथ्री ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। निर्धारित ओवर में नौ विकेट खोकर टीम ने 128 रन बनाए। जवाबी पारी खेलते हुए धनबाद प्रेस क्लब ब्लू की टीम ने महज 10.4 ओवर में ही एक विकेट के नुकसान पर 131 रन बनाकर मैच जीत लिया। दोनों टीमों को विधायक राज सिन्हा, टूर्नामेंट के टाइटल प्रायोजक बीसीसीएल के अधिकारी उदयवीर सिंह, जिला वन पदाधिकारी विकास पालीवाल, सूर्या रीयलकान के संतोष सिंह, नपान ग्रुप के अमित रंजन, डीथ्री के शांतनु चंद्रा, रामअवतार ग्रुप के अमरेश सिंह, मिरर मीडिया के धीरेंद्र राय, निरसिंह इस्पता की ओर से मनोज शर्मा, दैनिक जागरण के संपादक डा. चंदन शर्मा, प्रभात खबर के संपादक जीवेश रंजन, दैनिक भास्कर के संपादक विकास कुमार सिंह, खबर मंत्र के संपादक ज्ञानवर्धन मिश्रा, बिहार आब्जर्वर के संपादक गणेश मिश्रा और आवाज के संपादक अमित सिन्हा ने विजेता और उपविजेता ट्राफी देकर टीमों को सम्मानित किया। इस दौरान आयोजनकर्ता धनबाद प्रेस क्लब की ओर से कमंट्रेटर परवेज, रेलवे मैदान के क्यूरेटर दुलाल दा, स्कोरर प्रींस, एम्पायर शशि सिंह व राजू प्रसाद, क्लब अनुशासन समिति सदस्यों, धबनाद के वरिष्ठ पत्रकारों को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर क्लब अध्यक्ष संजीव झा, वरीय उपाध्यक्ष शशि राय, महासचिव अजय प्रसाद, उपाध्यक्ष प्रीतक पोपट, बलवंत कुमार, अमर प्रसाद, सुरेंद्र यादव, शरदचंद्र पांडेय, सचिव मोहन गोप, संजय चौरसिया, नवीन राय, राममूर्ति पाठक, चंदन पाल, कार्यकारिणी के विक्की प्रसाद, रोशन सिन्हा, विपीन कुमार रजक, गोपाल प्रसाद और शांभवी सिंह मौजूद थीं।

अफीम की खेती करने वालों के खिलाफ शुरू हुआ बड़ा अभियान

चार आरोपी गिरफ्तार

दबंग हिन्द, संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले में अफीम की खेती करने वालों के खिलाफ एक बड़ा अभियान शुरू किया गया है. अभियान के तहत चार लोगों को पलामू पुलिस ने गिरफ्तार किया है. इन चारों पर अफीम की खेती करने का आरोप है. पलामू पुलिस लगातार अफीम की खेती को नष्ट कर रही है. साथ ही खेती करने वालों के खिलाफ अभियान भी चल रही है।इसी क्रम में खेती करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और जेल भेजा दिया गया है. वैसे लोग जिन पर अफीम की खेती करने का आरोप है उनकी गिरफ्तारी के लिए पलामू पुलिस ने बड़ा अभियान शुरू किया है. नौडीहा बाजार थाना की पुलिस ने छतरपुर थाना क्षेत्र के धोबीडीह निवासी लवलेश यादव नामक आरोपी को गिरफ्तार किया है।पाखी थाना की पुलिस ने मुकेश यादव नामक आरोपी को गिरफ्तार किया है. मुकेश यादव पांकी थाना क्षेत्र के केकरगढ़ का रहने वाला है. मनातू थाना की पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गोविंद यादव और इंदर यादव को गिरफ्तार किया है. इंदर यादव तरहसी थाना क्षेत्र के ताल जबकि गोविंद यादव मनातू थाना क्षेत्र के बड़की नागद का का रहने वाला है।पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि अफीम की खेती के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है. इस अभियान के क्रम में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है. खेती करने वालों के खिलाफ पुलिस सख्त कार्रवाई कर रही है. साथ ही पुलिस लगातार लोगों से अफीम की खेती के बजाय अन्य फसलें उगाने की अपील कर रही है।

पलामू में राज्य का तीसरा प्रमंडल स्तरीय मेला का हुआ आयोजन

कृषि के तौर-तरीकों को बदलें किसान: मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की

दबंग हिन्द, संवाददाता

मेदिनीनगर। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि किसानों को समय के साथ कृषि के तौर-तरीकों को बदलना होगा। सब आधुनिकरण हो रहा है।किसानों को कृषि कार्य मजदूर की तरह नहीं व्यवसाय के रूप में करना होगा। पारंपरिक व्यवस्थाओं को बदलना होगा। धान-गेहूं की जगह संतरा, ड्रैगन फ्रूट आदि फल-सब्जियां आदि नगदी फसलों का उत्पादन करना होगा। माननीय मंत्री आज पलामू के शिवाजी मैदान में आयोजित प्रमंडल स्तरीय किसान मेला-सह-उद्यान प्रदर्शनी-2025 के अवसर पर किसानों को संबोधित कर रहीं थीं। किसान मेला-सह-उद्यान प्रदर्शनी में पलामू प्रमंडल के पलामू, गढ़वा एवं लातेहार जिले के पदाधिकारी एवं किसान उपस्थित थे।मेला में 40 स्टॉल लगाया गया। जहां विभागों की योजनाओं की जानकारी दी गई। मेला में किसानों के

बीच परिस्थितियों का भी वितरण किया गया। माननीय मंत्री सभी स्टॉल का निरीक्षण कर वहां प्रदर्शित कृषि उत्पाद एवं कृषि यंत्रों का अवलोकन किया। कृषि मंत्री ने कहा कि कृषि विभाग द्वारा किसानों को बीज-खाद का वितरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पलामू में क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र स्थापित है। कृषि विज्ञान केन्द्र भी है। यहां के किसानों के विकास में इन्हें पूरा योगदान करना होगा। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ एक ही लाभूक को नहीं, बल्कि अलग-अलग किसानों को देना होगा। उन्होंने वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट की चर्चा करते हुए कहा कि पलामू में तेलहन की खेती की प्रबल संभावनाएं हैं। पलामू तेलहन की खेती के लिए जाना जाएगा। इस दिशा में सरकार कार्य कर रही है। तेलहन की खेती को बढ़ावा देने के लिए पलामू में स्टोरेज और प्रोसेसिंग प्लांट लगाया जाएगा। इसके लिए उपायुक्त के माध्यम से प्रस्ताव मांगा गया है। उन्होंने महिलाओं की उत्थान की बातें कहीं। उन्होंने महिलाओं को सामूहिकता की ओर आगे बढ़ने की सलाह दी। इसके लिए सोसाइटी का गठन करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि राज्य को सफल बनाने के लिए सामूहिकता में विश्वास करना होगा। उन्होंने कहा कि पलामू के तीनों जिलों पर विशेष ध्यान देना होगा। उन्होंने किसानों के हित में वीएलडब्ल्यू को विभाग की पूर्ण जिम्मेवारी देने की बातें कहीं। साथ ही वीएलडब्ल्यू और कृषि मित्र को राज्य की जनता के साथ छल-कपट नहीं करने की सख्त सलाह दी। कृषि मंत्री ने कहा कि पलामू में यह तीसरा प्रमंडल स्तरीय कृषि मेला का आयोजन हुआ है। मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि पलामू जिला का ग्रामीण अर्थव्यवस्था कृषि पर निर्भर है। किसानों की खुशहाली से पलामू का आर्थिक विकास संभव है। पलामू सुखाड़, आकाल की चपेट में रहता है। पलामू में खेती के लिए जरूरत से भी कम बारिश होती है।

एक नजर

कस्तूरबा गांधी विद्यालय की लेखापाल ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

दबंग हिन्द, मेदिनीनगर। पाटन के कस्तूरबा गांधी विद्यालय की लेखापाल प्रियंका कुमारी मानसिक तनाव में आकर बुधवार को स्कूल कैंपस में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान गढ़वा थाना क्षेत्र के जयनगरा गांव निवासी पंचम कुमार की पत्नी प्रियंका कुमारी के रूप में की गई है।इस घटना के बारे में वार्डन सुषमा कुमारी ने बताया कि बुधवार की सुबह से दोपहर तक प्रियंका कुमारी स्कूल में दिखाई नहीं दे रही थी।इसके बाद स्कूल के सभी स्टाफ उनकी खोजबीन करने लगे।उनका कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था।काफी मशक्कत के बाद दरवाजा खोलकर देखा गया तो प्रियंका कुमारी पंखे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद वार्डन के द्वारा इस घटना की जानकारी पाटन थाना की पुलिस को दी गई।घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। वही जानकारी मिलने पर पुलिस चौकी के एएसआई नीरज कुमार सिंह, सुषमा टीयू और पुलिस जवान महेंद्र कुमार अस्पताल पहुंचकर इंक्वेस्ट कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है।वही इस घटना के बाद से पुलिस घटना से संबंधित मामले की छानबीन में जुट गई है।इस घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

अधिकारियों के आश्वासन पर खत्म हुआ आमरण अनशन

समर्थन में हरिहरगंज बाजार, दुकान व प्रतिष्ठान बंद रहा

दबंग हिन्द, हरिहरगंज। हरिहरगंज प्रखंड परिसर में 11 सूत्री मांगों को लेकर पिछले तीन दिनों से चल रहा आमरण अनशन बुधवार को अधिकारियों के आश्वासन के बाद खत्म हो गया है. बीडीओ पारितोष प्रियदर्शी, सीओ मनीष कुमार सिन्हा, कार्यपालक पदाधिकारी फैजुर रहमान अंसारी व पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी चंदन कुमार आदि अधिकारी अनशन स्थल पर पहुंचे और अनशन पर बैठे समाजसेवी राजीव रंजन व जेपी गुप्ता को नारियल जूस पिलाकर उनके मांगों पर सकारात्मक आश्वासन देकर अनशन तुड़वाया. अधिकारियों ने नगर पंचायत, प्रखंड व अंचल कार्यालय को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने, पीएम आवास योजना में भ्रष्टाचार मामले की जांच कमेटी बनाकर कराने, शहरी क्षेत्र में सफाई कर्मियों की समस्या का निदान कराने, पीएम आवास टू योजना का आवेदन आवश्यक कार्रवाई हेतु विभाग को भेजने, वैज्ञानिक तरीके से प्रखंड परिसर स्थित डंप कचरे को निष्पादन एक माह के अंदर कराने, नपं में 147 योजनाओं की स्वीकृति के लिए उपायुक्त से स्वीकृति दिलाने, 50 योजनाओं का काम शीघ्र शुरू करने आदि का आश्वासन दिया. साथ ही कहा की पुरानी सीएचसी में शहरी स्वास्थ्य केंद्र चालू कराने के लिए सरकार द्वारा राशि उपलब्ध हो गयी है, जल्द ही चालू हो जाएगी. नगर पंचायत के सीएलटीसी संजय राणा को एक सप्ताह में पद से हटाने का आश्वासन भी दिया. साथ ही सब स्टेशन में दस एमवीए का ट्रांसफार्मर लगाने व सड़क के किनारे बिजली खम्भे को हटाकर जाम मुक्त कराने का आश्वासन दिया. विदित हो कि आमरण अनशन पर बैठे लोगों के समर्थन में व्यवसायीयों ने हरिहरगंज बाजार, दुकान व प्रतिष्ठा बुधवार को बंद रखा. इस मौके पर सिटी मैनेजर नजीबुल्लाह अंसारी, सत्येंद्र मेहता, अखिलेश मेहता, शंभू यादव, संजय जायसवाल, पूर्व मुखिया अवधेश मेहता, सुरेश चौधरी, मृत्युंजय सिंह, अजय सिंह, जानू चौधरी, विश्वदीप कुमार, विजय शौडिक, रामवृक्ष मस्ताना, मदन सिंह, योगेंद्र सिंह, बलराम सिंह, उपेंद्र साव सहित सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद थे।

उपायुक्त की पहल से अनुमंडल स्तर पर अधिष्ठापित होगा कैंप कार्यालय

कैंप कार्यालय से लाभान्वित होंगे आमजन :उपायुक्त

दबंग हिन्द, संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू उपायुक्त शशि रंजन की पहल एवं सकारात्मक सोच से आमजनों को सरकार की जनकल्याणकारी सभी योजनाओं का लाभ उनके नजदीकी अनुमंडल में ही मिलेगा। जनता को छोटे कार्यो के लिए भी जिला में आने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, बल्कि प्रशासनिक पदाधिकारी उनके नजदीक पहुंचेंगे। इसे लेकर अनुमंडल स्तर पर कैंप कार्यालय अधिष्ठापित कर विभिन्न विभागीय कार्यो का निष्पादन किया जायेगा। इसके लिए उपायुक्त शशि रंजन ने निदेश जारी कर दिया है। इसकी व्यापक तैयारी भी की जाने लगी है।प्रत्येक माह के द्वितीय वृहस्पतिवार को छतरपुर एवं चतुर्थ वृहस्पतिवार को हुसैनाबाद अनुमंडल कार्यालय परिसर में कैंप कार्यालय का अधिष्ठापन किया जायेगा। इसमें सभी जिला स्तरीय, संबंधित अनुमंडल स्तरीय तथा संबंधित अनुमंडल के सभी प्रखंड

स्तरीय, असैनिक एवं तकनीकी पदाधिकारी निर्धारित दिवस को कैंप कार्यालय में उपस्थित होकर अपने-अपने विभाग से संबंधित कार्यो का निष्पादन करना सुनिश्चित करेंगे। उपायुक्त ने संबंधित अनुमंडल पदाधिकारियों को अपने-अपने अनुमंडल में निधारित दिवस के लिए कैंप कार्यालय अधिष्ठापन संबंधी सभी व्यवस्था सुनिष्चित करने का निदेश दिया है।उपायुक्त ने बताया कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालन और आम लोगों को परेशानी नहीं हो, इसके लिए कैंप कार्यालय अधिष्ठापित कर विभिन्न विभागीय कार्यो का निष्पादन किए जाने की परिकल्पना की गई है। योजनाओं का लाभ लेकर लोग अपने जीवन स्तर को बेहतर बनायेंगे। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की दिशा में प्रशासन सक्रियता से कार्य कर रही है। प्रशासन की ओर से लोगों की मांगों और समस्याओं के समाधान का क्रम निरंतर जारी है।

महाकुंभ को लेकर हजारों श्रद्धालु पहुंचे रेलवे स्टेशन

डालटनगंज से शुरू हुई स्पेशल ट्रेन, पुलिस के सीनियर अधिकारी तैनात

दबंग हिन्द, संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू प्रयागराज महाकुंभ में जाने के लिए मंगलवार की रात हजारों श्रद्धालु डालटनगंज रेलवे स्टेशन पर पहुंचे. प्रयागराज जाने के लिए अधिकतर ट्रेन रात में ही पलामू के इलाके से गुजरती है. प्रमंडलीय मुख्यालय मेदिनीनगर के डालटनगंज रेलवे स्टेशन पर प्रयागराज जाने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं. श्रद्धालुओं के भीड़ को देखते हुए रेलवे ने डालटनगंज रेलवे स्टेशन से स्पेशल ट्रेन भी शुरू किया है।महाकुंभ जाने के लिए सोमवार को पहले स्पेशल ट्रेन डाल्टेनगंज से खुली थी. मंगलवार को भी रात 11:00 बजे के करीब स्पेशल ट्रेन प्रयागराज के लिए खुलेगी. स्पेशल ट्रेन एवं अन्य ट्रेनों से प्रयागराज जाने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु रेलवे स्टेशन पर पहुंच गए हैं. श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पलामू एसपी रीष्मा रमेशन के निर्देश पर सीनियर पुलिस अधिकारियों को

डालटनगंज रेलवे स्टेशन पर तैनात किया गया है. डीएसपी राजेश यादव, आरपीएफ इंस्पेक्टर बनारसी यादव के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौके पर तैनात है।पुलिस एवं आरपीएफ के जवान श्रद्धालुओं को ट्रेन में चढ़ने में मदद कर रहे हैं. भीड़ नियंत्रण के लिए लगातार अनाउंसमेंट की जा रही है. दंडाधिकारियों के भी तैनाती की गई है. डालटनगंज रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर उमेश कुमार ने बताया कि भीड़ के देखते हुए स्पेशल ट्रेन खोली गई है, एक ट्रेन सोमवार को भी गई थी और दूसरी मंगलवार को जाने वाली है।मौके पर शहर थाना के एसआई स्वाति गुप्ता, टिओपी 2 प्रभारी अनिल सिंह, टाइगर मोबाइल के जवान अमित कुमार, राजेश चंद्रवंशी, मिथिलेश कुमार, प्रमोद कुमार, मुकेश सिंह, सूर्यनाथ सिंह भी मुख्य रूप से डालटनगंज रेलवे स्टेशन पर श्रद्धालुओं को सेवा देने के लिए मौजूद थे।

साइबर अपराधियों ने मदरसा से लाखों की ठगी, मामला दर्ज

दबंग हिन्द, संवाददाता

मेदिनीनगर। मदरसा को मदद देने के नाम पर साइबर अपराधियों ने लाखों रुपए की ठगी की है. पूरे मामले में साइबर अपराधियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है. पुलिस साइबर अपराधियों के खिलाफ छानबीन कर रही है।दरअसल गढ़वा के कांडी थाना क्षेत्र के नैनाबार में एक मदरसा का संचालन होता है. मदरसा के शिक्षक अब्दुल रहमान अंसारी पलामू के पांडू थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं. कुछ दिनों पहले अब्दुल रहमान अंसारी पर लगातार तीन अलग-अलग नंबर से कॉल आया था. कॉल करने वाले ने मदरसा को मदद करने की बात कही थी. मदद करने वाले ने शिक्षक अब्दुल रहमान अंसारी से यह कहा कि मदद करने से किसी को कोई परेशानी नहीं होगी. बाद में कॉल करने वाले ने अब्दुल रहमान अंसारी से बैंक खाता का डिटेल लिया और धीरे-धीरे कर तीन लाख रुपए से अधिक की राशि ठग ली।अपराधियों ने शिक्षक से पैसे

ठगने के बाद मोबाइल को बंद कर लिया. पूरे मामले में शिक्षक अब्दुल रहमान अंसारी ने पलामू साइबर थाना में एक आवेदन दिया था. शिक्षक अब्दुल रहमान अंसारी के आवेदन के आधार पर पलामू साइबर थाना में आईटी एक्ट समेत कई गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। साइबर थाना प्रभारी विश्राम उरांव ने बताया कि मदरसा शिक्षक से ठगी के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है. पुलिस पूरे मामले में अनुसंधान कर रही है. उन्होंने बताया कि मदरसा को मदद करने के नाम पर ठगी हुई है. साइबर थाना प्रभारी ने लोगों से अपील की कि वह साइबर अपराधियों के झांसे में नहीं आए और सतर्क रहें।

हैदरनगर में अधिकारियों व प्रतिनिधियों ने किया सोना सोबरन योजना को रेस

दबंग हिन्द, संवाददाता

हुसैनाबाद, पलामू। हैदरनगर प्रखंड सभागार में सोना - सोबरन योजना के क्रियान्वयन में अधिकारियों से लेकर प्रतिनिधियों ने गति तेज की है। प्रखंड सभागार में इस योजना के तहत विभिन्न पंचायतों से जुटे सैकड़ों राशन कार्डधारी व लाभुकों को धोती - साड़ी देकर लाभान्वित किया है। इस कार्यक्रम का शुभारंभ बीडीओ विश्व प्रताप मालवा ने करते हुए कहा कि चार दिनों पूर्व ही सभी पंचायतों में इस योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिखित निर्देश जारी किये गये हैं। इस योजना के धातल में लाने को लेकर कार्यक्रम में उपप्रमुख पप्पू कुमार पासवान, राजद के प्रदेश सचिव मो. रिजवान खान, जिला सचिव लल्लू सिंह, अनुमंडल अध्यक्ष खुर्शीद अहमद व प्रखंड अध्यक्ष शमीम अहमद, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष सह पंचायत समिति सदस्य गुप्तेश्वर पांडेय, भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष डॉ. अजय जयसवाल, मो. अशरफ, साबिर अली, मुखिया सुदर्शन पासवान, फैयाज अहमद, लाली यादव, रामसुंदर मेहता, एआर रहमान, राजेश्वर यादव, शब्बीर आलम ने सक्रिय भूमिका के साथ वास्तविक लाभुकों को इसका लाभ दिलाने में सहयोग किया है। प्रभारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी अमरेश कुमार ने उपस्थित प्रखंड के सभी जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं को अपने प्रतिष्ठान पर अविलंब व यथाशीघ्र इस कार्य को ससमय पूरा करने का निर्देश दिया है।

शबरी पूजा सह भुइयां मिलन समारोह आज

दबंग हिन्द, संवाददाता

कुंदा(चतरा)। अखिल भारतीय भुइयां समाज कल्याण समिति द्वारा 20 फरवरी को कुंदा प्रखंड मुख्यालय स्थित यज्ञ मैदान में शबरी पूजा सह भुइयां मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसमें प्रखंड अध्यक्ष संजय भारती, अजय भारती समेत अन्य का विशेष सहयोग रहेगा। इस अवसर पर भुइयां समाज के लोग एकत्रित होकर शबरी पूजा करने के साथ अपनी संस्कृति और परंपराओं को प्रदर्शित करेंगे। समारोह में गढ़वा से आए हुए कलाकार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे, जिसमें नृत्य गान शामिल होंगे। अखिल भारतीय भुइयां समाज कल्याण समिति के प्रखंड अध्यक्ष संजय भारती ने बताया कि यह समारोह भुइयां समाज के लोगों को एक मंच पर लाने और उनकी संस्कृति और परंपराओं को प्रदर्शित करने के लिए आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह समारोह समाज के लोगों के बीच जागरूकता एकता और सौहार्द को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

महोत्सव में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम

दबंग हिन्द, इटखोरी(चतरा)। तीन दिवसीय राजकीय इटखोरी महोत्सव को लेकर माता भद्रकाली मंदिर व महोत्सव स्थल में चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था की गई है। उद्घाटन स्थल पर अतिथियों के लिए मंदिर के पीछे वाले रास्ते से आने की व्यवस्था की गयी थी। उपायुक्त रमेश घोलप, एसपी विकास कुमार पांडेय व एसडीओ सिमरिया सन्नी राज स्वंय सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते दिखे। वहीं कार्यक्रम स्थल से लेकर चौपारण-चतरा, इटखोरी-हजारीबाग पथ के साथ मुख्य द्वार पर पुलिस कर्मियों के साथ दंडाधिकारी की तैनाती की गयी थी। जहां जवान हर गतिविधियों पर नजर रखे हुए थे।

महोत्सव में स्वास्थ्य विभाग ने लगाया शिविर

दबंग हिन्द, इटखोरी(चतरा): तीन दिवसीय राजकीय इटखोरी महोत्सव में लोगों की सुविधा के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से शिविर लगाया गया है। इस शिविर में लोगों की सुविधा के लिए बेड के साथ ऑक्सीजन व दावाई की व्यवस्था की गई है। ताकि महोत्सव में पहुंचने वाले लोगों को किसी तरह से परेशानी का सामना ना करना पड़े। इस दौरान अधिकारियों ने स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण कर संबंधितों को कई दिशा-निर्देश भी दिए।

इटखोरी महोत्सव विश्व पटल पर परचम लहरा रहा है: बिरजू तिवारी

दबंग हिन्द, चतरा/इटखोरी। तीन दिवसीय राकीय इटखोरी महोत्सव का शुभारंभ बुधव को हुआ। इस अवसर पर जिला परिषद उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी ने कहा कि पूर्व सांसद सुनील कुमार सिंह के दूरगामी सोच से आज राजकीय इटखोरी महोत्सव विश्व पटल पर परचम लहरा रहा है। जिस तरह से सात रंगों का इंद्रधनुष अपनी रंग बिखेरती है उसी प्रकार तीन धर्मों का संगम स्थल मां भद्रकाली की पावन धरती अपनी महिमा बिखेर रही है। साथ ही श्री तिवारी ने महोत्सव के लगातार भव्य आयोजन के लिए जिला प्रशासन का अभार जताया।

तीन दिवसीय राजकीय इटखोरी महोत्सव पर्यटन मंत्री ने किया उद्घाटन, धर्म गुरु भी हुए शामिल

दबंग हिन्द, संवाददाता

इटखोरी (चतरा)। जिले के इटखोरी स्थित प्रसिद्ध धार्मिक तीर्थ स्थली माता भद्रकाली मंदिर परिसर में आयोजित तीन दिवसीय इटखोरी महोत्सव का उद्घाटन बुधवार को पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार ने विधिवत माता के दरबार में पूजा अर्चना के बाद दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर सभी अतिथियों को पौधे, मोमेंटो एवं अंग वस्त्र भेंट किया गया। साथ ही मंत्री श्री सोनू ने मंदिर परिसर में कपूर के पौधे का पौधारोपण किया। इसके साथ ही पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता, उपायुक्त रमेश घोलप समेत अन्य ने भी पौधारोपण किया। वहीं मंच पर शंख वादक विपिन मिश्रा एवं डमरू वादक अर्जुन झा ने ताल देकर पर्यटन मंत्री का स्वागत किया। इस मौके पर मंत्रीने कहा कि राजकीय इटखोरी महोत्सव की आवाज पूरे देश तक उजागर हो, इसके लिए हमारी सरकार अगले वर्ष कार्य करेगी। यहां के खूबसूरती को

छिपाकर रखने की नहीं बल्कि उजागर करने की जरूरत है। अगले वर्ष इस मंच से सनातन धर्म के अलावा बौद्ध एवं जैन धर्म को भी उजागर किया जाएगा। इस मंच से मैं यह घोषणा करता हूं कि अगले वर्ष से चतरा हजारीबाग तक ही नही बल्कि पूरे राज्य सहित आसपास के राज्यों में भी प्रचार प्रसार कर भव्य आयोजन किया जाएगा। जिला परिषद उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी ने कहा कि पूर्व सांसद सुनील कुमार सिंह के दूरगामी सोच से आज राजकीय इटखोरी महोत्सव विश्व पटल पर परचम लहरा रहा है। जिस तरह से सात रंगों का इंद्रधनुष अपनी रंग बिखेरती है उसी प्रकार तीन धर्मों का संगम स्थल मां भद्रकाली की पवित्र धरती अपनी महिमा बिखेर रही है। मौके पर जैन न्यास बोर्ड के अध्यक्ष तारा चंद जैन, बोध धर्म के गुरु, पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता, जिप अध्यक्ष ममता देवी, जिप उपाध्यक्ष, प्रमुख प्रिया कुमारी, पुलिस अधीक्षक विकास कुमार पांडेय, डीडीसी अमरेंद्र कुमार सिन्हा, एसडभ्पीएम सिमरियर सन्नी राज, जेएमएम नेता मनोज कुमार चंद्रा, नागेश्वर यादव, जागेश्वर यादव, रामाधीन यादव, प्रदीप सिंह,

आधे दर्जन से अधिक पहाड़ों को पत्थर माफिया कर चुके हैं नेस्तनाबूद

अब हो रही कार्रवाई से पहाड़ों के बचने की उम्मीदें जगी

दबंग हिन्द, संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू क्रशर और पत्थर माईंस के बड़े हब के रूप में चिन्हित छतरपुर इलाके के कई पहाड़ों में अवैध खनन करके पत्थर माफिया उन्हें नेस्तनाबूद कर चुके हैं । अवैध खनन के लिए पहले पहाड़ों पर के पेड़ों को काटा जाता है और इस तरह से जंगल और पहाड़ दोनों नेस्तनाबूद किये जाते हैं।लेकिन बीते मंगलवार को छतरपुर अंचलाधिकारी उपेंद्र कुमार एवं छतरपुर के पूर्वी वन क्षेत्र पदाधिकारी नवनीत कुमार द्वारा छतरपुर अंतर्गत विभिन्न मौजों में संचालित विभिन्न कुल 12 क्रशरों का जांच किया है ।इस दौरान वन क्षेत्र से पत्थर प्राप्त किये जाने की सूचना पर बरडीहा के जय मां स्टोन चिप्स क्रशर और जय मां विंध्यवासिनी क्रशर से पत्थर का सैंपल लिया गया है।वहीं बचकोमा पहाड़ी के निरीक्षण के दौरान पहाड़ पर अवैध खनन की जांच की गयी है।पहाड़ पर अवैध रूप

से खनन होने के पर्याप्त साक्ष्य मिले जिसके बाद अवैध खनन से जुड़े लोगों को चिन्हित किये जाने की प्रक्रिया प्रारंभ की गयी है। सरकारी तंत्र की इस कार्रवाई से अवैध खनन और अवैध वन कटाई से त्राहिमाम्‌कर रहे लोगों के बीच यह उम्मीद जगी है कि शायद इस बार तबाह होते पहाड़ों को बचा लिया जाएगा... !इलाके के कई लोगों से जब प्रति प्रश्न किया गया कि ऐसी आधी अधूरी कार्रवाईयां तो कई बार हुई हैं, लेकिन इस बार प्रशासन से इतनी उम्मीद क्यों, तो इसपर लोगों ने स्पष्ट रूप से कहा कि अब तक उन्होंने छतरपुर एसडीएम (कअर) आशीष गंगवार, कक्र ऑफिसर नवनीत कुमार और छतरपुर सीओ उपेन्द्र कुमार की साफ सुथरी छवि देखी है जो ईमानदार हैं।उनकी उम्मीद इसीलिए है।अधिकांश क्रशर संचालकों द्वारा तय मानक का पालन नहीं किया जा रहा है।

उप विकास आयुक्त द्वारा बदरी पंचायत में विभिन्न योजनाओं का निरीक्षण

दबंग हिन्द, संवाददाता

गुमला। उप विकास आयुक्त, गुमला श्री दिलेश्वर महत्तो द्वारा घाघरा प्रखंड के बदरी पंचायत में केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (अबुआ आवास योजना), मनरेगा, बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना तथा आम बागवानी योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त ने लाभुकों से बातचीत कर योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं के कार्यान्वयन में पारदर्शिता व गुणवत्ता बनाए रखने का निर्देश दिया, ताकि लाभुकों को योजनाओं का अधिकतम लाभ मिल सके। निरीक्षण के दौरान संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। उप विकास आयुक्त ने कहा कि क्षेत्र में सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है।

झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण का 90 दिवसीय डोर टू डोर जागरूकता अभियान

अफीम की खेती, साइबर ठगी और कानूनी अधिकारों पर विधिक जागरूकता

दबंग हिन्द, संवाददाता

चाईबासा। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, रांची के निदेशानुसार, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा द्वारा आयोजित 90 दिवसीय डोर टू डोर जागरूकता अभियान के तहत एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह जागरूकता अभियान आज मांगी लाल रूंगटा उच्च विद्यालय चाईबासा में छात्रों के बीच हुआ, जिसमें साइबर अपराध, अफीम की खेती और विधिक अधिकारों के बारे में जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में सदर थाना प्रभारी तरुण कुमार और साइबर संबंधित मामलों के पीएलवी श्री सूरज कुमार ठाकुर ने छात्रों को विधिक सेवा प्राधिकरण (DLSA) से मिलने वाले लाभ, अफीम की खेती के खिलाफ कानूनी प्रावधान, और साइबर ठगी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से आए छात्रों ने कार्यक्रम में अत्यधिक

उत्साह और भागीदारी दिखाई, जो कि कार्यक्रम की सफलता में सहायक रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके कानूनी अधिकारों, साइबर अपराध से बचाव और विभिन्न विधिक मुद्दों पर जागरूक करना था। ढ छ श सूरज कुमार ठाकुर ने छात्रों को निशुल्क कानूनी सहायता, बाल विवाह, पोक्सो एक्ट, घरेलू हिंसा, डायन प्रथा, बाल मजदूरी, सड़क दुर्घटनाओं के मामलों में अधिकार, और लोक अदालत जैसे मुद्दों पर जानकारी प्रदान की। उन्होंने विशेष रूप से अफीम की खेती के खिलाफ कानूनों के बारे में बताया, जिसमें एनडीपीएस की धारा 18(सी)/20/16 के अनुसार अवैध अफीम की खेती करने पर 10 साल तक की सजा और एक लाख रुपए का जुमार्ना हो सकता है। अफीम के व्यापार पर 20 साल की सजा और दो लाख रुपए का जुमार्ना भी लगाया जा सकता है। इसके अलावा, श्री सूरज ने विद्यार्थियों को साइबर ठगी के बारे में सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि यदि किसी अनजान नंबर से फोन या संदेश आए और कोई व्यक्ति उन्हें धोखाधड़ी का शिकार बनाने की कोशिश करे, तो उन्हें तुरंत 1930 पर कॉल करके शिकायत करनी चाहिए और नजदीकी थाना में सूचित करना चाहिए। तरुण कुमार ने अफीम की खेती के खिलाफ प्रशासन द्वारा चलाए गए अभियानों की जानकारी दी और छात्रों से अपील की कि वे ऐसे अपराधों की सूचना तुरंत पुलिस को दें। उन्होंने दुर्घटनाओं के मामलों में मदद के लिए 112 डायल नंबर भी साझा किए। अधिकार मित्र सूरज कुमार ठाकुर और अल्कमा रूही ने इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को यह विश्वास दिलाया कि उन्हें कभी भी अपने अधिकारों से समझौता नहीं करना चाहिए। यदि उन्हें कभी भी कानूनी सहायता की आवश्यकता हो, तो वे झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से मदद ले सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में, छात्रों और शिक्षकों ने इस महत्वपूर्ण विधिक जागरूकता कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभाई और इसने सभी को उनके कानूनी अधिकारों और न्याय की प्रक्रिया के बारे में जागरूक किया। यह अभियान उन सभी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ है, जो अपनी कानूनी सहायता की जरूरत महसूस करते हैं।

19 फरवरी को आपके शहर में क्या है 14.2 किलो के एलपीजी सिलेंडर का रेट

रांची। 19 फरवरी 2025 को 14.2 किलो का सिलेंडर झारखंड के किस शहर में कितने रुपए में मिल रहा है? सबसे सस्ता गैस सिलेंडर कहां बिक रहा है? एलपीजी सिलेंडर की सबसे अधिक कीमत आज किस शहर में या किस जिले में है? सब्सिडी वाले रसोई गैस की कीमत आज कितनी है? रांची, जमशेदपुर, रामगढ़, हजारीबाग समेत झारखंड के 24 जिलों में खाना पकाने वाले एलपीजी गैस के 14.2 किलो के सिलेंडर की कीमत 19 फरवरी 2025 को कितनी है? आईए, आपको बताते हैं इन सभी सवालों के जवाब देते हैं. इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (कइउड) ने देश भर के अलग-अलग शहरों के लिए एलपीजी सिलेंडर की अलग-अलग दरें तय की हैं।

आचार्य छऊ नृत्य विचित्रा के कलाकार देशभर के नृत्य महोत्सवों में करेंगे प्रस्तुति

16 सदस्यीय कलाकार दल रवाना

दबंग हिन्द, संवाददाता

चाईबासा। सरायकेला की प्रसिद्ध संस्था आचार्य छऊ नृत्य विचित्रा के कलाकार देश के विभिन्न राज्यों में आयोजित प्रतिष्ठित नृत्य समारोहों में भाग लेने के लिए रवाना हुए। संस्था के सह निदेशक रंजीत आचार्य ने जानकारी दी कि कलाकार संस्था के निदेशक पद्मश्री शशधर आचार्य के नेतृत्व में खजुराहो नृत्य महोत्सव (21 फरवरी), इंटैक महोत्सव, नई दिल्ली (24 फरवरी) और शंभू हेगड़े नृत्य महोत्सव, बेंगलुरु (27 फरवरी) में सरायकेला छऊ नृत्य की प्रस्तुति देंगे। देश के सबसे प्रतिष्ठित शास्त्रीय नृत्य मंच खजुराहो नृत्य महोत्सव में यह संस्था की पांचवीं प्रस्तुति होगी। इस बार कलाकार महानायक गरुड़ नामक छऊ नृत्य नाटिका प्रस्तुत करेंगे। कलाकारों के इस दल में सुकांत कुमार आचार्य, सतीश मोदक, कुना सामल, राजेश गोप, शुभम आचार्य, रंजीत आचार्य, गोविंद महतो, विभूति भूषण महतो, नीरज महतो, आकाश सरदार, फुदन माझी सहित कुल 16 कलाकार शामिल हैं। रंजीत आचार्य ने बताया कि 51वें खजुराहो नृत्य महोत्सव में देश के प्रख्यात नृत्यकार एवं संगीत नाटक अकादमी के चेयरमैन संध्या पुरेक्षा भी अपने नृत्य दल के साथ प्रस्तुति देंगे।

प्रतियोगिता से बौद्धिक विकास होता है: हेमंत कुमार डायरेक्टर

दबंग हिन्द, संवाददाता

गुमला। सांता पब्लिक स्कूल मै वार्षिक खेल कूद प्रतियोगिता की पांचवें दिन स्कूल के खेल मैदान में पूरी तरह खेल का वातावरण रहा, मोके पर खिलाड़ियों से परिचय करते हुए स्कूल के डायरेक्टर हेमंत कुमार, स्कूल के कोषाध्यक्ष जयमंती एक्का सहित स्कूल के अभिभावक स्नेह लता एक्का, सागर गोप, सुषमा देवी, नीमा कुमारी, जानकी देवी,, सोनी देवी, रजनी करकेरट्टा, बलूटी देवी, देव साहू, जितनी कुमारी, खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खेल की शुरूआत की, मौके पर स्कूल के डायरेक्टर हेमंत कुमार ने कहा प्रतियोगिता से बौद्धिक विकास होता है, खेल एक माध्यम है जिससे बौद्धिक और शारीरिक दोनों विकास होते हैं, खेल को करियर के रूप में ले, इसलिए स्कूल में प्रत्येक वर्ष वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है, स्कूल में बच्चों के विकास के लिए सभी क्षेत्र पर विशेष ध्यान दी जाती है, मन लगाकर पढ़ाई करें और मन लगाकर खेलकूद करें, स्कूल मै फ्री एडमिशन होता है, और ना किसी प्रकार का री एडमिशन ली जाती है, पेरेंट्स स्नेह लता एक्का, नीलम देवी ने कहा सांता पब्लिक स्कूल मै बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विशेष ध्यान दी जाती है जो तारीफ के काबिल है, यहां पर फ्री एडमिशन होना तारीफ के काबिल है, आज के दौड़ में इंग्लिश मीडियम स्कूल मै पढ़ाना काफी मुश्किल है, लेकिन इस स्कूल में आने से पता चला हर वर्ग के बच्चों को स्कूल में ध्यान दी जाती है कोई आज के प्रतियोगिताओं में अभिभावकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया म्यूजिक चेयर गेम में पेरेंट्स नीलम देवी फर्स्ट, सोनी देवी सेकंड, वही अभिभावक में ही मैथ रेस में स्नेह लता एक्का फर्स्ट, बबिता देवी सेकंड, बच्चों मै बोरा रेस मै सचिता कुमारी फर्स्ट, सेकंड जिया कुमारी, स्नेह लता टोप्पो,, गिरगिट रेस में संजू उराव, मौसम गोसाई,, अनिल मिंज आदित्य साहू,, वही फाइनल खो खो में पटेल दल फर्स्ट, सेकंड सुभाष दल को मिला, वही जूनियर वर्ग के फ्रॉग जम्प मै आरुष उराव फर्स्ट, करण कुमार साहू, सेकंड साथ ही कई प्रतियोगिता के आयोजन किया गया।

एसबीआई ग्राहक सेवा केंद्र के खाताधारक यशमति देवी के मृत्युपरांत

नोमिनी पति को बैंक की ओर से मिला 02 लाख का चेक

दबंग हिन्द, संवाददाता

चक्रधरपुर/मनोहरपुर। एसबीआई शाखा मनोहरपुर में मंगलवार को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ग्राहक सेवा केंद्र मनोहरपुर के खाता धारक यशमती देवी को उसके मृत्युपरांत उसके पति (नॉमिनी) फलिंदर सिंह को बैंक की ओर से उन्हें दो (02) लाख रुपए का चेक प्रदान किया गया. यह राशि खाता धारक यशमति देवी के नॉमिनी पति फलिंद्र सिंह जोकि आनंदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत रूंघीकोचा हरता सीरीजांग के निवासी है. जिन्हें प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत लाभ दिया गया. वहीं एसबीआई शाखा मनोहरपुर के प्रबंधक शोभनाथ नाग ने बताया कि एसबीआई ग्राहक सेवा केंद्र मनोहरपुर की खाता धारक यशमती देवी का निधन दिनांक 08.02.2023 को

इलाज के दौरान उड़ीसा के मेडिकल कॉलेज बुर्ला अस्पताल में हो गया था. उन्होंने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत बीमा राशि जमा कराया था. इस एवज में मृत्युपरांत उसके नोमिमी पति को दो लाख रुपए का चेक दिया गया है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत खाता धारकों को वर्ष में एक बार 436/-.प्रीमियम राशि का भुगतान करना पड़ता है. इसके अलावा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत वार्षिक राशि 20/-.वर्ष में एक बार प्रीमियम राशि जमा करना पड़ता है. और दोनों ही बीमा का लाभ लेने के लिए जिन खाता धारकों का प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत बीमा राशि जमा किया जाता है. वहीं उन खाता बीमा धारकों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा स्कीम योजना के तहत मृत्युपरांत उनके नोमिनी को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना दोनों का लाभ 04 (चार) लाख रुपये मिलता है. और यदि इस योजना के तहत लाभार्थी को दुर्घटना में शरीर के किसी भी एक अंग की क्षति होने पर उन्हें एक लाख रुपये का बीमा कवर दिया जाता है. इस मौके पर प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना का लाभ देते हुए एसबीआई मनोहरपुर शाखा प्रबंधक शोभनाथ नाग, एसबीआई ग्राहक सेवा केंद्र मनोहरपुर के संचालक विजय तांती एवं लाभुक फलिंद्र सिंह उपस्थित थे।

चक्रधरपुर के धोबाडीहा में अनियंत्रित बस पलटी, 8 यात्री घायल

चक्रधरपुर। बेगुना-लोटापहाड़ और पुनीपदा सरजमहातु- देवांवीर के बीच धोबाडीह गांव के पास राहुल गौरव नामक बस अनियंत्रित होकर पलट गई. बस पलटने से उसमें सवार आठ यात्री घायल हो गए. घटना सुबह 10 बजे की है. यात्री से भरी बस को लेकर चालक चक्रधरपुर जा रहा था. इस दौरान धोबाडीह गांव में बस अनियंत्रित हो गई और पलट गई. घटना के बाद घायलों को निजी अस्पताल में प्राथमिक उपचार कराया गया. वहीं इसकी सूचना पाकर सोनुआ थाना पुलिस घटनास्थल पहुंची और क्षतिग्रस्त बस को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई में जुट गई. घायलों का इलाज चल रहा है।

विधिक सेवा प्राधिकार के पी एल वियों ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उनकी स्थिति की जानकारी लिया

दबंग हिन्द, संवाददाता

गुमला। जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधायक सेवा प्राधिकार गुमला ध्रुव चंद्र मिश्र ने मामले की संज्ञान लेते हुए डालसा को जानकारी देते हुए घटनास्थल जाने का निर्देश दिया और फिर रायडीह प्रखंड अंतर्गत ग्राम पोगरा पंचायत परसा में मृतक प्रसाद साहू के घर पीएलवी राजेश सिंह, प्रेम कुमार शाह, एवं अशोक साहू पहुंचे तथा उनके परिजन से मिलकर उनके घर की स्थिति की जानकारी ली मृतक की पत्नी गीता देवी ने बताया कि उनके पति ओटो चलाकर परिवार का भरण पोषण करते थे। घर में मृतक की बूढी मां समुद्री देवी रहती है मृतक के एक पुत्र एवं पांच पुत्री हैं सभी पढ़ाई लिखाई करते हैं मृतक की पत्नी को मैया सम्मान योजना का लाभ मिलता है, तथा मृतक की माता को वृद्धा पेंशन मिलता है। परिवार का राशन कार्ड है जिससे परिवार को राशन मिलता है। माननीय सचिव महोदय ने बताया कि मृतक व्यक्ति के परिजनों को कानूनी सहायता के लिए अधिवक्ता उपलब्ध करा दिए गए हैं तथा मुआवजा के लिए भी कार्यवाही शुरू कर दी गई है, उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को सभी तरह की सरकारी सहायता जिला प्रशासन के सहयोग से दिलायी जाएगी जिनके वह हकदार हैं। उन्होंने बच्चों को जिला समाज कल्याण पदाधिकारी से बात कर स्पॉन्सरशिप योजना से जोड़ने की भी बात कही।

धनबाद डी एफ ओ की अवैध संपत्ति की जांच सीबीआई से हो और उसे बर्खास्त किया जाए : मुमताज अली

दबंग हिन्द, संवाददाता

गुमला। डी एफ ओ विकास पालीवाल की अवैध अकूत संपत्ति जप्त हो और उन्हें जेल भेजने की मांग के लिए सड़को पे इंकलाब का आगाज होगा इन्हीं सवालों को लेकर आज दिनांक 19 ,2,2025 को धनबाद मैथन डैम में भ्रष्टाचार मुक्त भारत संघर्ष मोर्चा की ओर से एक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमे मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के नेशनल स्टार कैंपेनर भ्रष्टाचार मुक्त भारत संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय संरक्षक मुमताज अली को फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया इस अवसर पे मुमताज अली ने कहा कि भारत के प्रधान मंत्री जी और झारखंड के मुख्य मंत्री जी आह्वाहन किया के देश और राज्य भ्रष्टाचार मुक्त बनाना है मगर बेहद अफसोस के साथ कहना पर

रहा है कि धनबाद जो देश के कोयला राजधानी के नाम से जाना जाता है और यहां के डीएफओ यानी बन प्रमंडल अधिकारी श्री विकास पालीवाल के द्वारा पिछले दो साल से धनबाद डिविजन में वन भूमि की लूट कराना भूमि माफियाओं के हाथों और उस वन भूमि के जमीन को कब्जा कराकर फिर माफिया से मोटी रकम लेकर उसे अनापत्ति एन ओ सी,जारी कर देना एवं बन भूमि से सैकड़ों करोड़ का आवेश तरीके से कुख्यात अपराधियों माफियाओं से कोयला खनन कराना पेशा बना रखा है टुंडी रेंज में 26 की ड 0 मी तक वन सुरक्षा के लिए सीमेंट का पिलर लगाना था जो 15 की0 0 तक लगाकर सारा राशी का गबन किया डीएफओ के द्वारा 2022 एवं 2023 में कई की0 मी 0 तक वन भूमि तोपचांची टुंडी रेंज में कब्जा अतिक्रमण कराकर एन ओ सी दिया गया एवं भूमि समतल कराने के नाम पे करोड़ों का राशी गबन किया गया और जेसीबी जगह टेंपो स्कूटर का नंबर कागज पे दिखाकर करोड़ों की लूट हुई मुमताज अली ने कहा कि अभी महुदा रेंज मुड़ली डीह कोलियरी में 6 एकड़ से ज्यादा बन भूमि पे बी सी सी एल ने वृक्ष लगाने को राशी दिया मगर उसपे सैकड़ों करोड़ का उस वन भूमि से डीएफओ विकास पालीवाल ने अवैध खनन करा दिया जिसपे बीसीसीएल ने उस भूमि को लेने से इंकार कर दिया मुमताज अली ने कहा कि निरसा चिरकुंडा गोविंदपुर झरिया धनबाद सड़क किनारा 18 हजार कितनी वृक्ष कटवाकर उक्त पदाधिकारी ने अवैध आरा मिल को बेचकर राशी गबन किया इसी तरह दर्जनों जगह वन भूमि पे अवैध कोयला खनन चल रहा है वन भूमि कब्जा कराया जा रहा है मुमताज अली ने कहा कि डी एफ ओ विकास पालीवाल बिहार झारखंड बंगाल के कुख्यात अपराधियों भूमि माफियाओं को सरंक्षण देते है और विकास पालीवाल के भ्रष्टाचार रिश्वतखोरी और लुट के खिलाफ मै लगातार सरकार को लिख रहा हूं जांच भी चल रहा है।

त्रिशानु राय ने नगर परिषद से शहर के क्षतिग्रस्त मार्गों को दुरुस्त करने की अपील

दबंग हिन्द, संवाददाता

चाईबासा। प. सिंहभूम जिला बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के सदस्य त्रिशानु राय ने मंगलवार को नगर परिषद, चाईबासा से चाईबासा शहर के संभु मंदिर टुंगरी मार्ग और समीपवर्ती अन्य क्षतिग्रस्त मार्गों को शीघ्र दुरुस्त करने की मांग की। उन्होंने कहा कि चाईबासा शहर के इस महत्वपूर्ण मार्ग पर बड़े-बड़े गड्ढे मौजूद हैं, जो न केवल यातायात में बाधा डाल रहे हैं, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं का कारण भी बन रहे हैं। त्रिशानु राय ने चेतावनी दी कि इन गड्ढों के कारण रोजाना दुर्घटनाएं हो रही हैं और यदि इसे शीघ्र ठीक नहीं किया गया तो भविष्य में गंभीर हादसों का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही, उन्होंने यह भी बताया कि कुछ दिनों बाद इस मार्ग पर स्थित शुभ मंदिर, चाईबासा में होलिका दहन कार्यक्रम आयोजित होने वाला है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित होंगे और आवागमन अत्यधिक बढ़ जाएगा। ऐसे में इस मार्ग को दुरुस्त कराना अत्यंत आवश्यक हो जाता है, ताकि श्रद्धालुओं और अन्य नागरिकों को कोई परेशानी न हो। त्रिशानु राय ने नगर परिषद से शीघ्र कार्रवाई की अपील करते हुए इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर ध्यान देने की आवश्यकता जताई है।

एक नजर

शहीद तेलगा खड़िया क्रिकेट स्टेडियम में गुरुवार से जे एस सी ए अंतर जिला अंडर-23क्रिकेट मुकाबले का शुभारम्भ होगा

गुमला। टूनार्मेंट के पहले मैच में पलामू व सिमडेगा जिले की टीमें आमने -सामने होगी। गुमला को मिले राज्य स्तरीय क्रिकेट मुकाबले की मेजबानी को लेकर जिला क्रिकेट संघ ने तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया. स्टेडियम की बेहतरीन साज सज्जा के साथ साइड स्क्रीन व प्लेयर सिटिंग एरिया सहित अन्य सुविधा बहाल की गयी है। वहीं राज्य स्तरीय क्रिकेट आयोजन को लेकर जे एस सी ए द्वारा गुमला में प्रतिनियुक्ति टी आर डी ओ पूर्व रणजी खिलाड़ी अनवर मुस्तफा, अंपायर ओ पी राय, मनोरंजन कांजीलाल, स्कोरर संदीप रॉय व अनिकेतन राज के साथ एल ओ अरुण राय गुमला पहुंच गये है। सेमीफाइनल तक गुमला में खेले जानेवाले क्रिकेट टूनार्मेंट के लीग चरण में वेस्ट सिंहभूम, सिमडेगा, रामगढ़, दुमका, पलामू व खूंटी जिले की टीमें यहां खेलेंगी. तीन फरवरी को क्वार्टर फाइनल व पांच फरवरी को सेमीफाइनल गुमला में खेला जायेगा. सात फरवरी को स्टेट लेवल क्रिकेट टूनामेंट का फाइनल बोकारो में होगा।

जल की महत्ता को समझे, संरक्षण के प्रति जागरूक बने : सांसद जोबा माझी

चक्रधरपुर। प्रदान संस्था के तत्वावधान में बुधवार को नगर परिषद कार्यालय स्थित विवाह भवन में जल संवाद नेटवर्क और गठबंधन विषय पर कार्यशाला आयोजित हुआ। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में सिंहभूम की सांसद जोबा माझी उपस्थित रही। सांसद ने जल की महत्ता और उसके संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए कहा मानव जीवन में जल की क्या अहमियत है यह किसी को बताने की जरूरत नहीं है। जल के बिना जीवन अधूरा है। लेकिन प्रकृति के इस अनमोल वरदान के प्रति हम कितने गंभीर है इस पर चिंतन होनी चाहिए। सांसद ने कहा आये दिन गांव या शहर में जल की बबार्दी होते देखा जाता है। उन्होंने लोगों से जल संरक्षण के प्रति जिम्मेदार बनने की अपील करते हुए कहा सुदूर इलाके के लोगों को शुद्ध जल नहीं मिल पाता है तो कहीं लोगों को पेयजल के लिए काफी संघर्ष करना पड़ता है। कहा सरकार के स्तर से भी प्रयास किये जा रहे है कि लोगों को शुद्ध जल मिल सके, लेकिन जल की बबार्दी रोकने की जिम्मेदारी हम सभी की है। उन्होंने पिछले दिनों जिले में डीएमएफटी शासी परिषद की बैठक में जल संकट से निपटने के लिए बनाये गये रणनीति साझा की। कार्यशाला में पानी के दुरूपयोग रोकने, शुद्ध जल की उपलब्धता कैसे हो, दुषित पानी के कारण होने वाली बीमारियों से बचने के संबंध में परिचर्चा की गई और विभिन्न हितधारकों द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की गई। इस दौरान सांसद जोबा माझी के हाथों विभिन्न हितधारकों को उनके बेहतर प्रयास के लिए स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यशाला का संचालन थ्रीटी दास और आचल कुमारी ने किया। जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रदान के टीम कार्डिनेटर हसन अदीब खान ने किया। कार्यशाला में मुखिया मेलानी बोदरा, लक्ष्मी केराई, रूकमणी मोदिन, कुश पुरती, सुखमती जोंको, निशु निशांत, मोहम्मद शहाबुद्दीन, साजिद अमीन, ज्योति रानी, रूपेली दत्ता, बप्पा घोष, हर्ष अरूण, योगेंद्र परमार, मनीष कुमार दिलीप कुमार, राजेश गागराई समेत वार्ड सदस्य, जल सहिया, महिला मंडल की सदस्य आदि उपस्थित रहे।

अपराधियों का आतंक: मुन्ना घोष के बेटे की गोली मारकर हत्या

चाईबासा। शहर में अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। बुधवार को जमशेदपुर के बिष्टुपुर थाना क्षेत्र के धातकीडीह मुख्य मार्ग पर दिनदहाड़े हिस्ट्रीशीटर शिवम घोष की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और स्थानीय लोग दहशत में आ गए।

हत्या के पीछे पुरानी रंजिश का शक: मृतक शिवम घोष कुख्यात अपराधी मुन्ना घोष का बेटा था और धातकीडीह मेडिकल बस्ती में रहता था। बताया जा रहा है कि शिवम पहले भी अपराधों में शामिल था और अपनी चाची की हत्या के मामले में जेल जा चुका था।

कैसे हुआ हमला: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शिवम घोष अपने दो साथियों के साथ पैदल जा रहा था। इसी दौरान बाइक पर सवार दो हमलावर वहां पहुंचे और बिना कुछ कहे शिवम पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं। गोली लगते ही शिवम जमीन पर गिर पड़ा, जबकि हमलावर फरार हो गए।

अस्पताल में डॉक्टरों ने किया मृत घोषित: घायल हालत में शिवम को टाटा मुख्य अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

पुलिस जांच में जुटी: पुलिस हत्या के पीछे की वजहों का पता लगाने में जुटी है। शुरूआती जांच में इसे आपसी रंजिश का मामला बताया जा रहा है। पुलिस इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी का दावा कर रही है।

शहर में बढ़ती अपराध की घटनाएं चिंता का विषय: जमशेदपुर में हाल के दिनों में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं ने प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने पुलिस से जल्द से जल्द अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग की है ताकि शहर में कानून-व्यवस्था बहाल हो सके।

प्रतियोगिता से बौद्धिक विकास होता है: हेमंत कुमार डायरेक्टर

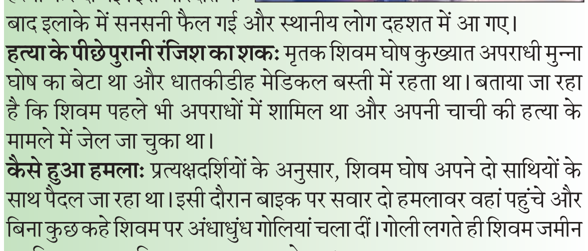

गुमला। सांता पब्लिक स्कूल मै वार्षिक खेल कूद प्रतियोगिता की पांचवें दिन स्कूल के खेल मैदान में पूरी तरह खेल का वातावरण रहा, मोके पर खिलाड़ियों से परिचय करते हुए स्कूल के डायरेक्टर हेमंत कुमार, स्कूल के कोषाध्यक्ष जयमंती एक्का सहित स्कूल के अभिभावक स्नेह लता एक्का, सागर गोप, सुषमा देवी, नीमा कुमारी, जानकी देवी,, सोनी देवी, रजनी करकेरट्टा, बलूटी देवी, देव साहू, जितनी कुमारी, खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खेल की शुरूआत की, मौके पर स्कूल के डायरेक्टर हेमंत कुमार ने कहा प्रतियोगिता से बौद्धिक विकास होता है, खेल एक माध्यम है जिससे बौद्धिक और शारीरिक दोनों विकास होते हैं, खेल को करियर के रूप में ले, इसलिए स्कूल में प्रत्येक वर्ष वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है, स्कूल में बच्चों के विकास के लिए सभी क्षेत्र पर विशेष ध्यान दी जाती है, मन लगाकर पढ़ाई करें और मन लगाकर खेलकूद करें, स्कूल मै फ्री एडमिशन होता है, और ना किसी प्रकार का री एडमिशन ली जाती है, पेरेंट्स स्नेह लता एक्का, नीलम देवी ने कहा सांता पब्लिक स्कूल मै बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विशेष ध्यान दी जाती है जो तारीफ के काबिल है, यहां पर फ्री एडमिशन होना तारीफ के काबिल है, आज के दौड़ में इंग्लिश मीडियम स्कूल मै पढ़ाना काफी मुश्किल है, लेकिन इस स्कूल में आने से पता चला हर वर्ग के बच्चों को स्कूल में ध्यान दी जाती है कोई आज के प्रतियोगिताओं में अभिभावकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया म्यूजिक चेयर गेम में पेरेंट्स नीलम देवी फर्स्ट, सोनी देवी सेकंड, वही अभिभावक में ही मैथ रेस में स्नेह लता एक्का फर्स्ट, बबिता देवी सेकंड, बच्चों मै बोरा रेस मै सचिता कुमारी फर्स्ट, सेकंड जिया कुमारी, स्नेह लता टोप्पो,, गिरगिट रेस में संजू उराव, मौसम गोसाई,, अनिल मिंज आदित्य साहू,, वही फाइनल खो खो में पटेल दल फर्स्ट, सेकंड सुभाष दल को मिला, वही जूनियर वर्ग के फ्रॉग जम्प मै आरुष उराव फर्स्ट, करण कुमार साहू, सेकंड साथ ही कई प्रतियोगिता के आयोजन किया गया।

RNI NO. JHAHIN/2013/54377 मुद्रक एवं प्रकाशक अजय कुमार मिश्रा द्वारा ''मिश्रा प्रकाशन'' गौरीशंकर नगर ,नया बस्ती ,कडरू ,रांची , पिन कोड -834002 से मुद्रित एवं कार्यालय हिन्दी दैनिक ''दबंग हिन्द'', गौरी शंकर नगर, नया बस्ती, कडरू, रांची-834002 से प्रकाशित।
संपादक : अब्दुल कुदुस*, पीआरबी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिये उत्तरदायी। फोन नं : 0651-2480574, 9905737601, E-mail : dabanghind@gmail.com

प्रगति यात्रा के सहारे चुनावी नैया पार उतारने की कोशिश में नीतीश

उमेश चतुर्वेदी

जनता दल से अलग होकर जब से नीतीश कुमार ने अपनी अलग राह चुनी है, बिहार में ज्यादातर जंग लालू बनाम नीतीश ही रही है। सियासी इतिहास गवाह है कि जब भी लालू बनाम नीतीश की जंग होती है, लालू का जंगलराज के भूत का डर बिहार के लोगों को सताने लगता है। इस जंग में लालू की बनिस्बत नीतीश का चमकदार और सुलझा हुआ सामने आ जाता है और सियासी बाजी नीतीश की अगुआई वाले गठबंधन के ही हाथ लगती रही है।

बिहार में विधानसभा चुनावों की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। छह महीने बाद राज्य में चुनाव होने हैं। ऐसे में पक्ष और विपक्ष-दोनों ने चुनावी समर के लिए कमर कस लिया है। इन तैयारियों के बीच एक बात तय है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए एक बार फिर नीतीश कुमार की ही अगुआई में चुनावी मैदान में उतरने जा रहा है। पिछले साल नीतीश और लालू के मिलने की खबरिया कानाफूसी हो रही थी, उन्हीं दिनों पहले अमित शाह और बाद बीजेपी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, दोनों नीतीश के ही चेहरे पर चुनाव लड़ने का ऐलान करने में देर नहीं लगाई। वहीं विपक्षी खेमे की कमान बीमारी के बावजूद लालू यादव ने अपने हाथ में ले ली है।

जनता दल से अलग होकर जब से नीतीश कुमार ने अपनी अलग राह चुनी है, बिहार में ज्यादातर जंग लालू बनाम नीतीश ही रही है। सियासी इतिहास गवाह है कि जब भी लालू बनाम नीतीश की जंग होती है, लालू का जंगलराज के भूत का डर बिहार के लोगों को सताने लगता है। इस जंग में लालू की बनिस्बत नीतीश का चमकदार और सुलझा हुआ सामने आ जाता है और सियासी बाजी नीतीश की अगुआई वाले गठबंधन के ही हाथ लगती रही है। एनडीए अगर बिहार की सत्ता से अतीत में कभी दूर हुआ भी है तो उसकी वजह खुद नीतीश का उसका साथ छोड़ना रहा है। नीतीश कुमार की अगुआई में 2005 में बिहार की सत्ता पर एनडीए के काबिज होने के बाद बिहार की अराजक छवि में तेजी से बदलाव हुआ। शासन की गाड़ी पटरी पर लगातार आती गई। नीतीश के पहले बिहार में बिजली के दर्शन कभी-कभी होते थे, लेकिन बाद में हालात बदले। बिहार की सड़कें देश और दुनिया में अपनी बदहाली के लिए जानी जाती थीं, लेकिन नीतीश ने उन्हें भी बदला। लड़कियों को स्कूल जाने के लिए साइकिलों की सौगात मिली। कभी माफिया, अपहरण और वसूली के लिए बदनाम बिहार की छवि बदलने लगी। इसके बाद नीतीश कुमार की भी नई छवि बनी, उन्हें नया नाम भी मिला, सुशासन कुमार। पंद्रह साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में नीतीश की पार्टी की सीटें घटीं। हाल के दिनों में उनके कुछ बयानों पर सवाल

भी उठे, इसके बावजूद बिहार की राजनीति का सबसे चमकदार चेहरा अब भी नीतीश कुमार ही हैं। शायद यही वजह है कि एनडीए एक बार नीतीश कुमार के ही चेहरे के साथ मैदान में उतरने जा रहा है। एनडीए और जनता दल यू को लगता है कि इस जंग में इस बार सियासी कामयाबी दिलाने में मददगार नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा ही हो सकती है। इसलिए सत्ताधारी खेमे की ओर से एक तरफ जहां विकास को मुद्दा बनाने की तैयारी है, वहीं विकास के सिलसिले में नए आयाम जोड़ने को लेकर तेजी से काम हो रहा है। इसी के तहत नीतीश सरकार सड़क और पुल निर्माण जैसे विकास कार्यों को जमीन पर उतारने की तैयारी तेज कर दी है।

एनडीए के साथ ही बिहार के सियासी जानकारों का मानना है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यह यात्रा बिहार के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। क्योंकि नीतीश सरकार की नीतियों की वजह से पहले से ही समूचे राज्य में बुनियादी सुविधाओं में तेजी से सुधार हो रहा है। अपनी सरकार की उपलब्धियों के साथ ही लोगों की राय जानने के लिए कुछ दिनों पहले से नीतीश कुमार ने राज्य में प्रगति यात्रा की। इस यात्रा के दौरान नीतीश ने राज्य के तमाम जिलों में लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना और उनके समाधान के लिए सुनवाई की जगह पर ही अधिकारियों को सीधे निर्देश दिए। इस यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने बिहार के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। विशेष रूप से सड़क निर्माण, बाईपास और उच्चस्तरीय रेलवे ओवर ब्रिज की योजनाओं पर जोर दिया गया, ताकि राज्य में आवागमन की सुगमता बढ़े और यात्रा समय में कमी आए।

प्रगति यात्रा के ही दौरान नीतीश कुमार ने 20, 000 करोड़ रुपये की 188 योजनाओं की घोषणा की, जिनमें 121 योजनाओं को मंत्रिपरिषद की मंजूरी मिल चुकी है और उन्हें जमीनी हकीकत बनाने को लेकर तेजी से काम शुरू हो चुका है। इनमें से कई योजनाएं ग्रामीण सड़कों को बेहतर बनाने, उनका पुनर्निर्माण करने और उनकी हालत पहले की तुलना में और बेहतर बनाने को लेकर हैं। इस दौरान समस्तीपुर और मधेपुरा जिलों में महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है। साथ ही, सीवान, छपरा, गोपालगंज और मुजफ्फरपुर जिलों में सड़क चौड़ीकरण, बाईपास और पुल निर्माण कार्यों के लिए भी भारी धनराशि स्वीकृत की गई है। सत्ताधारी खेमे का दावा है कि नीतीश कुमार की दूरदर्शी सोच और कड़ी मेहनत की वजह से बिहार का तकरीबन हर गांव पक्की और चौड़ी सड़कों से जोड़ा जा रहा है। बहुत सारी सड़कें तैयार भी हो चुकी हैं। जिनकी मदद से बिहार के किसी भी कोने से पहले की तुलना में राजधानी पटना पहुंचना कहीं ज्यादा आसान हुआ है। इसकी वजह से लोगों के समय और ईंधन की बचत हो रही है। नीतीश की अगुआई में 2010 में मिली दूसरी जीत में बेहतर सड़कों की बड़ी भूमिका रही। शायद यही वजह है कि नीतीश कुमार ने सड़कों और बुनियादी सुविधाओं के लिए खजाना खोल दिया है।

नीतीश के लिए चुनौती शराबबंदी बनी हुई है। सरकारी तंत्र के भ्रष्टाचार की वजह से शराब की तस्करी बढ़ी है। हालांकि शराबबंदी से महिलाएं खुश हैं। नीतीश को इस चुनौती से पार पाना होगा। वैसे प्रशांत किशोर जैसे उनके पुराने साथी विपक्षी खेमे की ओर से इसे बड़ा मुद्दा बना रहे हैं। फिर भी कह सकते हैं कि बिहार की आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ा नीतीश सरकार का पहिया अब भी प्रमुख मुद्दा है। उम्मीद की जा रही है कि चुनावों की घोषणा होने तक नीतीश और बीजेपी इसे अपनी उपलब्धि के तौर पर प्रचारित और विस्तारित करते रहेंगे। यह सच है कि जातिवाद से ग्रस्त बिहार की राजनीति पर विकास की राजनीति भारी पड़ती रही है। शायद यही वजह है कि नीतीश सरकार विकास पर जोर दे रही है और इसे ही अपना सियासी हथियार बनाने की तैयारी में है।

संपादकीय

बेवजह के विवाद

सुप्रीम कोर्ट ने पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम 1991 की वैधता से संबंधित मामले में नयी याचिकाएं दायर होने पर नाराजगी व्यक्त की। अदालत ने कहा नये अंतरिम आवेदन को केवल तभी अनुमति दी जा सकती है, जब कोई नया बिन्दु या नया कानूनी मुद्दा हो, जो लंबित याचिकाओं में न उठाया गया हो। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, लोग नई याचिकाएं दायर करते रहते हैं और दावा करते हैं, उन्होंने नये आधार उठाए हैं। पीठ ने स्पष्ट कहा कि पहले तीन न्यायाधीशों की पीठ द्वारा सुनी गई लंबित याचिकाओं पर दो न्यायाधीशों की पीठ सुनवाई नहीं कर सकती। शीर्ष अदालत ने दिसम्बर 2024 के अपने आदेश में विभिन्न हिन्दू पक्षों द्वारा दायर लगभग अट्ठारह मुकदमों में कार्यवाही को प्रभावी तौर पर रोक दिया था, जिसमें वाराणसी की ज्ञानवापी, मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद व संभल की शाही जामा मस्जिद समेत दस मस्जिदों के मूल धार्मिक चरित्र का पता लगाने को सव्रेक्षण की माग की गई थी। 1991 में अयोध्या में विवादित बाबरी विध्वंस के बाद देश में पूजास्थल कानून लागू किया गया था, जिसके तहत आजादी से पूर्व मौजूद किसी भी धर्म के पूजास्थल को दूसरे धर्म के पूजास्थल में नहीं बदला जा सकता। जिन लोगों ने 1991 के इस अधिनियम की वैधानिकता को चुनौती दी, उनका आरोप है यह अधिनियम हिन्दुओं के साथ ही जैनियों, बौद्धों, सिखों को अपने पूजास्थलों को पुनः प्राप्त के लिए अदालतों में जाने से रोकता है। जिन पर कट्टरपंथी बर्बर आक्रमणकारियों द्वारा आक्रमण या अतिक्रमण किया गया था। निचली अदालतों से लेकर शीर्ष अदालत तक जनहित याचिकाओं का अंबार है। इस पर जबरन विवाद उछालने, चर्चा में आने या राजनीतिक दलों द्वारा बहुसंख्यकों को प्रभावित करने के उद्देश्य से लगातार इन विवादास्पद धार्मिक स्थलों के खिलाफ याचिकाएं दायर की जा रही हैं। इन पर आक्रामक बयानबाजियां की जाती हैं और उन्मादी धार्मिक भावनाएं भड़काने का प्रयास होता रहता है। जनहित याचिकाओं की आड़ में न्यायालय का वक्त जाया करने और भारी धनराशि का अपव्यय करने वाली मानसिकता पर सख्ती जरूरी है। सांप्रदायिक सौहार्द व सद्भावना बनाये रखने के लिहाज से अदालतें संतुलित निर्णय लेने को स्वतंत्र हैं। अदालतों द्वारा ही धार्मिक स्थलों को संरक्षित करने व विवादों को बिला-वजह तूल देने की प्रवृत्ति को थामा जा सकता है। ताकि देश में शांति रहे व विश्व पटल पर छवि धवल बनी रह सके।

चिंतन-मनन

इसलिए सबसे छोटा है कलियुग

शास्त्रों में सृष्टि के आरंभ से प्रलय काल तक की अवधि को चार युगों में बांटा गया है। वर्तमान में हम जिस युग में जी रहे हैं उसे कलयुग कहा गया है। इससे पहले तीन युग बीत चुके हैं सतयुग, त्रेता और द्वापर। भगवान श्री राम का जन्म त्रेतायुग में हुआ था और द्वापर में भगवान श्री कृष्ण का। कलियुग के अंत में भगवान कलकि अवतार लेंगे और संसार में फैले पाप और अन्याय के साम्राज्य का अंत करके पुन? धर्म की स्थापना करेंगे। भगवान ने चारों युगों में सबसे कम उम्र कलियुग को प्रदान किया है। शास्त्रों में सतयुग की अवधि 17 लाख 28 हजार वर्ष बतायी गयी है और त्रेता की अवधि 12 लाख 28 हजार। द्वापर युग की अवधि 8 लाख 64 हजार है जो त्रेता से लगभग 4 लाख वर्ष कम है। कलियुग की अवधि द्वापर से ठीक आधी, यानी 4 लाख 32 हजार है। सतयुग से कलयुग तक सभी युगों की अवधि छोटी होती गयी है। इसका कारण यह है कि, भगवान बताना चाहते हैं, जो जितना पापी होगा उसकी उम्र उतनी कम होगी। भविष्य पुराण सहित कई शास्त्रों एवं पुराणों में बताया गया है कि कलियुग में पाप की पराकाष्ठा होगी। मनुष्य का व्यवहार सृष्टि के नियम के विरूद्ध होता जाएगा। हिंसा में मनुष्य पशुओं को भी पीछे छोड़ देगा। पशु तो सिर्फ अपनी भूख मिटाने के लिए दूसरे पशु को मारते हैं मनुष्य अकारण ही दूसरे मनुष्य को मारेगा। सच्चे संत भिखारी कहलाएंगे और अपमानित होंगे। कथावाचक और झूठे संत ऊंचे आसन पर विराजमान होंगे। तुलसीदास जी ने भी कलियुग के इस रूप का वर्णन किया है। त्रेतायुग में रावण ने सीता का हरण किया लेकिन उनकी मर्जी के बिना उन्हें अपनाना पाप समझा। इस युग में छोटा भाई बड़े भाई के प्रति आज्ञाकारी था। बड़ा भाई अपने स्वार्थ के लिए छोटे भाई के साथ छल नहीं करता था। इसका उदाहरण राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न ये चार भाई हैं। त्रेता से जब द्वापर में आते हैं तब पाप बढ़ता दिखता है। द्वापर युग में देवर अपनी भाभी को बीच सभा में नग्न करने की कोशिश करता है जिसका उदाहरण द्रौपदी चीर हरण की घटना है। राजा अपनी शक्ति के मद में अबला स्त्री को हवस का शिकार बनाना चाहता है। इसका उदाहरण जयद्रथ द्वारा द्रौपदी हरण और दुर्योधन द्वारा भीलों की कन्या का हरण करने की घटना है। भाई अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए पूरे परिवार को युद्ध की आग में झोंक देता है इसका उदाहरण महाभारत युद्ध है। लेकिन कलियुग में आये दिन भाई-भाई, बाप-बेटे में स्वार्थ की पूर्ति के लिए लड़ाई होती है। लोगों की काम-वासना इतनी बढ़ गयी है कि आये दिन स्त्रियों का हरण होता है और उन्हें अपमानित किया जाता है। पाप आचरण से भरा हुआ कलियुग अगर अधिक दिनों का होगा तो सृष्टि में हाहाकार मच जाएगा। यही कारण है कि भगवान ने कलियुग को सबसे कम उम्र दिया।

सामाजिक ताना-बाना बिखेर रहे नंगापन और रील्स के परिवेश

डॉ. सत्यवान सौरभ

पूरा देश नग्नता के लिए फिल्मों को दोष देता है परंतु आज सोशल मीडिया (सामाजिक पटल) पर इतनी भयंकर नग्नता है कि हमारी जो भारतीय फिल्में को भी शर्म आ जाए। आज कोई भी सोशल प्लेटफार्म अछूता नहीं है फूहड़पन और नग्नता से। सोशल मीडिया के अंधे दौर में कुछ लाइक और व्यू पाने के लिए हमारे समाज की नारियों को कैसे लक्षित किया जा रहा है और उन्हें नग्नता परोसना पड़ रहा है और वह लाइक और व्यू के आसमान में उड़ने के लिए नग्नता परोस स्वयं के मान सम्मान स्वाभिमान का सौदा आसानी से कर रही है। कुछ चप्पल छाप यूट्यूबर्स लोग केवल व्यू पाने के लिए हमारी आस्था पर इस तरह के अश्लीलता वाले थम्बनेल लगाते हैं। किससे क्या कहें? जीवन का चरमसुख अब फॉलोअर्स पाने और कमेंट आने पर निर्भर हो गया है। फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर नग्न अवस्था में तस्वीरें शेयर कर आज लड़कियाँ लाइक कमेंट पाकर खुद को अनुगृहित करती दिखाई देती है, मानो जीवन की सबसे अहम और जरूरी ऊंचाई को उन्होंने पा लिया हो। इस नग्नता को हम आधुनिकता के इस दौर में न्यू फैशन कहते हैं। सोशल मीडिया पर फैशन की उबाल आई तो सोशल नेटवर्क पर युवा पीढ़ी ने खुद को खूबसूरत युवतियों से पीछे पाया, फिर क्या युवकों ने खुद की नग्नता का नंगा नाच शुरू किया और कहा, मैं पीछे कैसे? युवा अपने यौवन को दिखाते घूम रहे हैं मैं किसी से कम नहीं। ऐसे बिगड़ैल यूट्यूबर के इंटरव्यूज होना और भी अचरज की बात है। पहले के जमाने में बड़े बुजुर्ग इस तरह की हरकतों पर नकेल कसते थे। खैर जमाना आधुनिक है इस लिए समाज इसे स्वीकारता और आनंदित होता है। पर ये बहुत ही गम्भीरता से सोचने का विषय है-हमारे घरों के छोटे-छोटे बच्चे किस दिशा में जा रहे हैं। माता-पिता क्यों जानबूझ कर अनदेखा कर रहें हैं? क्यों नहीं अपने बच्चों को टाईम और संस्कार देना चाहते हैं? क्यों अपने हाथो अपने बच्चो को दलदल में धकेल रहें हैं। आजकल के माता-पिता बहुत ज्यादा मार्डन है और उन्हें नंगापन, बॉयफ्रेंड और मार्डन परिवेश बेहद आकर्षित करती है। ये आने वाली पीढ़ी और समाज के लिए घातक सिद्ध होगा। टीनएजर लड़कियों की मनःस्थिति को अपने खास मकसद के मुताबिक ढाला जा रहा है। अब तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस आभासी नग्नता के अड्डे बने हुए हैं। वल्गर रील्स और वीडियोस तो अब हर घर के टीनेजरस बना ही रहे हैं। अब तो ऐसा महसूस होने लगा है कि वैश्यावृति के अड्डे भी नये विकल्पों के साथ हवस परस्त मर्दो के लिए उपलब्ध हो गए हैं। सोशल मीडिया पर आजकल जो ये फॉलोवर बढ़ाने के लिए जो नग्नता परोसी जा रही है। क्या उसमें परोसने वाले ही दोषी हैं? क्या उसको लाइक और शेयर करने वाले दोषी नहीं हैं? मेरे हिसाब से तो वह ज्यादा दोषी हैं। अगर हम ऐसी पोस्ट या वीडियो को लाइक शेयर करना ही बंद कर दें तो क्या ये बंद नहीं हो सकता? आज सामाजिक विकार अपने सफर के सफलतम पड़ाव में है। रोकथाम की कोई गुंजाइश नहीं है। अब तो प्रलय ही इसकी गति को रोक सकती है। सोशल मीडिया में रील्स पर नग्न और अश्लील नृत्य की नौटंकी करने वाली बेटियों से निवेदन है कि चंद कागज के टुकड़ों के लिए अपने परिवार और धर्म की इज्जत तार-तार ना करो। पैसे आपको आज नृत्य के लिए नहीं अपितु नग्नता परोसने के लिए दिए जा रहे है ताकि पूरे समाज को एक दिन रसातल में धकेल कर नीचा दिखाया जा सके।

हमारी संस्कृति ही नहीं बचेगी तो-तो हमारे राष्ट्र का और आने वाली पीढ़ियों का दुगुर्णो से विनाश होने से कोई बचा नहीं सकता है। अभी समझे कि संस्कृति क्या है और इसे बचाना क्यों जरूरी है। यह हमारे राष्ट्र का स्वाभिमान है। हमें चाहिए अश्लीलता और नग्नता मुक्त समाज अपनी नष्ट हो रहे सभ्यता और संस्कृति की रक्षा करें। बॉलीवुड की अश्लीलता, नग्नता और गाली गलौज से भरी फिल्मों और वेब सीरीज का बहिष्कार करें। अश्लील गाना एवं अश्लील फिल्मों का बहिष्कार करें। सोशल मीडिया में ट्वीटर, फेसबुक आदि ऐसे प्लेटफार्म हैं जिसके माध्यम से लोग अपने विचार, अभिव्यक्ति के साथ किसी महत्त्वपूर्ण जानकारी का प्रेषण करते हैं। किन्तु वर्तमान में इन प्लेटफार्मो में अश्लील, आपत्तिजनक व नग्नता पूर्ण मैसेज व विज्ञापन की भरभार होने के साथ जुए जैसे खेलों को खेलने के लिए प्रोत्साहित कर सामाजिक प्रदूषण फैलाया जा रहा है। हमारे नौनिहाल, बहन बेटी भी इन प्लेटफार्मो का बहुतायत उपयोग करते है। इस प्रदूषण पर अंकुश लगवाने के लिए सभी को सोचना होगा और खुद पहल करनी होगी। आज चेतना चाहिए नहीं तो कल रास्तों में होगा नंगा नाच। आप देश का भविष्य हो, कठपुतली मत बनो। स्वच्छंदता के नाम पर फूहड़ता सोशल मीडिया के इस दौर में अपने चरम पर है। हमारी संस्कृति में स्त्री को धन की संज्ञा से नवाजा गया वह भी बहुमूल्य न कि टके बराबर। इसलिए राजदरबारो में होने वाले मुजरे भी चारदीवारो के अंदर ही होते थे। सत्य यह है कि अश्लीलता को किसी भी दृष्टिकोण से सही नहीं ठहराया जा सकता। ये कम उम्र के बच्चों को यौन अपराधों की तरफ ले जाने वाली एक नशे की दुकान है और इसका उत्पादन आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म स्त्री समुदाय के साथ मिलकर कर रहा है। मस्तिष्क विज्ञान के अनुसार 4 तरह के नशों में एक नशा अश्लीलता से भी है।

आचार्य कौटिल्य ने चाणक्य सूत्र में वासना' को सबसे बड़ा नशा और बीमारी बताया है। यदि यह नग्नता आधुनिकता का प्रतीक है तो फिर पूरा नग्न होकर स्त्रियाँ पूर्ण आधुनिकता का परिचय क्यों नहीं देती? गली-गली और हर मोहल्ले में जिस तरह शराब की दुकान खोल देने पर बच्चों पर इसका बुरा प्रभाव पड़ता है उसी तरह अश्लीलता समाज में यौन अपराधों को जन्म देती है। इसको किसी भी तरह उचित नहीं ठहराया जा सकता है। विचार करिए और चर्चा करिए या फिर मौन धारण कर लीजिए।

आस्था : गंगा घाट पर गोदावरी का संगम

नितिन प्रधान

देश दुनिया में अभी प्रयागराज में संगम तट पर चल रहे महाकुंभ को लेकर भारतीय संस्कृति की चर्चा हो रही है। तीन नदियों के संगम में करोड़ों सनातनी आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। यह क्रम जारी है।

26 फरवरी को महाशिवरात्रि के दिन तक यह सिलसिला देखने को मिलेगा। इसी बीच काशी में गंगा तट पर काशी तमिल संगमम 3.0 चल रहा है। अपने तीसरे संस्करण में यह 24 फरवरी तक सनातनियों के लिए आत्मीय संबंध को नया आयाम देगा। काशी के पवित्र घाटों पर आयोजित काशी तमिल संगमम 3.0 वास्तव में गंगा और गोदावरी के मिलन जैसा अनुभव कराता है। गंगा घाटों पर जब तमिलनाडु और दक्षिण भारत के श्रद्धालु पहुंचते हैं तो यह केवल यात्रा नहीं, बल्कि संस्कृतियों के अभूतपूर्व संगम का उत्सव बन जाता है। काशी तमिल संगमम 3.0 इस भावनात्मक और सांस्कृतिक एकता का सजीव उदाहरण है, जहां दक्षिण और उत्तर भारत की परंपराएं एक-दूसरे में समाहित होती नजर आती हैं।

भारत की दो प्राचीन और समृद्ध सभ्यताओं का आत्मीय संगम है। गंगा के किनारे लोग एक-दूसरे को ह्यवणक्कम काशीह्न कहकर संबोधित करते हैं, तो यह अनूठा और भावनात्मक अनुभव बन जाता है। काशी तमिल संगमम 3.0 न केवल उत्तर और दक्षिण भारत के बीच संस्कृति सेतु का कार्य कर रहा है बल्कि यह ह्यएक भारत, श्रेष्ठ भारतह्न की अवधारणा को भी साकार कर रहा है। यह संगमम 3.0 भारतीय परंपराओं, संस्कृतियों और जीवन मूल्यों का उत्सव है, जो विविधताओं के बीच राष्ट्रवाद की भावना को और प्रबल करता है। यह उत्तर और दक्षिण भारत के बीच सांस्कृतिक सेतु के रूप में कार्य कर रहा है। जब तमिलनाडु से यात्री वाराणसी रेलवे स्टेशन पर उतरते हैं, तो उनका स्वागत ह्यहर हर महादेवह्न के जयघोष से किया जाता है।

ढोल-नगाड़ों की थाप, स्वस्तिवाचन और पुष्पवष्रा से हर यात्री स्वयं को विशिष्ट अनुभव करता है। कांचीपुरम, जिसे संक्षेप में कांची कहा जाता है, तमिलनाडु का महत्त्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र है। यह क्षेत्र हिन्दू धर्म के प्राचीन तीर्थ स्थलों में से है, यहां कई ऐतिहासिक मंदिर स्थित हैं। कांची पलार नदी के किनारे बसी है, न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है बल्कि अपनी रेशमी साड़ियों के लिए भी प्रसिद्ध है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, ब्रह्मा ने यहां देवी के दर्शन हेतु तपस्या की थी। कांची को मोक्षदायिनी सप्त पुरियों में स्थान प्राप्त है, जिनमें अयोध्या, मथुरा, द्वारका, हरिद्वार, काशी, उज्जैन और कांची शामिल हैं। यह नगरी हरिहरात्मक पुरी के रूप में प्रसिद्ध है, जहां शिवकांची और विष्णुकांची नामक दो भागों में विभिन्न मंदिर स्थित हैं। तमिलनाडु के लोग के लिए काशी केवल तीर्थ नहीं, बल्कि आध्यात्मिक आकषर्ण का केंद्र है। भगवान विनाथ, मां गंगा और देवी विशालाक्षी सदियों से तमिल भक्तों को अपनी ओर आकर्षित करती रही हैं। आदि शंकराचार्य के काशी आगमन और उनके द्वारा अद्वैत वेदांत के प्रचार के बाद, तमिल संतों का काशी से लगाव और गहरा हो गया।

काशी केवल शहर नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का केंद्र है। बाबा विनाथ, काल भैरव, मां अन्नपूर्णा, देवी विशालाक्षी, आंध्र के मल्लिकार्जुन और तेलंगाना के भगवान राजराजेर जैसे तीर्थस्थल भारत की सांस्कृतिक पहचान को परिपूर्ण बनाते हैं। इस पवित्र नगरी ने अनेक संतों और महात्माओं को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान की है, जिसका प्रभाव आज भी तमिल समाज में देखा जा सकता है। काशी का तेलुगु संस्कृति से भी गहरा नाता है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु काशी आते हैं। तेलुगु संतों और आचार्यों ने भी इस नगरी को विशेष रूप से गौरवान्वित किया है। तेलुगु संत तेलंगस्वामी, जिनका जन्म विजयनगरम में हुआ था, को स्वामी विवेकानंद के गुरु रामकृष्ण परमहंस ने काशी का ह्यजीवंत शिवह्न कहा था। इसके अलावा, जिद्दू कृष्णमूर्ति और अन्य महान संतों को आज भी श्रद्धा के साथ याद किया जाता है।

काशी और तेलुगु संस्कृति का संबंध साहित्य और आध्यात्मिक परंपराओं में भी स्पष्ट रूप से झलकता है। आंध्र प्रदेश के वेमुलावाड़ा तीर्थ को ह्यदक्षिण का काशीह्न कहा जाता है, यहां की मंदिर परंपराओं में ह्यकाशी दारमह्न (विशेष काला सूत्र) का प्रचलन आज भी है। इसी प्रकार, तेलुगु साहित्य में ह्यकाशीखंडमह्न जैसे ग्रंथ काशी की महिमा का बखान करते हैं। समय के साथ काशी में भी व्यापक बदलाव हुए हैं। बाबा विनाथ धाम का पुनरु द्धार, गंगा घाटों का नवीनीकरण और बेहतर परिवहन सुविधाओं ने काशी यात्रा को और सुगम बना दिया है। पहले जहां दशामेध घाट तक पहुंचने में घंटों लगते थे, वहीं अब हाईवे और नई परिवहन व्यवस्थाओं से यह समय काफी कम हो गया है। गंगा में सीएनजी चालित नावें चलाई जा रही हैं। बनारसी खानपान लस्सी, ठंडाई, चाट, लिट्टी-चोखा और बनारसी पान जैसे पारंपरिक स्वाद काशी यात्रा को और यादगार बना देते हैं। वाराणसी के लकड़ी के खिलौने आंध्र प्रदेश के एटिकोपाका खिलौनों की तरह ही प्रसिद्ध हैं, जो भारतीय हस्तशिल्प की समृद्ध परंपरा को दशार्ते हैं।

गोपालगंज : मीरगंज को मिलेगी जाम से मुक्ति विजयीपुर से देवरिया जाना होगा आसान

दबंग हिंद संवाददाता

गोपालगंज। बिहार के गोपालगंज जिले के विकास पथ पर ले जाने की सारी कवायद अब पूरी हो गई है। प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री की ओर से की गई घोषणाओं को कैबिनेट से स्वीकृति मिल चुकी है। जेडीयू सांसद डॉ. आलोक कुमार सुमन ने कहा कि गोपालगंज-बाईपास पथ जिसकी कुल लम्बाई 12.60 कि.मी. है। जिसके लिए 126.54 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति कैबिनेट द्वारा दी गई है। इसके अलावा जिले में आउटर रिंग रोड के भी निर्माण का प्रावधान है।

कैबिनेट से मिली स्वीकृति : ये बाईपास पथ एनएच-27 दानापुर से प्रारंभ होकर मांझागढ़-देवापुर-कबिलासपुर-तुरकाहा होते हुए एनएच-531 बाईपास पर जाकर समाप्त होगा। उन्होंने कहा इस पथ का निर्माण कार्य हो जाने से एनएच-27 का एनएच-531 से सीधा सम्पर्क स्थापित होगा इसके साथ ही इस रोड को गोपालगंज शहर के बाहरी रिंग रोड आउटर रिंग रोड के रूप में विकसित किया जाएगा। इससे पटना, मुजफ्फरपुर, मोतिहारी से एनएच-27 पथ के रास्ते सिवान / मीरगंज/देवरिया आने-जाने वाले वाहनों को गोपालगंज शहर के जाम का सामना किए बिना ही कम दूरी एवं कम समय में सुगमतापूर्वक आवागमन संभव हो सकेगा।

मुख्यमंत्री ने दिया तोहफा : उन्होंने आगे कहा कि इसके साथ ही बेतिया-मोतिहारी-सिवान आदि जिलों एवं गोपालगंज शहर के गन्ना उपजाऊ क्षेत्रों से गन्ना ढुलाई के लिए गन्ना किसानों द्वारा उपयोग में लाए जाने के लिए भी यह मुख्य पथ साबित होगा। जिससे गोपालगंज शहर को गन्ना ढुलाई के समय निरंतर लगने वाली जाम की समस्या से जिले वासियों को निजात मिलेगा। गोपालगंज की दूसरी महत्वाकांक्षी और जन कल्याणकारी योजना मीरगंज-बाईपास पथ है। जिसकी कुल लम्बाई 3.18 कि.मी. है। इसके लिए भी कल की कैबिनेट बैठक में 131.32 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है।

आम लोगों को सुविधा: इस पथ एनएच-531 के सलेमपुर पट्टी ग्राम (भारत पेट्रोल पंप के समीप) से प्रारंभ होकर पथ निर्माण विभाग पथ प्रमंडल गोपालगंज के अधीन मीरगंज-भागी पट्टी-समउर पथ के दुसरे किमी पर समाप्त होती है। इस रोड का निर्माण कार्य हो जाने से मीरगंज शहर में निरंतर लगने वाले जाम की समस्या के साथ मीरगंज शहर में स्थित रेलवे लेवल क्रासिंग के रूकावट से भी निजात मिलेगा। इस बाईपास का उपयोग हथुआ अनुमंडल के सभी सात प्रखंडों के आमजन द्वारा जिला मुख्यालय एवं थावे मंदिर आने-जाने के लिए किया जाएगा। भविष्य में सबेया एयरपोर्ट का निर्माण होने पर इस सड़क के निकटवर्ती जिला जैसे सीवान, सारण, पश्चिमी चम्पारण, देवरिया के लोगों को भी सबेया एयरपोर्ट आने-जाने में सुविधा होगी। साथ ही साथ देवरिया (उत्तर प्रदेश) से थावे मंदिर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को भी सुगम यातायात प्राप्त होगा। जिससे प्रत्यक्ष रूप से गोपालगंज शहर का टूरिज्म विकसित होगा। गोपालगंज के लिए तीसरी महत्वाकांक्षी एवं जनकल्याणकारी योजना कटेया औधोगिक क्षेत्र के विकास हेतु चिन्हित स्थल विजयीपुरझ्रदेवरिया सम्पर्क पथ है। जिसकी कुल लम्बाई 5.750 कि.मी. के लिए 90.35 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति दे दी गई है। उन्होंने बताया कि इस रोड का निर्माण पथ निर्माण विभाग पथ प्रमंडल गोपालगंज के अधीन भोरे-पगरा पथ के विजयपुर से प्रारंभ होकर ग्रीनफील्ड होते हुए बैरिया स्थित कम्फेड प्लांट पर समाप्त होती है। इस रोड के बनने से हथुआ अनुमंडल के लगभग 152000 (एक लाख बावन हजार) पंजीकृत किसानों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लाभ होगा। गोपालगंज जिले के निकटवर्ती जिले जिसमें सारण, सिवान, पश्चिम चम्पारण शामिल है।

चौथी परियोजना की बात : वहीं चौथी परियोजना थावे मंदिर के सम्पर्क मुख्य पथ, आन्तरिक पथ के निर्माण कार्य को भी कल की कैबिनेट बैठक में प्रशासनिक स्वीकृति मिल गई है। इसकी कुल लम्बाई 4.00 कि.मी. के लिए 30.75 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति दे दी गई है। ध्यान रहे कि सीएम नीतीश ने बीते 04 जनवरी 2025 को गोपालगंज में प्रगति यात्रा की थी। इस दौरान की गई घोषणा के आलोक में सारण तटबंध के किमी 80.00 से किमी 152.00 के बीच तथा संलग्न छरकियों पर उच्चीकरण, सुदृढ़ीकरण, सुरक्षात्मक कार्य तथा शीर्ष कालीकरण कार्य (प्राक्कलित राशि-351.51 करोड़) की प्रशासनिक एवं व्यय की स्वीकृति 10 जनवरी 2025 को मंत्रिपरिषद की बैठक में दी जा चुकी है।

अंतरात्मा के मौलिक स्वरूप का साक्षात चित्रण किया था साहित्य शिरोमणि कृष्णा सोबती ने : डॉ. शैलेश

दबंग हिंद संवाददाता

कोलकाता। वरिष्ठ साहित्यकार, साहित्य शिरोमणि कृष्णा सोबती जी के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर भारतीय भाषा शोध संस्थान एवं भोजपुरी साहित्य विकास मंच, कलकत्ता के संयुक्त तत्वाधान में वर्तमान संदर्भ में कृष्णा सोबती की रचनाओं की प्रासंगिकता विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता डी.बी. कॉलेज, जयनगर के वाणिज्य विभागाध्यक्ष सह रामनरेश सिंह एजुकेशनल फाउंडेशन के महासचिव डॉ. शैलेश कुमार सिंह ने कहा कि, साहित्य शिरोमणि कृष्णा सोबती जी ने अपनी रचनाओं में अंतरात्मा के मौलिक स्वरूप का साक्षात चित्रण किया, उन्होंने पुरुष प्रधान समाज में रहते हुए अपनी कलम से नारी के भाव, वियोग और उनकी व्यथाओं को सहज रूप से रेखांकित करने का साहसिक कार्य किया, जो आज के दौर में संभव नहीं है। कृष्णा सोबती ने अपनी रचना के माध्यम से हिंदी कहानियों की विषयवस्तु और भाषा को नयापन दिया है। जिंदगी नामा और मित्रों मरजानी जैसी कालजयी कृतियां कृष्णा सोबती की कलम से निकलीं, जिन्होंने हिंदी कथा एवं उपन्यास साहित्य को गहरा और अधिक सम्मानजनक बना दिया। बिलासा पीजी कॉलेज, बिलासपुर की विभागाध्यक्ष डॉ. हरिणी रानी आगर ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि, 70 के दशक में जब नारी उत्पीड़न चरम सीमा पर था उस समय कृष्णा सोबती जी ने अपने साहित्य के माध्यम से प्रतिरोध करने का कार्य किया था, वह नारी सशक्तिकरण की ध्वजवाहक थी। युवा साहित्यकार प्रकाश प्रियांशु ने कहा कि, कृष्णा जी को जीवन में जो भी अच्छा लगता उसके साथ वे अनुभव की साझेदारी करना चाहती थीं, प्राकृतिक सौंदर्य को भी वे इसी भाव से ग्रहण करतीं। जिसे उन्होंने अपनी कृति बुद्ध का कमंडलः लद्दाखह्य में रेखांकित किया है, यह कृति हिमालय के प्रति उनके गहरे अनुराग का साक्षी भी है। कृष्णा सोबती जी ने अपने साहित्य में स्त्रियों के भाव, वियोग और उनकी व्यथाओं का सहज चित्रण किया था। संयोजक डॉ. रेखा कुमारी त्रिपाठी ने सभी आगंतुकों व प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया, उन्होंने बताया कि संगोष्ठी में देश के विभिन्न राज्यों से श्रद्धा गुप्ता, कंचन रजक, रिमझिम गुप्ता, प्रिया श्रीवास्तव, निखिता पांडेय, प्रिया पांडेय रोशनी सहित दर्जनों शिक्षाविदों व साहित्यकारों ने शोध पत्र प्रस्तुत किया। इस दौरान मुख्य रूप से विनोद यादव, हेमा विश्वकर्मा, अनुराधा भगत, निधि सिंह, स्वीटी महतो, स्वाति भारद्वाज, प्रीति साव, पुष्पा रजक, नूपुर श्रीवास्तव, गुड्डू गुलशन यदुवंशी इत्यादि उपस्थित रहे।

अररिया में तीसरे दिन माध्यमिक परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न

दबंग हिंद संवाददाता

अररिया। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना द्वारा आयोजित वार्षिक माध्यमिक (सैद्धांतिक) परीक्षा-2025 के तीसरे दिन अररिया जिले में 43 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त वातावरण में सम्पन्न हुई। परीक्षा के तीसरे दिन, पहले पाली में कुल 14978 परीक्षार्थियों में से 273 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे, जबकि दूसरे पाली में 14900 परीक्षार्थी उपस्थित रहे और 315 परीक्षार्थी अनुपस्थित पाए गए। परीक्षा के दौरान सभी केंद्रों पर केंद्राधीक्षक, स्टैटिक दण्डाधिकारी, महिला स्टैटिक दण्डाधिकारी, गस्तीदल दण्डाधिकारी, उड़नदस्ता दल, अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी और अन्य पुलिसकर्मियों ने कड़ी निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी। परीक्षा 17 फरवरी से शुरू होकर 25 फरवरी तक चलने वाली है। प्रत्येक दिन की प्रथम पाली परीक्षा सुबह 09:30 बजे से 12:45 बजे तक और द्वितीय पाली परीक्षा दोपहर 02:00 बजे से 05:15 बजे तक होगी।

फैक्टनेब की कोर कमिटी की बैठक में लिया गया प्रतिमाह वेतन भुगतान की मांग को लेकर निर्णय

महासंघ ने 28 फरवरी से 20 मार्च तक कार्यक्रमों की किया घोषणा

दबंग हिंद संवाददाता

पटना। बिहार राज्य संबद्ध डिग्री महाविद्यालय शिक्षक शिक्षकेतर कर्मचारी महासंघ (फैक्टनेब) की कोर कमिटी की बैठक 14 फरवरी 2025 को धरना स्थल, गर्दनीबाग पटना में आयोजित की गई थी जिसमें महासंघ के नेताओं ने प्रतिमाह वेतन भुगतान की मांग को लेकर व्यापक आंदोलन की योजना बनाई। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, जिनका उद्देश्य राज्य सरकार पर दबाव बनाना और कर्मचारियों के अधिकारों को सुनिश्चित करना है।

आंदोलन की प्रमुख योजनाएं

1. 28 फरवरी 2025 झ्र काला दिवसः महासंघ ने 28 फरवरी 2025 को काला दिवस मनाने का निर्णय लिया है। इस दिन शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारी अपने कार्यस्थल पर काला पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। इसके साथ ही वे राज्यपाल को प्रतिमाह वेतन भुगतान की मांग से संबंधित ज्ञापन ईमेल के माध्यम से भेजेंगे। मूल्यांकन केंद्र पर भी शिक्षक काला पट्टी बांधकर अपने कार्य करेंगे।

2. 5 मार्च 2025 झ्र ज्ञापन सौंपने का कार्यक्रमः 5 मार्च 2025 को महासंघ द्वारा सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपे जाएंगे। यह ज्ञापन प्रतिमाह वेतन भुगतान की मांग और महासंघ के आंदोलन को लेकर सरकार से समर्थन की अपील करेगा।

3. 5 मार्च से 19 मार्च 2025 झ्र हस्ताक्षर अभियानः महासंघ ने 5 मार्च से 19 मार्च तक पत्रकारों, अधिवक्ताओं, जनप्रतिनिधियों, चिकित्सकों, राजनीतिक दलों और समाज के विभिन्न वर्गों से सहयोग प्राप्त करने के लिए हस्ताक्षर अभियान शुरू करने की घोषणा की। इस अभियान के तहत व्यापक जन समर्थन जुटाने की कोशिश की जाएगी।

अररिया के पूर्व सैनिकों ने पदाधिकारी से मिलकर समस्याओं का समाधान मांगा

दबंग हिंद संवाददाता

अररिया। अररिया जिले के पूर्व सैनिकों ने अपनी समस्याओं को लेकर अररिया जिला पदाधिकारी अनिल कुमार से मुलाकात की और उन्हें अपनी विभिन्न परेशानियों से अवगत कराया। इन समस्याओं में भूमि विवाद, राजस्व विवाद, वीर नारियों की पेंशन से संबंधित समस्याएं, झूठे मुकदमे में फंसने की शिकायतें, और लंबे समय से अनुसरण समिति की बैठक न होने के कारण उत्पन्न हुई अन्य समस्याएं शामिल थीं। जिला पदाधिकारी अररिया ने सभी पूर्व सैनिकों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का शीघ्र और त्वरित समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वे किसी भी समय कार्यालय में आकर, या फोन और व्हाट्सएप के माध्यम से अपनी समस्याओं को दर्ज कर सकते हैं, और हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। पूर्व सैनिकों ने बताया कि जब वे सदर डीएसपी अररिया से मिले, तो उन्होंने सभी पूर्व सैनिकों को सम्मानपूर्वक अपने कार्यालय में बैठाया और एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना। इसके साथ ही यह भी बताया कि जिले में सैनिक हेल्प डेस्क का गठन किया गया है, जिसमें सेवारत सैनिकों, पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और सैनिक परिवारों की समस्याओं के समाधान के लिए इंस्पेक्टर मुकेश कुमार को नियुक्त किया गया है। पूर्व सैनिकों ने यह भी कहा कि अगर जिला प्रशासन को कभी उनकी मदद की आवश्यकता पड़ी, तो वे पूरी तरह से जिला प्रशासन के साथ खड़े रहेंगे और सभी अपेक्षित सेवाएं देने के लिए तैयार हैं। पूर्व सैनिक सेवा परिषद अररिया के सदस्यों ने बैठक में भाग लिया, जिनमें कैप्टन डीएन झा (परम मंडलीय प्रभारी), खगेंद्र प्रसाद यादव (अध्यक्ष), रणजीत कुमार सिंह (उपाध्यक्ष सह कानूनी सलाहकार), दयानंद रजक (सचिव), नंदन कुमार (कोषाध्यक्ष), मोहन मेहता (कोषा उपाध्यक्ष), चंदन यादव, अखिलेश कुमार, नारायण यादव, सूबेदार धीरज चौधरी, रामदेव मेहता और दर्जनों अन्य पूर्व सैनिक शामिल थे।

हमें दीजिए मौका, बदल देंगे विकास का इतिहास : संजीव मिश्रा

♦ संजीव मिश्रा ने छातापुर विधानसभा चुनाव 2025 के लिए अपने दावेदारी का किया ऐलान, कहा- कागजी विकास से नहीं, धरातल पर काम करने से होगा बदलाव

दबंग हिंद संवाददाता

छातापुर (सुपौल)। विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजीव मिश्रा ने मंगलवार को छातापुर नगर भवन में आयोजित विधानसभा कार्यकर्ता सम्मेलन में आगामी विधानसभा चुनाव 2025 के लिए अपनी उम्मीदवारी का ऐलान किया। इस अवसर पर उन्होंने छातापुर के मौजूदा राजनीतिक नेतृत्व और प्रशासन पर तीखा हमला करते हुए कहा कि अगर उन्हें मौका मिला, तो वह इस क्षेत्र में दलालों और भ्रष्टाचार के प्रभाव को समाप्त कर वास्तविक विकास करेंगे। संजीव मिश्रा ने कहा, अगर मुझे छातापुर की जनता का समर्थन मिला, तो हम यहां पर दलालों के प्रभाव को पूरी तरह समाप्त करेंगे और विकास की नई दिशा देंगे। छातापुर में जो कागजी योजनाएं बनीं, वे अब तक सिर्फ कागजों तक सिमित रही हैं। हम वास्तविक विकास करेंगे।

कागजी विकास से नाराजगी : उन्होंने छातापुर में विकास के नाम पर हुए कामों पर कटाक्ष करते हुए कहा, यहां पर जो विकास दिखाया गया है, वह सिर्फ कागजों में हुआ है। अगर वास्तव में कोई विकास हुआ होता, तो छातापुर के लोग आज बेहतर जीवन जी रहे होते। लेकिन सच्चाई यह है कि छातापुर में आज भी बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव है।

मूल मुद्दों पर जोर : संजीव मिश्रा ने छातापुर के कई गंभीर मुद्दों को उठाया, जैसे झखाड़गढ़ पंचायत और रामपुर को जोड़ने वाली सुरसर नदी पर पुल की अनुपस्थिति, किसानों को बाढ़ के कारण फसल क्षति का मुआवजा न मिलना, और मुख्यालय में बुनियादी सुविधाओं की कमी। उन्होंने कहा, सुरसर नदी पर पुल न होने के कारण हजारों लोग परेशान हैं, लेकिन इसके समाधान के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया। किसानों को मुआवजा नहीं मिलता, जिससे उनकी स्थिति और भी खराब हो जाती है।

बेरोजगारी और पलायन की समस्या
संजीव मिश्रा ने छातापुर में बेरोजगारी और पलायन के बढ़ते स्तर को लेकर भी गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, यहां के लोग रोजगार की तलाश में दूसरे स्थानों पर पलायन कर रहे हैं। अगर मुझे मौका मिला, तो मैं इस समस्या को सुलझाऊंगा और हर व्यक्ति को रोजगार प्रदान करूंगा।

आत्मनिर्भर छातापुर का वादा
उन्होंने छातापुर को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया और कहा, हम छातापुर को एक समृद्ध और आत्मनिर्भर क्षेत्र बनाएंगे, जहां शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं की कमी नहीं होगी। हम विकास के लिए एक नई दिशा देंगे, जहां हर व्यक्ति को उसका हक मिलेगा।

कार्यकताओं से अपील : संजीव मिश्रा ने अपने कार्यकताओं से अपील की, मेरे साथ जुड़ें और हम मिलकर छातापुर के भविष्य को संवारें। हम सिर्फ वादे नहीं करेंगे, बल्कि धरातल पर काम करेंगे और छातापुर को एक नया रूप देंगे।

राजनीतिक समीकरण में बदलाव का संकेत : संजीव मिश्रा के इस बयान से आगामी विधानसभा चुनाव में छातापुर में एक नए राजनीतिक मोड़ की संभावना जताई जा रही है। उनकी तीखी आलोचना और ठोस वादे ने क्षेत्र के मतदाताओं के बीच एक नई उम्मीद का संचार किया है, जो आगामी चुनावों में अहम साबित हो सकता है।

एक नजर

प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम की तैयारी को लेकर हुई समीक्षा बैठक

आफाक असद आजाद

भागलपुर। 24 फरवरी 2025 को भागलपुर में प्रस्तावित प्रधानमंत्री कार्यक्रम की तैयारी की समीक्षा बैठक जिला पदाधिकारी डॉ0 नवल किशोर चौधरी की अध्यक्षता में हवाई अड्डा के लॉज में की गई। बैठक में मंच निर्माण, हेलीपैड निर्माण, हैंगर की संस्थापन, बेरीकेटिंग की प्रगति, पार्किंग स्थल, सेफ हाउस, वीवीआईपी पास, मीडिया पास, विभिन्न स्थलों पर लगने वाले साइनेज बोर्ड, पेयजल, शौचालय, विभिन्न सेफ हाउस तक सड़क की स्थिती, पार्किंग स्थल पर पेय जल एवं शौचालय की व्यवस्था को लेकर बारी-बारी से सभी पदाधिकारी के साथ समीक्षा की गई। बैठक में नगर आयुक्त सुश्री प्रीति, उप विकास आयुक्त प्रदीप कुमार सिंह सभी अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी सादर सहित सभी संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, ने शिवाजी महाराज की जयंती मनाई धूमधाम से

प्रो. एमपी सिंह ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का किया उद्घाटन, कार्यकताओं से प्रेरणा लेने की अपील की

दबंग हिंद संवाददाता

अररिया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई अररिया द्वारा शिवपुरी स्थित परिषद कार्यालय परिसर में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर समारोह का उद्घाटन पूर्णिया विश्वविद्यालय के सिंडिकेट सदस्य प्रो. एमपी सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। प्रो. एमपी सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि भारत में समय-समय पर ऐसे महान व्यक्तित्वों ने जन्म लिया, जिन्होंने अपने शौर्य और संघर्ष से देश को गौरवान्वित किया। इनमें से एक छत्रपति शिवाजी महाराज थे, जिन्होंने हिंदू स्वराज्य की स्थापना की और मुस्लिम आक्रांताओं से देश को बचाया। उन्होंने बताया कि शिवाजी महाराज सभी धर्मों का समान सम्मान करते थे और जबरन धर्मांतरण के खिलाफ थे। उनका मानना था कि लड़ाई केवल दुश्मन पर विजय पाने के लिए होनी चाहिए, न कि एक निश्चित तरीके से लड़ी जाए। प्रो. सिंह ने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे शिवाजी महाराज से प्रेरणा लेकर समाज में फैली कुव्यवस्थाओं के खिलाफ संघर्ष करें। समारोह में नगर सह मंत्री भोला राठौर और अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। इस मौके पर प्रिंस कुमार, संजीव कुमार, सुमित कुमार, प्रमोद कुमार, राहुल कुमार, आशीष कुमार, दिशा कुमारी, साक्षी और अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

परशुराम परिषद के राष्ट्रीय संयोजक ने प्रयागराज संगम में आस्था की लगाई डुबकी

संगम की पवित्र धारा में डुबकी लगाकर देशवासियों के लिए सुख, समृद्धि और शांति की प्रार्थना की

दबंग हिंद संवाददाता

प्रयागराज। पूर्व विधानसभा प्रत्याशी और परशुराम परिषद के राष्ट्रीय संयोजक पंडित अजय कुमार झा ने अपने परिवार के साथ प्रयागराज पहुंचकर यहां के पवित्र संगम में आस्था की डुबकी लगाई। इस अवसर पर उन्होंने परिषद द्वारा लगाए गए शिविर का भी मुआयना किया और शिविर चला रहे कोर कमेटी के सदस्यों से बातचीत की। महाकुंभ के इस दिव्य अवसर पर पंडित अजय झा ने संगम की पवित्र धारा में डुबकी लगाते हुए अपने और सम्पूर्ण देशवासियों के लिए सुख, समृद्धि और शांति की कामना की। उन्होंने महाकुंभ की भव्यता और दिव्यता को नमन करते हुए इसे देशवासियों के लिए प्रेरणा और आशीर्वाद का प्रतीक बताया। पंडित अजय झा ने कहा कि ऐसी श्रद्धेय यात्रा न केवल आंतरिक शक्ति का संचार करती है, बल्कि यह सामूहिक विकास की भावना को भी जागृत करती है। उनके अनुसार, महाकुंभ का यह आयोजन हर व्यक्ति को आत्मिक शांति और सामाजिक समरसता की ओर अग्रसर करता है। इस मौके पर उनके साथ उनकी धर्मपत्नी संजू झा, एकलौता पुत्र नितिन झा, पुत्रवधु और अन्य परिजनों ने भी संगम में आस्था की डुबकी लगाई।

किसान और भाजपा कार्यकर्ता पीएम मोदी की जनसभा में होंगे शामिल : नागेश्वर यादव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 फरवरी को बिहार के किसानों से करेंगे संवाद और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त करेंगे जारी

दबंग हिंद संवाददाता

नरपतगंज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 फरवरी को बिहार के भागलपुर में एक ऐतिहासिक जनसभा को संबोधित करेंगे, जिसमें वे बिहार के किसानों से सीधे संवाद करेंगे। इस कार्यक्रम में मोदी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त जारी करेंगे, जो बिहार के किसानों के लिए महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता होगी। नरपतगंज विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख बीजेपी नेता और भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष सह आस्था हॉस्पिटल बथनाहा के ऑनर नागेश्वर यादव ने बताया कि इस जनसभा में नरपतगंज विधानसभा क्षेत्र से तीन हजार से अधिक किसान और भाजपा कार्यकर्ता शामिल होंगे। इसके अलावा, आसपास के 13 जिलों से भी बड़ी संख्या में किसान इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भागलपुर आएंगे। यह पहला मौका होगा जब बिहार में प्रधानमंत्री मोदी के हाथों से किसान सम्मान निधि की राशि सीधे किसानों को मिलेगी। नागेश्वर यादव ने इसे किसानों के लिए एक ऐतिहासिक अवसर बताते हुए कहा, किसान सम्मान निधि से किसानों को आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिल रही है। इस कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और एनडीए के अन्य वरिष्ठ नेता भी उपस्थित होंगे।

कार्यक्रम स्थल और समय : यह ऐतिहासिक कार्यक्रम भागलपुर के हवाई अड्डा मैदान में 24 फरवरी 2025 को सुबह 11 बजे से आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और अन्य एनडीए नेता किसानों से संवाद करेंगे और उनकी समस्याओं को सुनेंगे।

क्या राम चरण के साथ माइथोलॉजिकल फिल्म कर रहे नागेश भट? निर्देशक ने बताया सच

कई दिनों से ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि साउथ सुपरस्टार राम चरण किल के निर्देशक खिल नागेश भट के साथ एक माइथोलॉजिकल फिल्म में काम करने वाले हैं, जिसके बाद से सोशल मीडिया पर फैंस भी अपना उत्साह साझा कर रहे थे। हालांकि, अब इस पर खुद निर्देशक निखिल नागेश ने चुप्पी तोड़ी है और इस खबर का सच बताया है।

खबरों पर क्या बोले नागेश भट

निर्देशक निखिल नागेश भट ने आखिरकार राम चरण के साथ माइथोलॉजिकल फिल्म बनाने की अफवाहों को खारिज कर दिया है। हाल ही में उन्होंने बातचीत के दौरान इन खबरों का खंडन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह बिलकुल सच नहीं है। इससे पहले एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि यह एक बड़े बजट की फिल्म है, जो भारतीय पौराणिक कथाओं के सबसे महत्वपूर्ण पात्रों में से एक की पृष्ठभूमि पर आधारित है।

किल की सफलता पर जताई खुशी

नागेश भट ने 2024 को एक स्मारक वर्ष बताया और भारत और विदेशों में अपनी परियोजना किल को मिली सकारात्मक प्रशंसा के बारे में बात की। उन्होंने कहा, किल को भारत और विदेश दोनों जगह आलोचनात्मक प्रशंसा मिलने के बाद मुझे लगता है कि मैं एक ऐसी दुनिया में आ गया हूं, जहां कहानियां सीमाओं को पार कर सकती हैं और स्थानीय और वैश्विक स्तर पर दर्शकों से जुड़ सकती हैं। सफलता से अधिक, कहानी कहने की मान्यता ने इस वर्ष को विशेष बना दिया है।

अगली परियोजना पर साझा की जानकारी

अपनी अगली परियोजना के बारे में नागेश भट ने कहा, मैं फिलहाल एक नई कहानी पर काम कर रहा हूं। हालांकि अभी इस बारे में ज्यादा कुछ बताना जल्दबाजी होगी, लेकिन मैं वादा कर सकता हूं कि यह एक्शन के प्रति मेरे प्यार के अनुरूप ही होगी, लेकिन भावनात्मक रूप से और भी गहरी होगी। यह एक ऐसी फिल्म है, जो मुझे ऐसी चुनौती देगी जैसी किसी अन्य परियोजना ने पहले नहीं दी और मैं इसके साथ कहानी कहने के नए आयामों को तलाशने के लिए उत्साहित हूं।

श्वेता तिवारी से नेहा धूपिया तक, पाकिस्तान में अपने अभिनय का झंडा बुलंद कर चुके हैं ये सितारे

कला एक ऐसी चीज है, जो सरहदों से परे मानी जाती है। यही वजह है कि कलाकार अक्सर अपनी सीमाओं से दूर भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते नजर आते हैं। बॉलीवुड की कई हस्तियां हॉलीवुड फिल्मों में दमखम दिखा चुकी हैं तो वहीं, टीवी जगत के सितारे भी कम नहीं हैं। छोटे पर्दे के कई ऐसे चर्चित कलाकार हैं, जिन्होंने भारतीय टीवी शो में तो अपनी पहचान स्थापित की ही, साथ ही पाकिस्तानी सीरियल्स और फिल्मों में भी अपने अभिनय का जादू चला चुके हैं।

श्वेता तिवारी

टीवी शो कसौटी जिंदगी की से घर-घर में पहचान बनाने वाली श्वेता सिंह आज एक्टिंग की दुनिया का बड़ा नाम हैं। उन्होंने कई टीवी सीरियल्स और रियलिटी शो के अलावा बॉलीवुड फिल्मों में भी काम किया है। दिलचस्प बात यह है कि एक्ट्रेस पाकिस्तानी फिल्म में भी काम कर चुकी हैं। श्वेता का एहसान खान समेत कई पाकिस्तानी स्टार्स के साथ एक पाकिस्तानी मूवी 'सल्तनत' में नजर आईं थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म की शूटिंग दुबई में हुई थी।

किरण खेर

अभिनेत्री किरण खेर भी पाकिस्तानी फिल्म में अपने अभिनय का दमखम दिखा चुकी हैं। वह पाकिस्तानी फिल्म खमोश पानी (2003) में नजर आईं थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म के लिए किरण को स्विट्जरलैंड के लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला था।

सारा खान

टीवी शो विदाई के जरिए पॉपुलर हुई सारा खान ससुराल सिमर का और बिग बॉस में नजर आई थीं। इसके अलावा सारा पाकिस्तानी एक्टर नूर हसन के साथ पाकिस्तानी सीरियल ये कैसी मोहब्बत है में नजर आ चुकी हैं।

नेहा धूपिया

अभिनेत्री नेहा धूपिया का नाम भी लिस्ट में शामिल है। नेहा बॉलीवुड के साथ-साथ पाकिस्तानी फिल्म इंडस्ट्री में भी अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकी हैं। बता दें कि नेहा ने प्यार ना करना फिल्म में आइटम नंबर किया था।

अरबाज खान

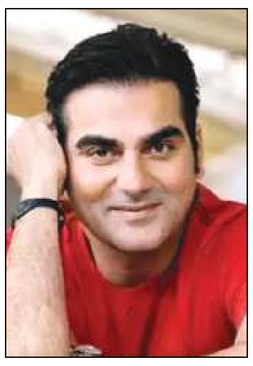

एक्टर अरबाज खान पाकिस्तानी फिल्म गॉडफादर में नजर आए थे। इस फिल्म में अरबाज ने शाकीर खान का रोल निभाया था। इसके अलावा दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने भी अपने अभिनय का दमखम पाकिस्तानी फिल्म इंडस्ट्री में दिखाया है। बता दें कि अभिनेता ने पाकिस्तानी फिल्म खुदा में काम किया था। यही नहीं, इसके अलावा अभिनेता ने फिल्म जिंदा भाग में भी लीड रोल निभाया था।

एक्शन फिल्म गांधारी के लिए परफेक्ट हैं तापसी पन्नू

अभिनेत्री तापसी पन्नू अपकमिंग फिल्म 'गांधारी' में खूब एक्शन करती नजर आएंगी। फिल्म निर्माता-लेखिका कनिका ढिल्लों ने बताया कि तापसी में एक अलग तरह की फुर्ती है, वह एक्शन फिल्म के लिए परफेक्ट हैं। कनिका ने एक्शन सीन्स को बेहतरीन तरीके से निभाने के लिए तापसी की सराहना की। उन्होंने कहा, टीम एक सीन की शूटिंग कर रही थी, जिसमें तापसी के किरदार को एक दीवार पर चढ़ना था।बिना किसी बॉडी डबल या रिहर्सल के (हालांकि सभी सुरक्षात्मक उपाय अपनाए गए थे) तापसी एक ही टेक में पैंथर की तरह दीवार पर चढ़ गईं! मैं उस दिन सेट पर थी और जैसे ही शॉट कट हुआ, पूरा सेट तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा! उन्होंने कहा, यह देखना काफी प्रभावशाली था, तापसी में एक खास तरह की फुर्ती और चपलता है, जो उन्हें 'गांधारी' के लिए एकदम सही बनाती है। वह इस तरह के किरदार से सभी को आश्चर्यचकित करने जा रही हैं, जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं निभाया है। कनिका ने फिल्म के अन्य कलाकारों की भी तारीफ की।

उन्होंने कहा, इश्वाक के फिल्म से जुड़ने से फिल्म में प्रतिभा की एक नई लहर और कहानी में कई परतें जुड़ी हैं और मैं दर्शकों को देवाशीष मखीजा के अद्भुत निर्देशन में तैयार और तापसी-इश्वाक स्टारर जादू को दर्शकों के सामने रखने के लिए उत्साहित हूं। 'गांधारी' एक रोमांचक कहानी का वादा करती है, जिसके बैकग्राउंड में मनोरंजन, रहस्य और हाई एक्शन हैं। दर्शक तापसी पन्नू को एक मिशन पर निकली ऐसी मां के किरदार में देखेंगे, जो मजबूत है। कनिका ढिल्लों तापसी के साथ कई फिल्मों में साथ काम कर चुकी हैं, जिनमें 'मनमर्जियां', 'हसीन दिलरुबा', 'फिर आई हसीन दिलरुबा' शामिल हैं। कनिका ढिल्लों के बैनर कथा पिक्चर्स के बैनर तले 'गांधारी' का निर्माण हुआ है, जिसके निर्देशक देवाशीष मखीजा हैं। तापसी की बात करें तो वह आखिरी बार मुदस्सर अजीज के निर्देशन में बनी 'खेल खेल में' फिल्म में नजर आई थीं। साल 2016 की रिलीज इतालवी फिल्म 'परफेक्ट स्ट्रेंजर्स' पर बनी फिल्म में तापसी के साथ अक्षय कुमार, फरदीन खान, वाणी कपूर, एमी विर्क, आदित्य सील और प्रज्ञा जायसवाल अहम रोल में हैं।

आईफा 2025 में शामिल होंगी कैटरीना कैफ

अभिनेत्री कैटरीना कैफ अंतर्राष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी (आईफा) अवॉर्ड्स 2025 में शामिल होंगी। उन्होंने बताया कि वह इस इवेंट में शामिल होने के लिए उत्साहित हैं।

आईफा इस साल अपनी सिल्वर जुबली मना रहा है। आईफा के साथ अपने लगाव को व्यक्त करते हुए कैटरीना ने इस कार्यक्रम को अपने लिए बेहद खास बताया। अभिनेत्री ने कहा, आईफा हमेशा मेरे लिए एक ग्लोबल इवेंट मात्र से कहीं बढ़कर रहा है। यह प्यार, उत्साह और शानदार पलों से भरा सफर है, जिसने सिनेमा और मेरे प्रशंसकों के साथ मेरे जुड़ाव को आकार दिया है। मुझे शुरू से ही यह सहज लगता है, यह एक ऐसी जगह है, जहां हम भारतीय सिनेमा के जादू, कहानी कहने के जुनून और वैश्विक मंच पर एक साथ आने की खुशी का जश्न मनाते हैं। कैटरीना ने कहा, मेरा आईफा का सफर कभी न भूल पाने वाली यादों से भरा रहा है और इस सिल्वर जुबली का हिस्सा बनना वाकई सम्मान की बात है।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में आईफा वीकेंड और अवार्ड्स में भारतीय सिनेमा के शानदार 25 वर्षों का जश्न मनाना रोमांचक है। मैं आईफा के शुरू होने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं, जो पुरानी यादों, खुशी और प्रशंसकों की एनर्जी से भरा होगा। मैं बेहद उत्साहित हूं और इस इवेंट में शामिल होने और बॉलीवुड के सबसे बड़े वैश्विक मंच पर और भी यादों भरे पल बिताने के लिए उत्साहित हूं। आईफा अवार्ड्स का आयोजन 8-9 मार्च 2025 को जयपुर एग्जिबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में होगा। इस साल के कार्यक्रम में शाहरुख खान और कार्तिक आर्यन पहली बार आईफा को होस्ट करेंगे। करण जौहर मुख्य कार्यक्रम की मेजबानी करेंगे, जबकि अपारशक्ति खुराना भी आईफा में उनके साथ रहेंगे। फिल्म निर्माता-अभिनेता राकेश रोशन को आईफा में उत्कृष्ट उपलब्धि पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

स्ट्रगल तो हमेशा रहता है ओटीटी से बदली किस्मत

बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने के लिए संघर्ष करना हर कलाकार के लिए एक लंबा सफर होता है। हाल ही में बातचीत में एक्टर तनुज विरवानी ने अपने करियर, संघर्ष, संतुष्टि और पिता बनने के अनुभव पर खुलकर बात की। बता दें, तनुज इनसाइड एज, कोड रू मुरशिद जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुके हैं। हाल ही में वे फिल्म लेट्स मीट में भी दिखाई दिए।

संघर्ष और संतुष्टि की कहानी

शुरुआत के 10-12 सालों में मैंने बहुत कुछ देखा। ऐसे मौके भी आए जब लगा कि अब बैग पैक कर लेना चाहिए और पापा के बिजनेस में लग जाना चाहिए। शुरुआती दो-तीन फिल्मों के बाद कुछ भी काम नहीं कर रहा था। वो दौर बहुत मुश्किल था। तब वेब सीरीज का सहारा भी नहीं था, सिर्फ फिल्में और टेलीविजन थे। लेकिन फिर ओटीटी प्लेटफॉर्म ने मुझे एक सेकंड इनिंग्स दी। इनसाइड एज मेरे लिए टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। उसके बाद से मुझे अलग-अलग जॉनर में काम करने का मौका मिला।

क्या अपने सफर से संतुष्ट हैं?

संतुष्ट तो अभी भी नहीं हूं। भूख अभी भी बहुत है। इच्छा यही है कि अच्छे लोगों के साथ काम करूं और हर सेट पर जाकर कुछ नया सीखूं। मैं ट्रेन्ड ऐक्टर नहीं हूं, मैंने कहीं से भी एक्टिंग सीखी नहीं है। जो कुछ भी सीखा, दूसरों को देखकर, फिल्में देखकर, सेट पर रहकर सीखा। मेरे लिए जर्नी ही सबसे बड़ी सीख है। हर नया प्रोजेक्ट मेरे लिए एक नया चैलेंज होता है। मैं हर बार खुद को प्रूव करना चाहता हूं।

क्या कोई स्पेशल जॉनर ज्यादा पसंद है?

जहां पैसे मिलते हैं... (हंसते हुए) मजाक कर रहा हूं। सच कहूं तो मुझे हर तरह के किरदार पसंद हैं। अगर मैं किसी डार्क, नेगेटिव या साइकोटिक रोल को निभा रहा हूं, तो उसके बाद मैं कुछ हल्का, मजेदार करना पसंद करता हूं। जैसे 'लेट्स मीट' जैसी फिल्में। इससे संतुलन बना रहता है। अभी क्या है? मैं रणबीर कपूर या शाहरुख खान नहीं हूं कि मेरे सामने सैकड़ों स्क्रिप्ट्स रखी होती हैं। जो मौके मिलते हैं, उन्हीं में से सबसे अच्छा चुनने की कोशिश करता हूं। यह किसी भी एक्टर के लिए रोमांचक दौर है क्योंकि वेब स्पेस तेजी से बढ़ रहा है और सिनेमा के अलग-अलग फॉर्मेट्स पर खूब काम हो रहा है। रणबीर कपूर और रणवीर सिंह जैसे सुपरस्टार्स बड़े नाम हैं, लेकिन असली वजह यह है कि वे अपने किरदार निभाते हैं और इसी वजह से हम उन्हें पसंद करते हैं।

फिल्म इंडस्ट्री में बदलाव और संघर्ष

तनुज मानते हैं कि इंडस्ट्री में बदलाव आया है, लेकिन स्ट्रगल कभी खत्म नहीं होता। ओटीटी ने काफी चीजें बदली हैं। अब हीरो वही नहीं होता, जिसे हर वक्त परफेक्ट दिखना होता है। अब आम आदमी भी हीरो बन सकता है। यही बदलाव मुझे पसंद है, क्योंकि अब किरदारों को निभाने का मौका मिलता है। लेकिन इंडस्ट्री में आपको हमेशा प्रोएक्टिव रहना पड़ता है। स्ट्रगल तो हमेशा रहता है। बस, आपको पता होना चाहिए कि कौन-कौन सी स्क्रिप्ट मार्केट में है, कौन-कौन से शोज या फिल्में बन रही हैं। अगर आप अपने घर बैठकर सोचते हैं कि काम खुद चलकर आएगा, तो ऐसा नहीं होता। आपको लोगों से मिलना पड़ता है, ऑडिशन देना पड़ता है। मेरा मानना है कि जितना ज्यादा ऑडिशन देंगे, आपकी एक्टिंग उतनी ही निखरेगी। मुझे लगता है कि आजकल लोगों के पास चॉइस बहुत हैं। इसलिए हर ऐक्टर को अपने टैलेंट को लगातार निखारते रहना चाहिए।

एलनाज नौरोजी के हाथ लगी हॉलीवुड फिल्म

एलनाज नौरोजी बॉलीवुड फिल्मों और हिंदी वेब सीरीज में काफी समय से एक्टिव हैं। वह ईरानी-जर्मन मूल की मॉडल हैं, जो भारत में रहती हैं। हाल ही में एलनाज नौरोजी के हाथ एक हॉलीवुड फिल्म लगी है। इस फिल्म में उन्हें जाचरी लेवी और लियाम निसन के साथ काम करने का मौका मिलेगा। इससे पहले वह 'कंधार' नाम की एक हॉलीवुड फिल्म कर चुकी हैं। एलनाज के बॉलीवुड करियर की बात है तो वह 'सेक्रेड गेम्स' में जोया का किरदार निभा चुकी हैं। एक्ट्रेस हिंदी फिल्म 'हैलो चार्ली' और 'जुग जुग जीयो' में भी नजर आ चुकी हैं। एलनाज म्यूजिक वीडियो का भी हिस्सा रह चुकी हैं। वह साल 2018 में गुरु रंधावा के म्यूजिक वीडियो 'मेड इन इंडिया' में भी दिखी थीं।

चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ जीत से शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

कराची (एजेंसी)। दुबई (ईएमएस)। भारतीय टीम गुरुवार को यहां के दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के ग्रुप ए के अपने पहले मैच में बांग्लादेश को हराने के इरादे से उतरेगी। हाल में इंग्लैंड के खिलाफ मिली जीत से भारतीय टीम के हौंसले बुलंद हैं। वह इस मैच को जीतकर यहां के मैदान के अनुरुप ढ़लते हुए पाकिस्तान के खिलाफ अगले मैच के लिए भी लय हासिल करना चाहेगी। बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबला टीम इंडिया के लिए इसलिए अहम है, क्योंकि कई सवाल मौजूदा टीम पर हैं। भारतीय टीम के लिए इस मैच में जसप्रीत बुमराह के विकल्प के तौर पर किसी गेंदबाज को रखती है। ये देखना होगा। बुमराह फिट नहीं होने के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर हैं। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है हालांकि इसके लिए उसके बल्लेबाजों और गेंदबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम की जीत कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली की बल्लेबाजी पर भी निर्भर करेगी। इस मैच में उपकप्तान शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर पर भी भारतीय प्रशंसकों की नजर रहेंगी। कप्तान रोहित ने कुछ दिन पहले इंग्लैंड के खिलाफ शानदार शतक और कोहली ने अर्धशतक बनाया था। इसके अलावा शुभमन ने भी अच्छा प्रदर्शन किया और इंग्लैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज में एक शतक और दो अर्धशतक लगाये। हालांकि, चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के सामने चुनौती घरेलू सीरीज से काफी अलग है। ग्रुप ए में भारत को इस मैच के बाद पाकिस्तान और न्यूजीलैंड से खेलना है। वहीं एक हार भी उसे बाहर कर सकती है। भारतीय टीम ने पिछले कुछ समय में एकदिवसीय ओवर के क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है पर बांग्लादेश के खिलाफ उसे सही संयोजन रखना होगा।

इस मैच में देखना होगा कि विकेटकीपर बल्लेबाज के एल राहुल अपने पसंदीदा पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे या फिर अक्षर पटेल उनसे ऊपर आएंगे और वह छठे नंबर पर उतरेंगे। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती दो मैचों में छठे नंबर पर बल्लेबाजी की थी पर अंतिम एकदिवसीय मै में वह पांचवें नंबर पर उतरे। दो मैचों में वे विफल रहे थे, लेकिन तीसरे मैच में उन्होंने रन बनाए थे। ऐसे में पूरी संभावना है कि टीम प्रबंधन मैच की स्थिति के अनुसार ही कोई फैसला करेगा।

दूसरी ओर गेंदबाजी में सही संतुलन हासिल करना आसान नहीं है। मुख्य तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के नई गेंद से साझेदार के रूप में

अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा में से एक को चुना जाएगा ये देखना होगा। शमी को भी अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा। राणा ने अब तक प्रभावशाली प्रदर्शन किया है और वह सपाट पिचों पर भी अपनी गति और उछाल के साथ बल्लेबाजों को परेशान करने की क्षमता रखते पर अर्शदीप बाएं हाथ के कोण और अपनी गेंदबाजी में मौजूद विविधता के कारण नई गेंद की जिम्मेदारी उठाने की दौड़ में सबसे आगे हैं।

इसके अलावा भारतीय टीम तीन स्पिनरों को शामिल कर सकती है। हार्दिक पांड्या तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर होंगे, लेकिन यहां भी भारत को इस बात पर विचार करना होगा कि रविंद्र जडेजा और अक्षर के अलावा तीसरा स्पिनर कौन होगा। बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव और मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती में से किसी एक को शामिल करने के फैसला आसान नहीं होगा। अगर हाल के प्रदर्शन को ध्यान रखें तो वरुण को अवसर मिलेगा, वहीं अनुभव को देखें तो कुलदीप रहेंगे। को मौका मिलना चाहिए, लेकिन कुलदीप ने मंगलवार को यहां नेट पर कुछ प्रतिष्ठित बल्लेबाजों को चकमा देकर अपनी क्षमता दिखाई।

वहीं बांग्लादेश टीम में भी इस बार अनुभवी शाकिब अल हसन और लिटन दास जैसे खिलाड़ी नहीं हैं। बांग्लादेश ने पूर्व में आईसीसी प्रतियोगिताओं में कई टीम को परेशान किया है। ऐसे में भारतीय टीम इस मैच में अपनी ओर से पूरी ताकत लगा देगी। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन ने हाल में कहा था कि इस बार भारतीय टीम में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह नहीं है जिससे उसके पास जीत का अवसर है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, लोकेश राहुल, ऋषभ पंत, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, रविंद्र जड़ेजा और वरुण चक्रवर्ती।

बांग्लादेश: नजमुल हुसैन शंटो (कप्तान), सौम्य सरकार, तंजीद हसन, तौहीद हृदय, मशफिकुर रहीम, एमडी महमूदुल्लाह, जाकिर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज, रिशाद हुसैन, तास्किन अहमद, मुस्ताफिजुर रहमान, परवेज हुसैन इमोन, नासुम अहमद, तंजीम हसन साकिब और नाहिद राणा।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में विराट तोड़ सकते हैं कई रिकार्ड

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में कई अहम रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। विराट ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में शानदार अर्धशतकीय पारी खेलकर फार्म हासिल कर लिया है। ऐसे में प्रशंसकों को उम्मीद है कि विराट चैंपियंस ट्रॉफी में मैच विजेता पारियां खेलेंगे।

विराट इस दौरान कई बड़े रिकॉर्ड बना सकते हैं। 297 एकदिवयीस मैचों में 13,963 रन बनाने वाले विराट के पास सबसे तेज 14,000 रन पूरे करने का अवसर है। अगर वह चैंपियंस ट्रॉफी में 37 रन बना लेते है तो वह एकदिवसीय में 14,000 रन बनाने वाले सबसे तेज बल्लेबाज बन जाएंगे। भारतीय टीम के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा ने ही एकदिवसीय में 14,000 से अधिक रन बनाए हैं। तेंदुलकर ने अपनी 350वें पारी में 14,000 रन का आंकड़ा पार किया था, जबकि संगकारा ने अपने 378 वीं पारी में यह उपलब्धि हासिल की थी। वहीं कोहली ने अब तक सिर्फ 285 पारियां खेली है।

विराट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के भी बेहद करीब हैं। कोहली ने सभी फॉर्मेट में 545 मैच खेले हैं और 27,381 रन बनाए हैं। अगर वह चैंपियंस ट्रॉफी 103 रन बना लेते हैं तो ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ देंगे। पोंटिंग ने 560 मैच खेले और 27,483 रन बनाए हैं विराट ने 2009 में भारत के लिए चैंपियंस ट्रॉफी में डेब्यू किया था. और अब तक खेले गए 13 मैचों में 529 रन बनाए हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में खेल रहे बल्लेबाजों में विराट सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं.। 263 रन बनाने के साथ ही वो वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान क्रिस गेल के 791 रनों का रिकॉर्ड तोड़कर टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे।

विराट कोहली के निशाने पर चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे ज्यादा पाचास रन बनाने का रिकॉर्ड भी होगा। अब तक खेले गए 13 चैंपियंस ट्रॉफी मुकाबलों में उन्होंने पांच अर्धशतक बनाए हैं। अगर इस बल्लेबाज ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में दो अर्धशतक बना लिए तो वह राहुल द्रविड़ के सबसे ज्यादा अर्धशतकों 6 का रिकॉर्ड तोड़ देंगे।

बांग्लादेश के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी मुकाबले में अर्शदीप को शामिल करे भारत : पोंटिंग

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम चैम्पियंस ट्रॉफी में अपना पहला मैच गुरुवार को बांग्लादेश से खेलेगी। इसी को लेकर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा कि भारतीय टीम को इसमें हर्षित राणा की जगह पर बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को शामिल करना चाहिये। पोंटिंग के अनुसार इस टूर्नामेंट में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में अर्शदीप अहम भूमिका निभा सकते हैं। राणा ने हाल में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अच्छा प्रदर्शन कर अंतिम ग्यारह के लिए अपनी दावेदारी पक्की की थी।

पोंटिंग ने कहा कि मैं पहले मैच के लिए बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को रखना चाहूंगा। इसलिए मैं राणा की जगह अर्शदीप को टीम में रखना चाहूंगा। उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि अर्शदीप कितना अच्छा गेंदबाज है और अगर कौशल की बात करें तो शायद उसके पास भी बुमराह जैसा कौशल है। वह नई गेंद से डेथ ओवरों में प्रभावी प्रदर्शन करने में सक्षम है। पोंटिंग ने कहा कि हर्षित भी एक अच्छा गेंदबाज है। मुझे लगता है कि वह काफी प्रतिभाशाली हैं और हम सभी जानते हैं कि नई गेंद से वह क्या कमाल कर सकता है पर मुझे नहीं लगता कि डेथ ओवरों में वह अर्शदीप जैसी भूमिका निभा सकता है। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि अंतिम एकादश में बाएं हाथ का तेज गेंदबाज होना अंतर पैदा करता है। इससे आक्रमण को विविधता मिलती है। टीम में नई गेंद संभालने और मूव करने में सक्षम गेंदबाज की हमेशा ही जरुरत होती है।

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले बाबर आजम के लिए बुरी खबर, शुभमन गिल फिर बने आईसीसी वनडे रैंकिंग में नंबर 1

दुबई (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी के शुरुआती दिन जारी आईसीसी रैंकिंग अपडेट में शुभमन गिल और महेश थीक्षाना क्रमशः नए नंबर 1 पुरुष वनडे बल्लेबाज और गेंदबाज बन गए हैं। गिल अपनी सूची में बाबर आजम से आगे निकल गए हैं, जबकि थीक्शाना ने राशिद खान को पछाड़ा है। गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला में 87, 60 और 112 के स्कोर बनाया था जिससे टीम इंडिया 3-0 से सीरीज जीती। वह 269 रन बनाकर टॉप स्कोरर रहे। उनके बाद श्रेयस अय्यर (181 रन) का नाम था।

आईसीसी वनडे रैंकिंग

1. शुभमन गिल, भारत (796 रेटिंग)
2. बाबर आजम, पाकिस्तान (773 रेटिंग)
3. रोहित शर्मा, भारत (761 रेटिंग)
4. हेनरिक क्लासेन, दक्षिण अफ्रीका (756 रेटिंग)
5. डेरिल मिचेल, न्यूजीलैंड (740 रेटिंग)
6. विराट कोहली, भारत (727 रेटिंग)
9. श्रेयस अय्यर, भारत (679 रेटिंग)

यह दूसरी बार है जब गिल एकदिवसीय क्रिकेट में शीर्ष पर पहुंचे हैं - पिछला अवसर 2023 में एकदिवसीय विश्व कप के दौरान था। गिल की बढ़त ने बाबर को दूसरे स्थान पर धकेल दिया। गिल के 796 रेटिंग अंक हैं, जबकि बाबर के 773 हैं। उनके बाद शीर्ष 5 में रोहित शर्मा, हेनरिक क्लासेन और डेरिल मिशेल हैं, जो पाकिस्तान में त्रिकोणीय श्रृंखला के बाद 2 स्थान ऊपर चढ़ गए हैं, जहां उन्होंने 81, 10 और 57 रन बनाए थे। इंग्लैंड के खिलाफ दो वनडे मैचों की सीरीज के बाद श्रीलंका के कप्तान चैरिथ असलांका आठ स्थान ऊपर चढ़कर 8वें नंबर पर पहुंच गए हैं, जबकि पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान 15वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

श्रीलंका चैंपियंस ट्रॉफी का हिस्सा नहीं है क्योंकि वह क्वालीफिकेशन से चूक गई थी। राशिद जिन्होंने पिछले दिसंबर से कोई वनडे नहीं खेला है, दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं, लेकिन थीक्षाना बहुत पीछे नहीं हैं। उनके पास 669 रेटिंग अंक हैं। गेंदबाजों की तालिका में थीक्षाना और राशिद के पीछे नामीबिया के बर्नार्ड शोल्ट्ज़ हैं, उनके बाद शीर्ष पांच में भारत के कुलदीप यादव और पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी हैं। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने भी बड़ा कदम उठाया है, पाकिस्तान त्रिकोणीय श्रृंखला में 3 एकदिवसीय मैचों में उनके 5 विकेट ने उन्हें पांच स्थान का फायदा दिया है और उन्हें नंबर 7 पर डाल दिया है।

चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए बाकि देशों के साथ ही भारतीय झंडा भी पाक बोर्ड ने लगाया

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अब कराची में भारतीय झंडा भी लगा दिया है। इससे पहले पीसीबी ने चैम्पियंस ट्रॉफी के शुरुआती कार्यक्रम में भारत का झंडा नहीं लगाया था पर इस मामले पर हुई आलोचना के बाद उसने भारतीय झंडा भी लगा दिया है। इससे पहले सोशल मीडिया पर कराची के नेशनल स्टेडियम की कुछ तस्वीरें और वीडियोज वायरल हुई थीं। इनमें भारतीय झंडा नहीं था। वहीं चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा ले रहे बाकी सभी देशों का झंडा था। वहीं अब नई तस्वीरों में चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत के झंडे को अन्य भाग लेने वाले देशों के साथ रखा गया है। यहां तक कि भारतीय टीम की जर्सी पर भी दुबई में खेलने के बाद भी मेजबान देश पाकिस्तान का नाम लिखा है पर , अभी भी स्टेडियम के ऊपर भारत का झंडा नहीं लहरा रहा है, इसके बारे में कहा गया है कि भारतीय टीम अपने मुकाबले दुबई में खेलेगी। इसलिए यहां झंडा नहीं लगाया गया है। पीसीबी के एक अधिकारी ने कहा, जैसा कि आप जानते हैं, भारतीय टीम आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान अपने मैच खेलने के लिए पाकिस्तान नहीं आ रही है; कराची के नेशनल स्टेडियम, रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम और लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में उन देशों के झंडे फहराए गए हैं, जो इन स्थलों पर खेलने जा रहे हैं। वहीं बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने भी इस विवाद को लेकर कहा कि पीसीबी को पहले यह पुष्टि करनी चाहिए कि वहां पहले भारतीय झंडा था या नहीं।

चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पांच स्पिनर रखे जाने को सही नहीं मानते कार्तिक

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पांच स्पिनरों को रखे जाने को सही नहीं माना है। इस टूर्नामेंट में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह खेल नहीं रहे हैं और उनके विकल्प के तौर पर युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को शामिल किया गया है। इसमें ओपनर यशस्वी जायसवाल को बाहर करने के बाद स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को भी अवसर दिया गया है। वरुण भारतीय दल में पांचवें स्पिनर हैं। वहीं कार्तिक को लगता है कि बुमराह के सबसे बेहतर विकल्प तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज होते। उन्होंने कहा, देखिए, अगर आपको अनुभव के आधार पर जाना था तो सिराज अच्छे विकल्प हो सकते थे। हालांकि, हर्षित ने इंग्लैंड के खिलाफ बहुत अच्छी गेंदबाजी की जिससे मुझे लगता है कि भारतीय प्रबंधन अभी हर्षित से बहुत प्रभावित है।। भारत को चैंपियंस ट्रॉफी के अपने सभी मैच दुबई में खेलने हैं। इसें स्पिन ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा का अंतिम ग्यारह में शामिल होना लगभग तय है। दुबई के हालातों में कुलदीप यादव भारत के लिए गेंद से अंतर पैदा कर सकते हैं। स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल बल्ले की भी अनदेखी नहीं हो सकती। कार्तिक ने कहा कि दल में पांच स्पिनरों का होना यह दिखाता है कि टीम मैनेजमेंट आदर्श संयोजन को लेकर संशय में है। कार्तिक ने कहा, 'मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि पांच स्पिनर बहुत ज्यादा हैं। मुझे लगता है कि वे चार से भी काम चला सकते थे। और यहीं पर मुझे लगता है कि यह थोड़ा सा संशय भी दिखाता है। इसके अलावा यशस्वी जैसे बल्लेबाज की जगह विकल्प के तोर पर स्पिनर को रखना हैरानी की बात है।'

एफआईएच हॉकी प्रो लीग में जर्मनी ने भारत को 4-1 से हराया

भुवनेश्वर (एजेंसी)। मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी ने मंगलवार को पुरुष एफआईएच हॉकी प्रो लीग के रोमांचक मुकाबले में भारत को 4-1 से हरा दिया। आज यहां भुवनेश्वर के प्रतिष्ठित कलिंगा हॉकी स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में जर्मनी के लिए फ्लोरियन स्पर्लिंग ने (7वें) मिनट, थिएस प्रिंज ने (14वें) मिनट, मिशेल स्ट्रुथॉफ ने (48वें) मिनट और राफेल हाटकॉफ ने (55वें) मिनट में गोल किए।

वहीं, भारत की ओर से एकमात्र गोल गुरजंत सिंह ने (13वें)मिनट में किया। पहले क्वार्टर में जर्मनी की ओर से फ्लोरियन स्पर्लिंग ने सातवें मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके कुछ देर बाद ही भारत के गुरजंत सिंह ने 13वें मिनट में गोलकर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया।

जर्मनी के थिएस प्रिंज ने 14वें मिनट में एक और गोल करके अपनी टीम की बढ़त को 2-1 कर दिया। भारत ने दूसरे और तीसरे क्वार्टर में आक्रामक प्रदर्शन किया। लेकिन भारतीय खिलाड़ी गोल करने में विफल रहे। 48वें मिनट में जर्मनी ने मिशेल स्ट्रुथॉफ के जरिए गोलकर बढ़त को 3-1 कर दिया। इसके दो मिनट बार राफेल हाटकॉफ ने जर्मनी के चौथा गोल कर अपनी टीम जीत सुनिश्चित कर दी।

चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय बल्लेबाजों को परेशान कर सकते हैं बांग्लादेश के नाहिद

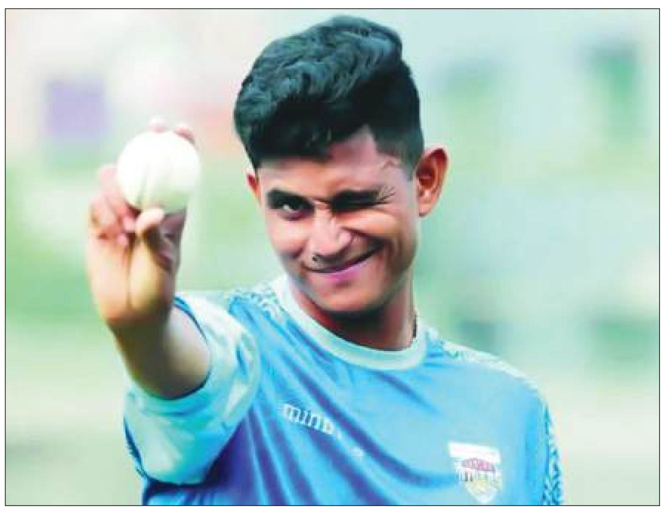

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम को गुरुवार को बांग्लादेश से खेलना है। इस मैच में भारतीय टीम को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है पर उसे बांग्लादेश के एक खिलाड़ी से सावधान रहना होगा। ये खिलाड़ी तेज गेंदबाज नाहिद राणा है।

6 फुट 5 इंच लंबे राणा बांग्लादेश टीम के ट्रंपकार्ड है और उनकी गेंदबाजी में दिग्गज तेज गेंदबाजों की झलक मिलती है। ऐसे में दुबई की पिच पर राणा अपनी स्पीड से भारतीय बल्लेबाजो को परेशान कर सकते है क्योंकि रफ्तार के साथ साथ उनके लंबे कद की वजह से गेंद को जो उछाल मिलती है वो उनकी गेंदबाजी को बेहद खतनाक बनाता है। पिछले साल टेस्ट सीरीज के दौरान नाहिद ने विराट कोहली और रोहित शर्मा को भी परेशान किया था। एक साल से कम समय में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी जगह बनाने वाले नाहिद तेज गेंदबाजी के साथ ही अच्छी लाइन लेंथ भी रखते हैं। जिससे उन्हें खेलना कठिन होता है. राणा के साथ साथ तस्किन अहमद और मुस्तिफिजुर रहमान भी भारतीय बल्लेबाजी के लिए मुश्किलें खड़ी करेंगे।

आंकड़ों को देखें तो भारतीय टीम बांग्लादेश पर भारी है। आईसीसी टूर्नामेंट के आंकड़ों के साथ ही ओवरऑल एकदिवसीय रिकॉर्ड भी उसके पक्ष में हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में खेलने के लिए चुनी गई भारतीय टीम के पास जहां 1389 मैचों का अनुभव है। वहीं बांग्लादेश की टीम के पास 1024 एकदिवसीय का ही अनुभव है।

मैक्सवेल विफल हुए तो ऑस्ट्रेलिया होगी बाहर : वॉन

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि अगर ऑलरांउडर ग्लेन मैक्सवेल इस बार असफल रहे तो ऑस्ट्रेलियाई टीम आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी से बाहर हो जाएगी। वॉन के अनुसार मिशेल स्टार्क, नियमित कप्तान पैट कमिंस और जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले ही कमजोर है। ऐसे में नये गेंदबाजों के लिए पाकिस्तान और दुबई में बल्लेबाजों को रोकना कठिन होगा। कमिंस और हेजलवुड चोटों के कारण बाहर हो गए, जबकि स्टार्क ने निजी कारणों से टूर्नामेंट से बाहर होने का फैसला किया। वॉन ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया को अपने तीन मुख्य तेज गेंदबाजों की कमी खलेगी। मिचेल स्टार्क टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। कमिंस और जोश हेजलवुड भी नहीं हैं। उनका मुख्य तेज गेंदबाजी आक्रमण पाकिस्तान और दुबई में नहीं होगा। ऐसा लगता है कि यह ऑस्ट्रेलिया के लिए बहुत बड़ा झटका है। वॉन ने स्टीव स्मिथ को कप्तान बनाना सही फैसला है। साथ ही कहा कि सभी कप्तानों में से स्मिथ रणनीतिक तौर पर देखा जाये तो किसी भी अन्य कप्तान की तरह ही अच्छे हैं। हालांकि, तीन मुख्य तेज गेंदबाजों के गायब होने के कारण स्मिथ को चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया को सफलता दिलाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। उनके अनुसार मार्कस स्टोइनिस और मिचेल मार्श के टीम में नहीं होने से भी मैक्सवेल पर दबाव रहेगा। स्टोइनिस ने कुछ हफ्ते पहले ही एकदिवसीय से संन्यास की घोषणा की जबकि मार्श घायल हो गए थे। वॉन के अनुसार, मैक्सवेल ऑस्ट्रेलियाई टीम के ऐसे खिलाड़ी होंगे जिन पर सबकी नजर रहेगी। उन्होंने कहा कि ग्लेन मैक्सवेल और स्पिनर एडम जम्पा ऑस्ट्रेलिया के मुख्य खिलाड़ी होंगे, लेकिन मुझे लगता है कि बहुत कुछ मैक्सवेल के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा।

डीविलियर्स के नाम हैं कई रिकार्ड

जोहांबर्ग । दक्षिण अफीका के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज एबी डीविलियर्स अपने आक्रामक क्रिकेट के कारण जाने जाते हैं। उन्होंने अपनी तेज पारियों से कई बड़ें रिकार्ड कायम किये हैं जिन्हें तोड़ना किसी के लिए भी आसान नहीं होगा। इसए बल्लेबाज ने एक से बड़कर एक ऐसे शॉट लगाये जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। डीविलियर्स के नाम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक का विश्व रिकॉर्ड है। यह रिकॉर्ड उन्होंने एक दशक पहले बनाया था जो आज तक कोई बल्लेबाज नहीं तोड़ पाया है। उन्होंने 16 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया था। डीविलियर्स ने साल 2015 में वेस्टइंडीज के खिलाफ केवल 16 बॉल पर ये रिकार्ड बनाया था। उन्होंने तब श्रीलंका के पूर्व सलामी बल्लेबाज सनथ जयसूर्या के रिकॉर्ड को तोड़ा था। जयसूर्या ने साल 1996 में पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 17 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। डीविलियर्स एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने सबसे कम गेंदों पर शतक लगाया है जो आज तक कोई नहीं तोड़ पाया। यह विश्व कीर्तिमान उन्होंने साल 2015 में वेस्टइंडज के खिलाफ बनाया था। तब उन्होंने शतक पूरा करने के लिए 31 गेंदें खेलीं थी। डीविलियर्स ने उस समय न्यूजीलैंड के कोरी एंडरसन का रिकॉर्ड तोड़ा था जिन्होंने 2014 में विंडीज के खिलाफ 36 गेंदों पर शतक लगाया था।

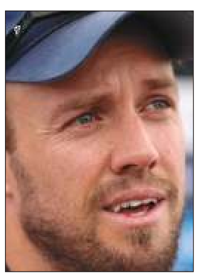

चैंपियंस ट्रॉफी में पहली बार खेलेंगे दस भारतीय खिलाड़ी

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में इस बार भारतीय टीम में पिछली बार के केवल 5 ही खिलाड़ी शामिल हैं। ऐसे में इस बार करीब एक दस खिलाड़ियों को भारतीय टीम की ओर से डेब्यू का अवसर मिल सकता है। इस बार कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा और तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के अलावा सारे ही नए खिलाड़ी हैं। यशस्वी जायसवाल और जसप्रीत बुमराह के संभावित खिलाड़ियों की सूची से बाहर होने के कारण वरुण चक्रवर्ती और हर्षित राणा को अवसर मिला है.

साल 2017 में आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी को खेला गया था। अब 8 साल बाद इस आईसीसी टूर्नामेंट की वापसी होने जा रही है। पिछली बार पाकिस्तान ने भारत को हराकर इस ट्रॉफी को अपने नाम किया था। तब से अब तक आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन नहीं किया है। अब एक बार फिर से इस मेगा इवेंट का आयोजन किया जा रहा है। इतने लंबे अंतराल में कई भारतीय खिलाड़ियों ने संन्यास ले लिया है तो कुछ टीम में जगह नहीं बना पाए। भारतीय दल में शामिल 15 में से 5 खिलाड़ियों ने ही चैंपियंस ट्रॉफी खेला है. चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम में 10 खिलाड़ी पहली बार खेलेंगे। इसमें शुभमन गिल (उपकप्तान), श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती शामिल हैं। उप कप्तान शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल, कुलदीप यादव और हर्षित राणा का खेलना तो पक्का माना जा रहा है। वहीं ऋषभ पंत, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती को अंतिम ग्यारह में अवसर मिलना थोड़ा मुश्किल है।

टीम – रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, रविंद्र जडेजा और वरुण चक्रवर्ती

अमरेली में नदी से पानी लेने गए 7 साल के बच्चे को शेर खा गया

अमरेली। गुजरात के अमरेली से एक चौंकाने वाला मामला आया है। जहां शेर ने एक बच्चे पर हमला कर बच्चे को खा लिया। जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश का एक परिवार अमरेली के पनिया गांव में बबूल के पेड़ काटने का काम कर रहा था, तभी उनके तीन बच्चे पानी भरने पास की नदी पर गए थे। वहां उन्हें अचानक शेर की दहाड़ सुनाई दी। जिससे 2 बच्चे भागे लेकिन एक बच्चे को शेर ने दबोच लिया और इतना बुरा काटा की बच्चे के टुकडे-टुकडे हो गए। वहीं, परिजन जब बच्चे को बचाने पहुंचे घटनास्थल पर पहुंचे तब उन्हें सिर्फ सिर, पैर और कुछ हड्डियां ही मिली। बीते अक्टूबर महीने में भी अमरेली के जिकाद्री गांव में एक पांच साल के बच्चे पर शेरनी ने हमला कर मार डाला था। इसके बाद शेर के हमले की यह दूसरी घटना है। फिलहाल वन विभाग ने कहा कि हमें जानकारी मिली, उसके बाद हमारी टीम ने 2 घंटे के अंदर शेर का रेस्क्यू किया। रेस्क्यू के बाद शेर को एनीमल केर सेंटर में भेजा गया है जहां पर उसकी जांच होगी। जिस बच्चे को शेर काटकर खा गया, उसका नाम राहुल बारीया था और वह 7 साल का था। बच्चे के पिता नारू बारिया और अन्य मजदूर यहां बबूल के पेड़ काटने का काम करने आए हैं। शेरों के इलाके में ये मजदूर झोपड़ी बनाकर खुले आसमान के नीचे रहते हैं। रात में इलाके में शेरों की दहाड़ के बावजूद वे सीमा से नहीं हटे। परिवार के मुताबिक सुबह राहुल दो अन्य लड़कियों के साथ एक बर्तन में पानी भरने के लिए पास की नदी पर गया था। तभी नदी के किनारे एक शेर उनका शिकार करने के लिए दौड़ा। दोनों लड़कियां भागने में सफल रहीं, लेकिन शेर राहुल को लेकर बबूल के पेड़ के पास गया और उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए।

अखिलेश का आरोप, कुंभ में पूरा पैसा खर्च कर रही योगी सरकार, किसानों के लिए कुछ नहीं बचेगा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (एसपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश सरकार के आगामी बजट को लेकर निशाना साधा है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि योगी सरकार सारा पैसा कुंभ मेले पर खर्च कर रही है, इसके बाद प्रदेश के किसानों के लिए कुछ नहीं बचेगा। सपा प्रमुख अखिलेश ने कहा, योगी सरकार को किसानों की स्थिति पर ध्यान देना चाहिए। अगर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है, तब कृषि क्षेत्र में निवेश बढ़ाना होगा। लेकिन योगी सरकार अपनी प्राथमिकताओं को भूलकर केवल धार्मिक आयोजनों पर पानी की तरह पैसा बहा रही है।

दरअसल अखिलेश ने यह बयान तब दिया है जब यूपी सरकार अगले बजट की तैयारियों में जुटी हुई है। अखिलेश ने कहा, कुंभ का आयोजन महत्वपूर्ण है, लेकिन जब किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य नहीं मिल रहा, गन्ना किसानों के बकाए का भुगतान अटका है और महंगाई बढ़ रही है, तब सारा ध्यान सिर्फ कुंभ पर देना उचित नहीं है। अखिलेश के इस बयान पर बीजेपी नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। योगी सरकार के प्रवक्ताओं ने कहा कि कुंभ भारतीय संस्कृति और आस्था का महापर्व है और इस पर सवाल उठाना उचित नहीं। उन्होंने दावा किया कि सरकार किसानों और इंफ्रास्ट्रक्चर दोनों पर बराबर ध्यान दे रही है।

संगम में प्रदूषित पानी के मामले पर यूपी सरकार पर नाराज हुआ एनजीटी

नई दिल्ली। प्रयागराज के संगम में प्रदूषित पानी के मामले पर सुनवाई के वक्त नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) उत्तर प्रदेश सरकार की दलील पर नाराज हो गया। उत्तर प्रदेश पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (यूपीपीसीबी) ने कोर्ट में कहा कि सैंपल में जहां से पानी लिया गया, वहां का पानी दूषित था। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) ने एनजीटी के सामने रिपोर्ट पेश की थी, इस रिपोर्ट में कहा गया कि महाकुंभ में संगम का पानी नहाने योग्य नहीं है। पानी का फेकल कॉलीफॉर्म स्तर नहाने के लिए जरूरी प्राथमिक गुणवत्ता के स्तर के अनुरूप नहीं है। एनजीटी ने यूपी सरकार पर सवाल खड़े कर कहा कि आपने लंबा चौड़ा जवाब दाखिल किया लेकिन कहीं भी कोलीफॉर्म का जिक्र नहीं। एनजीटी ने कहा कि रिपोर्ट विस्तृत है, लेकिन उसमें गंगा यमुना की सफाई से जुड़े सारे मापदंडों का जिक्र नहीं। यूपीपीसीबी ने दावा किया कि जहां से सीपीसीबी ने गंगा यमुना में सैंपल लिया वहां पानी प्रदूषित था, लेकिन जहां से हमने लिए वहां पानी साफ था। यूपीपीसीबी की इस दलील पर एनजीटी नाराज हो गया। एजीटी ने आदेश दिया कि यूपी सरकार ने एनजीटी को भरोसा दिलाया कि वे सीपीसीबी की रिपोर्ट पर एक्शन लेगा। इतना ही नहीं यूपीपीसीबी गंगा यमुना में पानी की गुणवत्ता को लेकर एक हफ्ते में लेटेस्ट रिपोर्ट दाखिल करेगा। अब मामले की अगली सुनवाई 28 फरवरी को होगी।

देश के कई राज्यों में हो सकती है बारिश, 40 किमी की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अगले कुछ दिनों के लिए पूर्वानुमान जारी किया है। आईएमडी के मुताबिक पूर्वोत्तर असम में निचले क्षोभमंडल स्तर पर चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। इसके चलते 19 से 24 फरवरी के बीच अरुणाचल प्रदेश में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं अगले सात दिनों में असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भी बारिश हो सकती है। आईएमडी ने कहा है कि 19 और 20 फरवरी को अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बिजली के साथ बारिश हो सकती है। 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चल सकती हैं। आईएमडी ने कहा कि 19 और 20 फरवरी को जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में गरज के साथ हल्की बारिश हो सकती है। कुछ जगहों पर ऐसी स्थिति 23 फरवरी तक रह सकती है। 20 फरवरी को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली में भी हल्की बारिश हो सकती है।

दिल्ली जीत ली...अब बिहार, असम और तमिलनाडू फतह की तैयारी में जुटे पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में करीब तीन दशक बाद जीतने वाली भाजपा ने जश्न मना लिया है और अब फिर से दूसरे राज्यों की चुनावी तैयारी में जुट गई है। खासतौर पर पार्टी के शीर्ष नेता पीएम नरेंद्र मोदी किसी भी तरह से आराम के मूड में नहीं हैं। अब वे बिहार, असम और तमिलनाडु जैसे राज्यों को लेकर रणनीति तैयार कर रहे हैं। बिहार में इसी साल अक्टूबर तक विधानसभा चुनाव होने हैं। इसके बाद असम और तमिलनाडु में अगले साल चुनाव होने है। इन राज्यों को लेकर पहले से ही भाजपा तैयारी में है और 24 फरवरी को भागलपुर से पीएम नरेंद्र मोदी चुनाव अभियान की शुरुआत करने वाले है। भागलपुर में रैली को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इसके अलावा असम भी वे 24 फरवरी को ही जाएंगे।

असम और तमिलनाडु में चुनाव करीब एक साल दूर है, लेकिन पीएम मोदी अभी से तैयारियों में जुट गए है। इसकारण वे असम जाएंगे और फिर 28 तारीख को तमिलनाडु के रामेश्वरम भी पहुंच रहे हैं। पीएम मोदी यहां पर पंबन पुल का उद्घाटन करने वाले हैं, जो द्वीपीय शहर रामेश्वरम को तमिलनाडु के अन्य हिस्सों से जोड़ेगा। बिहार और असम के भाजपा नेताओं ने पीएम मोदी के दौरे की डिमांड की थी।

दिल्ली में खुद पीएम मोदी ने चुनाव प्रचार का नेतृत्व किया था। इतना ही नहीं यमुना की सफाई को लेकर उन्होंने कहा था कि इस काम की निगरानी मैं व्यक्तिगत तौर पर करूंगा। इसके बाद माना जा रहा है कि पीएम मोदी ही आने वाले चुनावों में भी बीजेपी का चेहरा होने वाले है। बिहार में भाजपा का सीएम नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू के साथ गठबंधन है। भागलपुर में पीएम मोदी के साथ ही मंच पर नीतीश कुमार भी मौजूद रहने वाले है। इसके बाद वहां नीतीश कुमार और पीएम मोदी की कुछ साझा रैलियां भी होंगी। असम में भाजपा बीते 10 सालों से सत्ता में है और उस पर तीसरी बार वापसी का दबाव होगा। भाजपा को भागलपुर सीट पर कमजोर माना जाता है। इसके बाद भागलपुर से पीएम मोदी का रैली करना अहम है। इसके अलावा संकेत है कि भाजपा बिहार में किसी भी इलाके में खुद को कमजोर नहीं दिखाना चाहती। भागलपुर में ही पीएम मोदी की ओर से किसान सम्मान निधि योजना की नई किस्त जारी की जाएगी। वह भागलपुर में एक नई सेंट्रल यूनिवर्सिटी की स्थापना के एक आयोजन में भी शामिल होने वाले है। यहीं से वह दो दिनों की असम यात्रा पर रवाना हो जाएंगे, जहां कारोबारी समिट का भी आयोजन होना है।

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने विरोधियों के मुंह किए बंद, मतभेद की खबरों को सिरे से खारिज किया

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ किसी भी तरह के मतभेद की खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि महायुति गठबंधन (बीजेपी-एनसीपी-शिवसेना) में सब कुछ ठीक है और उनके बीच किसी भी तरह का कोई कोल्ड वॉर नहीं है। इसतरह की खबरें तब चर्चा में आई जब शिंदे ने मुख्यमंत्री रिलीफ फंड के जैसा मेडिकल सेल बना दिया। शिंदे के कदम को लेकर विपक्ष ने सवाल खड़े कर दिए थे। शिंदे ने कहा कि यह नया सेल किसी कॉम्पीटीशन व्यवस्था के रूप में नहीं बल्कि मुख्यमंत्री के वॉर रूम के साथ मिलकर काम करेगा ताकि मरीजों को बेहतर सेवाएं दी जा सके। उधर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी मतभेद की खबरों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा, इस तरह के सेल का गठन कोई गलत बात नहीं है, क्योंकि इसका मकसद जरूरतमंद लोगों की मदद करना है। जब मैं उपमुख्यमंत्री था, तब मैंने भी इसी तरह का सेल बनाया था। दरअसल शिंदे की यह सफाई विपक्षी दलों के आरोपों के बाद आई है, जिसमें शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने दावा किया था कि राज्य में 'समानांतर सरकार चलाई जा रही है'। राउत ने कहा, अगर सरकार इसी तरह चलती रही तब महाराष्ट्र में राजनीतिक अस्थिरता और बढ़ेगी।

नाबालिग लड़कियों से बलात्कार और हत्या के मामले में बंगाल में छह दोषियों को मौत की सजा

-बंगाल पुलिस ने पेश की मिसाल

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की विभिन्न अदालतों ने नाबालिग लड़कियों से बलात्कार और हत्या के मामले में बीते छह माह में छह दोषियों को मौत की सजा सुनाई है। इसके अलावा, अपने परिवार के सदस्यों की हत्या करने के दोषी व्यक्ति को भी मृत्युदंड की सजा सुनाई गई, इससे राज्य में बीते छह महीने में मृत्युदंड की सजा पाने वालों की संख्या बढ़कर सात हो गई है।

इस सूची में आरजी कर अस्पताल बलात्कार और हत्या मामले के दोषी संजय रॉय का नाम शामिल नहीं है। किशोरी का क्षत-विक्षत शव सात फरवरी 2025 को कोलकाता के न्यू टाउन इलाके में मिला था। पुलिस ने मामले में 22 वर्षीय ई-रिक्शा चालक को गिरफ्तार किया है। बात दें कि बंगाल में आखिरी न्यायिक फांसी दो दशक पहले हुई थी। दक्षिण कोलकाता के एक आवासीय इमारत के सुरक्षा गार्ड धनंजय चटर्जी को 16 वर्षीय छात्रा से बलात्कार और हत्या के मामले में वर्ष 2004 में 15 अगस्त से ठीक पहले फांसी दी गई थी। अपराध को मार्च 1990 में अंजाम दिया गया था।

जघन्य अपराध के इन मामलों में सितंबर 2024 से फरवरी 2025 के बीच मौत की सजा सुनाई गई। सिलीगुड़ी की एक पॉक्सो अदालत ने सात सितंबर 2023 को मोहम्मद अब्बास को मौत की सजा सुनाई। आरोपी अब्बास को अगस्त 2023 में माटीगारा इलाके में स्कूल जा रही 16 वर्षीय लड़की से बलात्कार और हत्या का दोषी पाया गया था। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने फैसले का स्वागत कर लिखा, यह त्वरित सजा बंगाल पुलिस के प्रयासों का प्रमाण है बीते एक साल के भीतर न्याय सुनिश्चित किया। अपराजिता बलात्कार विरोधी विधेयक के लागू होने से इस तरह की कठोर सजाएं एक मिसाल बनेंगी, अपराधियों में डर पैदा करेंगी और इसतरह के जघन्य अपराधों को रोका जा सकेगा।

शक में पकड़े गए आरोपी ही निकले पाकिस्तान के खुफिया एजेंट

हनीट्रैप में फंसे पहुंचाई नेवी की सीक्रेट, एनआईए ने किया गिरफ्तार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के कारवार में एनआईए ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इन पर कारवार नौसेना अड्डे की गोपनीय जानकारी पाकिस्तान को देने का आरोप है। सूत्रों के मुताबिक ये मामला हनी-ट्रैपिंग का है। पाकिस्तानी एजेंटों ने इन लोगों को हनीट्रैप में फंसाया और सेना की गोपनीय जानकारी हासिल की। गिरफ्तार किए गए लोगों के नाम वेताना तंडेल और अक्षय नाइक हैं। वेताना तंडेल मुदुगा गांव का रहने वाला है, जबकि अक्षय नाइक हलवल्ली का।

एनआईए की टीम ने मंगलवार को दोनों को हिरासत में लिया था। जांचकर्ताओं को शक है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों ने हनी-ट्रैपिंग के जरिए इन दोनों को फंसाया। एक महिला एजेंट ने 2023 में फेसबुक पर इनसे दोस्ती की। फिर धीरे-धीरे नौसेना क्षेत्र की गतिविधियों, युद्धपोतों के आने-जाने और सुरक्षा संबंधी जानकारी मांगने लगी। एनआईए ने अगस्त 2024 में तीन लोगों से पूछताछ की थी। ये तीन लोग थे तंडेल, नाइक और तोदुर के सुनी। ये सभी जासूसी के शक में थे। उस समय उन्हें छोड़ दिया था, लेकिन उनकी गतिविधियों पर नज़र रखी जा रही थी।

इन पर आरोप है कि इन लोगों ने कारवार बेस की तस्वीरें और नौसेना की गतिविधियों की जानकारी पैसे के बदले साझा की है। उन्हें आठ महीने तक हर महीने पांच हजार रुपए मिलते थे। ये जासूसी का जाल 2023 में हैदराबाद में दीपक और अन्य की गिरफ्तारी के बाद सामने आया है। अधिकारियों ने इन आरोपियों के बैंक खातों में पैसे जमा होने का पता लगाया है। तंडेल और नाइक कारवार के चंद्या इलाके में आयरन एंड मर्करी नाम की कंपनी में ठेकेदारी पर काम करते थे। सुनील जो पहले सी बर्ड नौसेना बेस कैंटीन में कॉन्ट्रैक्ट पर काम करता था, अब ड्राइवर है।

एनआईए गिरफ्तार लोगों से पूछताछ कर रही है और उनकी गतिविधियों के बारे में और जानकारी जुटा रही है। माना जा रहा है कि इस मामले में और गिरफ्तारियां हो सकती हैं, क्योंकि अधिकारियों को शक है कि इसमें एक बड़ा नेटवर्क शामिल हो सकता है। कर्नाटक में भारतीय नौसेना का एक महत्वपूर्ण अड्डा है। यह भारत का तीसरा सबसे बड़ा नौसेना अड्डा है। भारत के दोनों विमानवाहक पोत, आईएनएस विक्रमादित्य और आईएनएस विक्रांत, कारवार में ही तैनात हैं। यह देश की पहली सीलिफ्ट सुविधा का घर है, जिसमें जहाजों और पनडुब्बियों को डॉक करने और बाहर निकालने के लिए एक शिपलिफ्ट और ट्रांसफर सिस्टम शामिल है। यह एक ऐसी तकनीक है जिससे जहाजों को पानी से उठाकर जमीन पर लाया जा सकता है।

निकाय चुनाव से पहले कांग्रेस को झटका, हरियाणा में 50 नेता बीजेपी में शामिल

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा में 2 मार्च को निकाय चुनाव होने वाले हैं और उससे पहले करनाल में कांग्रेस झटका लगा है। कांग्रेस के करीब 50 नेताओं ने बीजेपी का दामन थाम लिया है। इस दौरान हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी और प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली भी मौजूद थे। बीजेपी से जुड़ने वाले नेताओं में हरियाणा अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व चेयरपर्सन त्रिलोचन सिंह, पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष अशोक खुराना, करनाल नगर निगम के पूर्व चेयरपर्सन बलविंदर कालरा शामिल हैं। इसके अलावा आम आदमी पार्टी नेता संजय बिंदल, कांग्रेस के ओबीसी सेल के जिलाध्यक्ष संजय चंदेल के अलावा कई पूर्व पार्षदों ने बीजेपी की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस नेता निट्टू मान भी बीजेपी में शामिल हो गए हैं। करनाल सीट को बीजेपी का गढ़ माना जाता है और कांग्रेस के कुछ और नेताओं के आने से पार्टी मजबूत होगी। यहां से बीजेपी ने रेनू बाला गुप्ता को महापौर का उम्मीदवार बनाया है। सीएम सैनी ने कहा कि वह नेताओं का स्वागत करते हैं। आप लोगों के समर्थन से हमारी ताकत बढ़ेगी और हम पूरे समर्पण के साथ जनता की सेवा कर सकेंगे। इन नेताओं के कांग्रेस छोड़ने के बाद से पार्टी में हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पूर्व डिप्टी मेयर मनोज वाधवा को मेयर प्रत्याशी बनाए जाने से लोगों में निराशा हैं। कांग्रेस छोड़ने की खबरों के बाद पार्टी नेताओं ने बागियों से मुलाकात भी की। कई नेताओं के यहां खुद महापौर उम्मीदवार मनोज वाधवा पहुंचे और मनाने की कोशिश की। उन्हें उम्मीदवार बनाए जाने से खफा नेताओं ने बीजेपी जॉइन की और सदस्यता ले ली। त्रिलोचन सिंह ने कहा कांग्रेस अब जनहित के मुद्दों से भटक रही है। इसलिए पार्टी छोड़ दी है। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व को धन्यवाद दिया कि उन्हें दो बार चुनाव लड़ने का मौका दिया। इसके अलावा अल्पसंख्यक आयोग का चेयरमैन भी बनाया। वहीं कांग्रेस नेताओं ने कहा कि

बीजेपी ने नेताओं पर दबाव डाला है। इसके कारण त्रिलोचन सिंह समेत कई लोगों ने इस्तीफा दिया है। मनोज वाधवा ने तो तीखे लहजे में कहा कि त्रिलोचन सिंह ने मेरी पीठ पर छुरा मारा है। वह नामांकन पत्र दाखिल करने तक साथ थे। इसके बाद अगले ही दिन पाला बदल लिया।

कम बर्फबारी से जम्मू-कश्मीर में सूखे जैसे हालात, किसान हुए चिंतित

-कृषि विभाग ने दी पानी की कम खपत वाली फसलें उगाने की सलाह

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर में इस बार सूखे की आहट सुनाई देने लगी है। बर्फ रहित सर्दी और लंबे समय तक सूखे के कारण कश्मीर घाटी में जलाशयों के भरने में देरी हो रही है। इसके मद्देनजर किसान चिंतित हैं। अगर ऐसा होता है तो किसानों को समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसके चलते कृषि विभाग ने कश्मीर के किसानों को पानी की कम खपत वाली फसलें उगाने की सलाह दी है।

कृषि विभाग कश्मीर ने खासकर दक्षिण कश्मीर में प्रमुख जल निकायों के सूखने पर किसानों को चावल की खेती से दूर रहने और अन्य वैकल्पिक फसलें उगाने की सलाह दी। विभाग ने दावा किया कि है कि स्थिति से निपटने के लिए स्कॉस्ट-कश्मीर के साथ मिलकर आकस्मिक योजनाओं पर काम किया जा रहा है। स्कॉस्ट फसलों और अन्य किस्मों की वृद्धि के लिए उपयुक्त स्थानों के बारे में मार्गदर्शन करेगा। सूखे की स्थिति जारी रहने के साथ ही किसानों से कृषि एडवाइरी के लिए अपडेट रहने और पानी की कमी के प्रभाव को कम करने के लिए टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने को कहा गया है।

लम्बे समय बाद ऐसी स्थिति देखने को मिल रही है। इस बार बर्फ रहित सर्दियों को जलस्तर में कमी का मुख्य कारण बताया जा रहा है। सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग के मुताबिक कम बर्फबारी के कारण कश्मीर की जीवन रेखा झेलम सहित ज्यादातर नदियां जीरो लैवल से नीचे बह रही हैं। पिछले 45 दिनों में बहुत कम बर्फ पिघलने और कम बारिश होने से नदी का जलस्तर घट रहा है। पुलवामा स्थित संगम पर झेलम का जल स्तर माइनस 1.01 फीट तक पहुंच गया है जबकि राम मुंशी बाग में यह 3.52 फीट था और अशाम में स्तर 0.75 फीट तक गिर गया है। लिद्दर, राम बिआरा, द्रंग और पोहरू, सीलू सहित छोटी नदियां और नाले भी न्यूनतम जल स्तर से नीचे बह रहे हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक जम्मू और कश्मीर में अब तक बारिश में कुल 29 फीसदी की कमी आई है जबकि पिछले तीन महीनों में यह कमी 80 फीसदी के करीब है। अकेले जनवरी के महीने में कम बारिश और बर्फबारी दर्ज की गई है। वहीं 12 फरवरी तक पहले 2 महीनों में केंद्र शासित प्रदेश के सभी जिलों में बारिश में 70 से 80 फीसदी की भारी कमी दर्ज की गई थी। पूरे जम्मू-कश्मीर में 79 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई है और 1 जनवरी से 12 फरवरी 2025 तक सिर्फ 29.8 मिली मीटर बारिश दर्ज की।

मौसम विभाग ने अगले एक हफ्ते में 2 वैस्टर्न डिस्टर्बेंस के चलते 19 से 22 फरवरी और 25 से 27 फरवरी के बीच बारिश और बर्फबारी का अनुमान लगाया है। इस सीजन की बर्फबारी हो सकती है। कश्मीर घाटी के मैदानी इलाकों जिनमें श्रीनगर भी शामिल है यहां 4 जनवरी को आखिरी बार बर्फबारी हुई थी। इसके चलते सूखा खत्म होने की आस बंधी है।

सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी की राहुल गांधी को नसीहत, सेना को राजनीति में नहीं घसीटे

चीन के साथ सीमा विवाद पर बातचीत का दौर जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी को नसीहत दी है। उन्होंने कहा कि सेना को कभी भी राजनीति में नहीं घसीटना नहीं चाहिए। ऐसा होने पर बहुत चिंता की बात होगी। सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने कहा कि सेना ने चीन के साथ बातचीत के रास्ते को आगे बढ़ाया है। यदि हम एक दूसरे से बात करते हैं तब बहुत से संदेह दूर हो पाएंगे। हमारी यह राय रही है कि किसी भी तरह से संदेह को खत्म किया जाए। इसके लिए हमारे द्वारा कोर कमांडर्स को ताकत दी है कि जहां भी संभव हो, वे फैसला ले लें। यदि बातचीत से कोई मसला हल होता है, तब कर लिया जाए। उन्हें यह पावर दी गई है कि यदि उनके लेवल से कोई मामला हल हो सकता है, तब क्यों ना ऐसा किया जाए। उसके लिए किसी भी तरह की मंजूरी का इंतजार करने की जरूरत नहीं है।

दरअसल राहुल गांधी ने कहा था कि चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ ने कहा था कि लद्दाख सेक्टर में घुसपैठ हुई थी। इस पर उन्होंने कहा कि सेना को राजनीति में नहीं

घसीटा जाना चाहिए। वहीं महिलाओं को देवी काली की तरह सेना में शामिल करने की अपनी टिप्पणी पर फिर से जनरल द्विवेदी ने अपनी बात की। जनरल द्विवेदी ने कहा कि मेरा भाव यह था, जो हमारे इतिहास में झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के बारे में कहा गया था कि बुंदेले हरबोलों के मुंह हमने सुनी कहानी थी, खूब लड़ी मर्दानी वह झांसी वाली रानी थी। बता दें कि महिलाओं को सेना में शामिल करने के वह हिमायती रहे हैं। सेना प्रमुख ने इस दौरान हथियारों की बिक्री को लेकर भी बात की।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में हमारे यहां से विदेशों में हथियार भेजे जा रहे हैं। इसकी वजह यह है कि अब हथियार बनाने वाली कंपनियों को आसानी से लाइसेंस देने और छूट दी जा रही है। उन्होंने कहा कि भारत लंबे समय से यह कहता रहा है कि हम संवाद चाहते हैं। लेकिन जब जरूरी होगा, तब हम जंग से भी पीछे नहीं हटने वाले है। इस दौरान जब पूछा गया कि यदि किसी सेना कोई शहीद होता है, तब आप लोग कैसे परिवार को बताते हैं। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए बेहद दर्दनाक अनुभव होता है। लेकिन हम एक परिवार की तरह काम करते हैं। सेना में इंजीनियर, आर्टी, इन्फैंट्री सहित सभी लोग एक परिवार जैसे हैं।

आपबीती : सांप और मगरमच्छों से सामना, डंकी रूट से अमेरिका जाने वालों की दास्तां

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व सैनिक मंदीप सिंह से वादा किया गया था कि उन्हें अमेरिका में कानूनी रूप से प्रवेश दिलाया जाएगा, लेकिन उनका जीवन खतरे में पड़ गया और उन्हें मगरमच्छों व सांपों से निपटना पड़ा, सिख होने के बावजूद दाढ़ी कटवानी पड़ी और कई दिनों तक बिना भोजन के रहना पड़ा। मगर अमृतसर में अपने परिवार के लिए बेहतर जीवन सुनिश्चित करने का उनका सपना 27 जनवरी को उस समय टूट गया, जब मैक्सिको के तिजुआना के रास्ते अमेरिका में घुसने की कोशिश करते समय उन्हें अमेरिकी सीमा गश्ती दल ने गिरफ्तार कर लिया।

इसके बाद समूह को पनामा के जंगलों को पार कराया गया। उन्होंने कहा, यहां हमें साथी यात्रियों ने बताया कि अगर हम बहुत अधिक सवाल पूछेंगे तो हमें गोली मार दी जाएगी। 13 दिनों तक हम खतरनाक रास्ते से गुजरे जिसमें 12 नहरें शामिल थीं। मगरमच्छ, सांप - हमें सब कुछ सहना पड़ा। कुछ लोगों को खतरनाक सरीसृपों से निपटने के लिए लाठियां दी गईं। मनदीप ने कहा, हम अधपकी रोटियां और कभी-कभी नूडल्स खाते थे, क्योंकि उचित भोजन तो दूर की बात थी। हम दिन में 12 घंटे यात्रा करते थे।

मंदीप ने बताया कि पनामा पार करने के बाद समूह ने कोस्टा रिका में रुककर होंडुरास की यात्रा शुरू की, जहां, हमें अंततः चावल खाने को मिला। मनदीप ने बताया, लेकिन निकारागुआ से गुजरते समय हमें कुछ खाने को नहीं मिला। हालांकि ग्वाटेमाला में हमें किस्मत से दही चावल मिल गया। जब हम तिजुआना पहुंचे तो मेरी दाढ़ी जबरन काट दी गई। उन्होंने बताया कि 27 जनवरी की सुबह उन्हें बॉर्डर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, जब वे अमेरिका में घुसने के लिए सीमा पार कर रहे थे।

उन्होंने कहा, अधिकारियों ने हमें बताया कि हमें निर्वासित कर दिया जाएगा। वापस भेजे जाने से पहले हमें कुछ दिनों तक हिरासत केंद्र में रखा गया। गुरदासपुर जिले के रहने वाले लवप्रीत ने बताया कि वह एक साल पहले घर से चले गए थे। लवप्रीत ने कहा, मेरे ट्रैवल एजेंट ने मुझे डंकी रूट से जाने को कहा, जो सुरक्षित नहीं था। पनामा के जंगलों से गुजरना बहुत खतरनाक था। हम किसी तरह खुद को सांपों, मगरमच्छों और दूसरे जानवरों से बचाने में कामयाब रहे।

लवप्रीत ने कहा, हमें एक कंटेनर में मेक्सिको ले जाया गया। हमें शौच के लिए भी नहीं जाने दिया गया। अगर हम शौच के लिए कहते तो वे हमें पीटते थे। कपूरथला जिले के बीस वर्षीय निशान सिंह ने भी ऐसी ही आपबीती सुनाई। निशान के परिवार ने उन्हें

अमेरिका भेजने के लिए 40 लाख रुपए खर्च किए थे। निशान ने कहा, हमें पीटा गया, खाना नहीं दिया गया। हमने 16 दिन जंगल में बिताए, मुख्य रूप से पानी पर जीवित रहे। हमारे मोबाइल फोन और अन्य सामान छीन लिए गए।